THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 247 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.13 2081 शुक्रवार, 29 नवंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

आर्मी चीफ बोले-सेना में कुकी-मैतेई साथ काम करते हैं

पुणे, 28 नवंबर (एजेंसियां)। मणिपुर हिंसा के बीच आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि सेना कुकी और मैतेई समाज के लोगों को एकजुट करने का काम कर रही है। उनका कहना है कि भारतीय सेना एक जाति विहीन आर्मी है। यह आपसी तालमेल बढ़ाती है और मतभेद खत्म करती है। यहां सभी संस्कृति के लोग एक साथ काम करते हैं। जनरल द्विवेदी ने पुणे की सावित्रीबाई फुले यूनिवर्सिटी में एक प्रोग्राम के दौरान मणिपुर में शांति बहाली के लिए आर्मी के पूर्व सिपाहियों के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि रिटायर्ड जवान कुकी-मैतेई के बीच शांति स्थापित करने के लिए काम कर रहे हैं। दरअसल, मणिपुर में कई बार शांति बहाली के लिए कुकी और मैतेई समाज के एक्स-सर्विसमेन की रैलियां हुई हैं।

50 आतंकी ठिकानों पर छापेमारी

> कठुआ से आतंकवादियों के 10 मददगार गिरफ्तार, पूछताछ जारी

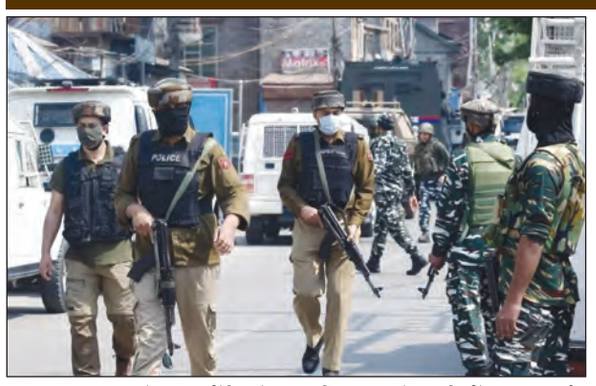

जम्मू, 28 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में संदिग्ध आतंकवादियों और उनके समर्थकों की धरपकड़ के लिए गुरुवार को पुलिस ने 50 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की। इसमें से अकेले कठुआ जिले के करीब 17 ठिकानों पर छापेमारी कर 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये आतंकियों की मदद करते थे। इनके पास से इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस भी जब्त की गई है। जम्मू रीजन के एडीजे आनंद जैन ने बताया कि पुलिस आतंकवादियों का समर्थन करने वाले कई संदिग्धों के खिलाफ मामला दर्ज कर पूछताछ कर रही है घाटी में पिछले दिनों हुए आतंकवादी हमलों के जवाब में ये कार्रवाई की जा रही है।

कठुआ पुलिस ने 14 सितंबर को सुरक्षाबलों के साथ मिलकर दो अलग-अलग जॉइंट ऑपरेशनों में जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठन के तीन विदेशी आतंकियों को मार गिराया था। ये ऑपरेशन मुख्य रूप से ऊपरी कठुआ और उसके सीमांत इलाकों में चलाए गए।

4 जिलों में 56 आतंकवादी ठिकानों पर रेड :

जम्मू कश्मीर पुलिस ने मंगलवार और बुधवार दो दिन में जम्मू के 4 जिलों में 56 आतंकवादी ठिकानों पर पहले ही रेड कर चुकी है। इन छापों में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के कई संदिग्ध आतंकवादियों और ग्राउंड वर्कर्स को गिरफ्तार किया गया। ये छापेमारी जम्मू रीजन के चार जिलों- रियासी, उधमपुर, राजोरी और पुंछ में हुई थी। इसमें पुलिस को कई हथियार, कैश, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और दस्तावेज बरामद हुए थे।

इससे पहले 23 नवंबर को पुलिस ने सेना के साथ एक ज्वाइंट ऑपरेशन में बारामूला के कुंजर में एक आतंकी ठिकाने पर हमला कर उसे ध्वस्त कर दिया था। वहीं 21 नवंबर को पुलिस ने जम्मू-कश्मीर में आतंकी घुसपैठ के मामले में रियासी, डोडा, उधमपुर, रामबन और किश्तवाड़ जिलों के 8 ठिकानों पर रेड की थी।

इंडियन नेवी ने के-4 बैलिस्टिक मिसाइल की सफल टेस्टिंग की

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। इंडियन नेवी ने एके-4 बैलिस्टिक मिसाइल की सफल टेस्टिंग की। यह टेस्टिंग न्यूक्लियर सबमरीन अरिघात से की गई थी। अरिघात को 2017 में लॉन्च किया गया था। इसका अपग्रेड वर्जन जल्द ही कमीशन किया जाएगा। अरिघात आईएनएस अरिहंत का अपग्रेडेड वर्जन है। इसे विशाखापट्टनम में भारतीय नौसेना के शिप बिल्डिंग सेंटर (एसबीसी) में बनाया गया था। अरिहंत की तुलना में अरिघात 3500 किलोमीटर की रेंज वाली के-4 मिसाइलों से लैस होगी। इस सबमरीन का वजन 6 हजार टन (60 हजार क्विंटल) है।

एनआईए की 6 राज्यों के 22 ठिकानों पर रेड

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। नेशनल इंवेस्टीगेशन एजेंसी (एनआईए) ने मानव तस्करी से जुड़े मामले में 6 राज्यों के 22 ठिकानों पर गुरुवार को छापेमारी की। इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर मानव तस्करी से जुड़ी एक गैंग की धरपकड़ के लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत अन्य राज्यों में रेड की गई है। इसमें एक बड़े नेटवर्क के जुड़े होने की आशंका है।

ये नेटवर्क युवाओं को विदेश में नौकरी का लालच देकर उनकी तस्करी करता है। इसके बाद उनसे साइबर फ्रॉड में जुड़े झूठे कॉल सेंटरों में जबर्दस्ती काम कराया जाता है। बिहार के गोपालगंज में इसके खिलाफ केस दर्ज कराया गया था। एनआईए ने लोकल पुलिस से यह केस अपने हाथों में ले लिया था।

तस्करों का नेटवर्क देश में एक राज्य से दूसरे राज्य में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों की तस्करी करता है। एनआईए को शक है कि यह गैंग तस्करी कर कुछ लोगों को विदेश भी भेजता है। इनका विदेशी तस्करों के गैंग से भी संबंध होने का शक है।

चौथी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने हेमंत सोरेन

इंडिया ब्लॉक के दिग्गज बने साक्षी

रांची, 28 नवंबर (एजेंसियां)। रांची के मोरहाबादी मैदान में झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने रांची में झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। हेमंत सोरेन चौथी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं। हेमंत सोरेन के शपथ ग्रहण समारोह में उनके पिता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन और उनकी मां रूपी सोरेन भी मंच पर मौजूद रहीं। इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी मंच पर मौजूद थे। विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन ने भाजपा के गमलियाल हेम्ब्रोम को 39 हजार 791 मतों के अंतर से हराकर बरहेट सीट बरकरार रखी थी। जबकि झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा में 56 सीटें हासिल कर शानदार जीत हासिल की, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को 24 सीटें मिलीं। बता दें कि झारखंड मुक्ति मोर्चा ने गठबंधन में सिर्फ 43 सीटों पर चुनाव लड़ा और 34 सीटें हासिल की थी।

दिल्ली के प्रशांत विहार में धमाका, एक शख्स घायल

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के रोहिणी में प्रशांत विहार इलाके में पीवीआर मल्टी प्लेक्स के पास गुरुवार की सुबह 11.48 बजे धमाका हुआ। घटना में एक शख्स घायल हो गया।

नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) और फोरेंसिक टीम जांच के लिए पहुंची है। इसके अलावा जांच के लिए बम निरोधक दस्ता के अधिकारी भी पहुंचे है। धमाका के कारणों का पता लगाया जा रहा है। फायर सर्विस के मुताबिक, उनके पास विस्फोट से जुड़ा एक कॉल आया। इसके बाद फायर ब्रिगेड की 4 गाड़ियां मौके पर पहुंची। यह धमाका पार्क की बाउंड्री वॉल के पास हुआ। बताया जा रहा है कि मौके पर सफेद पाउडर जैसी चीज बिखरी हुई मिली है। प्रशांत विहार में यह दूसरी ऐसी घटना है। इससे पहले 20 अक्टूबर को सीआरपीएफ पब्लिक स्कूल के पास भी इसी तरह का विस्फोट हुआ था।

अदाणी मुद्दे पर हंगामा : धनखड़ बोले-संसदीय विवाद लोकतंत्र को कमजोर करता है

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र का गुरुवार को तीसरा दिन था। प्रियंका गांधी पहली बार संसद पहुंचीं। उन्होंने लोकसभा में सांसद पद की शपथ ली। इस दौरान हाथ में संविधान की कॉपी ली।

प्रियंका के साथ उनकी मां सोनिया और राहुल गांधी भी संसद पहुंचे। प्रियंका वायनाड सीट से उपचुनाव जीती हैं। प्रियंका के साथ नांदेड़ से उपचुनाव जीतने वाले रविंद्र चव्हाण ने भी शपथ ली। लोकसभा में कार्यवाही शुरू होते ही अदाणी मुद्दे पर हंगामा होने लगा। विपक्ष के नेताओं ने नारे लगाए- देश का लूटना बंद करो। वहीं राज्यसभा में भी अदाणी मुद्दा उठा। हंगामा होता देख सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा- संसदीय विवाद लोकतंत्र को कमजोर करता है। इसके बाद दोनों सदन की कार्यवाही दोपहर पहले 12 बजे, फिर पूरे दिन के स्थगित कर दी गई।

उधर लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पर जॉइंट पैनल का कार्यकाल बजट सत्र 2025 के अंतिम दिन तक के लिए बढ़ा दिया गया है। पैनल के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने लोकसभा में प्रस्ताव पेश किया और इसे मंजूरी मिल गई। केरल के वायनाड लोकसभा उपचुनाव में प्रियंका गांधी की जीत के बाद लोकसभा में दोबारा कांग्रेस के 99 सांसद हो गए हैं। वायनाड सीट राहुल गांधी ने छोड़ी थी, जबकि नांदेड़ सीट कांग्रेस सांसद बसंतराव चव्हाण के निधन के चलते खाली हुई थी। इन पर हाल ही में उपचुनाव हुए हैं और दोनों ही सीटें कांग्रेस के पास वापस आ गई हैं। यह पहली बार हुआ है कि कांग्रेस पार्टी से जुड़े गांधी परिवार के 3 सदस्य एक साथ संसद के सदस्य हैं।

पीएम मोदी को नुकसान पहुंचाने की धमकी

मुंबई, 28 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धमकी देने के मामले में एक महिला को हिरासत में लिया गया है। धमकी मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम में मिली। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि मानसिक रूप से बीमार 34 वर्षीय एक महिला को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उस पर कथित तौर पर प्रधानमंत्री मोदी को नुकसान पहुंचाने की धमकी देने का आरोप है। अधिकारी ने बताया कि शहर के पुलिस नियंत्रण कक्ष को बुधवार को धमकी भरा कॉल आया। कॉल का पता पश्चिमी उपनगरों के अंबोली से लगाया गया और उसके बाद मामला दर्ज किया गया। इसके बाद मुंबई पुलिस की एक टीम ने महिला कॉलर का पता लगाया और उसे पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया कि जांच के बाद महिला मानसिक रूप से अस्थिर पाई गई और कॉल को 'शरारत' के तौर पर पाया गया।

बांग्लादेश इस्कॉन ने चिन्मय प्रभु को सभी पदों से हटाया

> अनुशासनहीनता के आरोप लगाए-जयशंकर ने पीएम मोदी को हालात की जानकारी दी

ढाका, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश इस्कॉन ने गुरुवार को चिन्मय प्रभु को सभी पदों से हटा दिया। संगठन के जनरल सेक्रेटरी चारू चंद्र दास ब्रह्मचारी ने अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी गतिविधियों की इस्कॉन से कोई ताल्लुक नहीं है। दास ने यह भी बताया कि चिन्मय की गिरफ्तारी के लिए हुए प्रदर्शनों में वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की मौत से भी उनके संगठन का कोई ताल्लुक नहीं है। उन्होंने कहा-बांग्लादेश के प्रदर्शनों में हमारा कोई रोल नहीं है। हमें बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। रोड एक्सीडेंट में हो रही मौत को भी हमसे जोड़ दिया जा रहा है। इससे पहले दोपहर में ढाका हाईकोर्ट ने इस्कॉन पर बैन लगाने की मांग को खारिज कर दिया। अदालत में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कहा कि इस्कॉन की गतिविधियों के खिलाफ हमने जरूरी कदम उठाए हैं। यह मुद्दा सरकार की प्राथमिकता है। सरकार ने कहा कि इस्कॉन के मामले में अभी तक 3 केस दर्ज किए गए हैं और 33 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सेना को देश में किसी भी तरह की अशांति को रोकने के लिए तैनात किया गया है। सुनवाई के दौरान याचिका दायर करने वाले वकील ने कहा- इस्कॉन पर बैन लगाने का यही सही समय है। इस पर कोर्ट ने कहा कि यह सरकार तय करेगी। दरअसल, इस्कॉन मंदिर के प्रमुख चिन्मय कृष्ण दास प्रभु की राजद्रोह में गिरफ्तारी के बाद वहां संगठन को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। दास को जेल भेजे जाने के बाद बांग्लादेश में कई जगहों पर हिंसा हुई है। साथ ही इससे बांग्लादेश और भारत सरकार के रिश्तों में भी दरार आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बांग्लादेश में इस्कॉन मामले को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से बातचीत की है। विदेश मंत्री ने उन्हें वहां के हालात की जानकारी दी। वहीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस पर कहा कि वे इस मामले पर केंद्र के साथ हैं। विधानसभा में इस मुद्दे पर बोलते हुए ममता ने कहा कि उन्होंने बंगाल में इस्कॉन से बात की है। ममता ने कहा कि हम नहीं चाहते कि किसी भी धर्म को नुकसान पहुंचे। मैंने यहां इस्कॉन से बात की है, लेकिन यह दूसरे देश का मामला है और केंद्र सरकार को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। हम इस मुद्दे पर उनके साथ खड़े हैं।

संसद में प्रियंका का पहला दिन : हाथ में संविधान की कॉपी लेकर शपथ ली

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। केरल के वायनाड से चुनाव जीतकर प्रियंका गांधी गुरुवार को पहली बार लोकसभा पहुंचीं। उन्हें सांसद पद की शपथ दिलाई गई। प्रियंका ने हिंदी में शपथ ली। इस दौरान उन्होंने राहुल की तरह हाथ में संविधान की कॉपी पकड़ी हुई थी। प्रियंका जब संसद पहुंचीं, तो कांग्रेस नेताओं ने बाहर ही उनका स्वागत किया। सदन में एंट्री से पहले भाई राहुल ने उन्हें रोका और कहा- स्टॉप, स्टॉप, स्टॉप... लेट मी ऑलसो टेक योर फोटो... (रुको, रुको, रुको... मुझे भी तुम्हारी फोटो लेने दो...)।

संसद में प्रियंका ने संविधान की कॉपी हाथ में लेकर हिंदी में शपथ ली। प्रियंका के सांसद बनने पर मां सोनिया गांधी ने कहा, वी आर ऑल वेरी हैप्पी एंड प्राउड... (हमें गर्व है और हम सब बेहद खुश हैं...)। प्रियंका संसद में केरल की प्रसिद्ध 'कसावु' साड़ी पहनकर पहुंची थीं। संसद में राहुल और सोनिया के साथ उनके पति रॉबर्ट वाड्रा भी मौजूद थे। शपथ के बाद प्रियंका ने कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का आशीर्वाद लिया। संसद में पहली बार गांधी परिवार के 3 सदस्य मौजूद हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल यूपी के रायबरेली से और प्रियंका केरल के वायनाड से सांसद हैं। जबकि सोनिया राजस्थान से राज्यसभा सदस्य हैं।

विधानसभा चुनाव के नतीजे पक्ष में नहीं आए तो ईवीएम दोषी

अजित पवार ने महा विकास अघाड़ी पर कसा तंज

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख अजित पवार ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के मुद्दे पर महा विकास अघाड़ी पर निशाना साधा। पवार ने कहा, संसदीय चुनावों में ईवीएम सही था, क्योंकि नतीजे हमारे (महा विकास अघाड़ी) पक्ष में आए। लेकिन विधानसभा में परिणाम अलग हैं तो अब वह ईवीएम को दोषी ठहरा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा, हमारी पार्टी एक राष्ट्रीय पार्टी होगी और इसके लिए अब हमें और मेहनत करनी होगी। हम मेहनत करेंगे और सफलता हासिल करेंगे।

दिल्ली हमारी अगली मंजिल :

वहीं, राकांपा के सांसद प्रफुल्ल पटेल ने कहा, मैं महाराष्ट्र में शानदार जीत हासिल करने के लिए अजित पवार और पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं व नेताओं और महायुति को बधाई देता हूं। राकांपा देश की एक राष्ट्रीय पार्टी रही है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में पार्टी का विस्तार रुक गया था और पार्टी सिकुड़ गई थी। हाल ही में, हमने नगालैंड में जीत हासिल की। हमारे सात विधायक जीतकर आए और उसके बाद अरुणाचल प्रदेश में भी हमारे तीन विधायक जीते और हमें 10.6 प्रतिशत वोट मिले। प्रफुल्ल पटेल ने कहा, अब हम तीन राज्यों में एक मान्यता प्राप्त पार्टी हैं। हम रुकेंगे नहीं और पार्टी को एक बार फिर से राष्ट्रीय पार्टी बनाने की दिशा में हमारी अगली मंजिल दिल्ली (विधानसभा चुनाव) है। हम चुनाव लड़ेंगे और मुझे पूरा भरोसा है कि इस बार हम अपना खाता खोलेंगे और सफलता हासिल करेंगे।

यासीन मलिक के खिलाफ दिल्ली की तिहाड़ जेल में ही मुकदमा चलाने की मांग

शीर्ष अदालत ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी यासीन मलिक के खिलाफ जम्मू में चल रहे ट्रायल को दिल्ली ट्रांसफर करने की मांग वाली सीबीआई की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सभी पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 18 दिसंबर को होगी। जस्टिस अभय एस ओका की अध्यक्षता वाली पीठ मामले में सुनवाई कर रही है। सीबीआई सुरक्षा कारणों से यासीन को जम्मू में पेश करने का विरोध कर रही है। यह पेशी रुबिया अपहरण केस और वायु सेना अधिकारी हत्या केस में होनी है। फिलहाल यासीन तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने मलिक और अन्य आरोपियों को 18 दिसंबर तक जवाब दाखिल करने को कहा है।

मामले की सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि तिहाड़ जेल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मामले की सुनवाई करने की सुविधा पहले से उपलब्ध है। उसे अदालत ले जाने की जरूरत नहीं है। एसजी ने बताया कि तिहाड़ जेल में कोर्ट लगता है, इससे पहले भी कई मामले की सुनवाई होती रही है। एसजी मेहता ने कहा, हमने कॉज टाइटल में संशोधन के लिए आवेदन दायर किया है। हमने इस तथ्य को भी रखा है कि जेल में पहले से ही एक अदालत मौजूद है, जिसमें आवश्यकता पड़ने पर वीडियो कांफ्रेंसिंग की सभी सुविधाएं भी हैं।

पूर्व सीएम की उप-सचिव रहीं सौम्या की अंतरिम जमानत बढ़ी, 540 करोड़ के घपले का मामला

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उप सचिव सौम्या चौरसिया की अंतरिम जमानत बढ़ा दी। सौम्या चौरसिया कथित कोयला वसूली घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 25 सितंबर को इस मामले में सौम्या चौरसिया को अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि वह एक साल और नौ महीने से अधिक समय तक हिरासत में रह चुकी हैं और अभी तक उन पर आरोप भी तय नहीं हुए हैं।

गुरुवार को सौम्या चौरसिया की अंतरिम जमानत मामले पर कोर्ट ने फिर सुनवाई की। सुनवाई के दौरान पीठ ने मामले की मौजूदा स्थिति के बारे में पूछा तो सौम्या चौरसिया के वकील सिद्धार्थ दवे ने कहा कि अभी तक मुकदमा शुरू भी नहीं हुआ है, जिसके बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाने का आदेश दिया।

भाजपा नेता भूपेंद्र सिंह के बीजेड ग्रुप पर सीआईडी का छापा

कंपनी ने फिक्स्ड डिपॉजिट 3 साल में दोगुना करने का कहकर निवेशकों से 6000 करोड़ रुपये ठगे

साबरकांठा (हिमतनगर), 28 नवंबर (एजेंसियां)। क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमें (सीआईडी) ने बुधवार को गुजरात के बीजेड फाइनेंशियल सर्विसेज और बीजेड ग्रुप के कई ऑफिसों पर छापेमारी की। बीजे ग्रुप पर करीब 6000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप है। कंपनी ने अधिक ब्याज का वादा कर निवेशकों से ये रकम हड़पी है।

सीआईडी ने गांधीनगर, अरावली, साबरकांठा, महेसाणा और वडोदरा में रेड की। इस दौरान एक एजेंट समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि कंपनी का सीईओ भूपेंद्र सिंह झाला फरार है। झाला पर लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है।

3 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक के ब्याज का लालच देती थी कंपनी :

सीआईडी की जांच में पता चला है कि कंपनी लोगों को 3 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक का मासिक ब्याज देने का वादा करती थी और 5 लाख रुपये का निवेश करने पर टीवी या मोबाइल गिफ्ट में देती थी। वहीं, 10 लाख रुपये के निवेश पर गोवा ट्रिप का भी ऑफर देती थी। प्रारंभिक जांच में दो बैंक अकाउंट्स में 175 करोड़ रुपये के लेनदेन की जानकारी सामने आई है। सीआईडी क्राइम के अधिकारियों का कहना है कि कुछ समय पहले हमें एक गुमनाम आवेदन मिला था। बीजेड फाइनेंशियल सर्विसेज और बीजेड ग्रुप के सीईओ भूपेन्द्रसिंह परबतसिंह झाला ने गुजरात के अलावा राजस्थान में भी ऑफिस खोले थे।

केजरीवाल को रिकवरी नोटिस भेजने वाली अफसर अब मुख्य चुनाव अधिकारी

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने वरिष्ठ आईएएस ऑफिसर आर एलिस वाज को दिल्ली का मुख्य निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया है। पिछले हफ्ते उनकी नियुक्ति को आयोग ने मंजूरी दी थी।

वह फिलहाल दिल्ली के उच्च शिक्षा निदेशालय में सचिव के पद पर कार्यरत हैं। वह पी कृष्णमूर्ति की जगह लेंगी जिन्हें अगस्त 2023 में दिल्ली का सीईओ नियुक्त किया गया था। खास बात ये है कि आर एलिस वाज वही अधिकारी हैं, जिन्होंने दिल्ली सरकार के विज्ञापन मामले में आप का संयोजक होने के नाते अरविंद केजरीवाल को पिछले साल 163 करोड़ रुपये का रिकवरी नोटिस भेजा था। दिल्ली सरकार ने उन पर योगशाला कार्यक्रम को रोकने का भी आरोप लगाया था। आर एलिस वाज 2005 बैच की आईएएस अफसर हैं। वह अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश कैडर की अधिकारी हैं। वह मूल रूप से तमिलनाडु की रहने वाली हैं और आईएएस बनने से पहले वह नर्स के रूप में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने चेन्नई के एमजीआर मेडिकल से नर्सिंग में ग्रैजुएशन किया था। बाद में उन्होंने यूपीएससी एग्जाम क्लियर किया।

ऐसा आदेश देंगे कि सारी जिंदगी याद रहेगा

यूपी पुलिस को सुप्रीम कोर्ट ने ऐसी फटकार क्यों लगा दी

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस को सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई है। पुलिस की कार्यशैली पर टिप्पणी करके हुए सर्वोच्च अदालत ने कहा कि यूपी पुलिस पावर एंजॉय कर रही है। उसे संवेदनशील होने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट गैंगस्टर अनुराग दुबे की अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान जस्टिस सूर्यकांत ने यूपी पुलिस को लेकर यह सनसनीखेज टिप्पणी की है। कोर्ट ने पुलिस को चेतावनी देते हुए कहा कि आप अपने डीजीपी को बता दें कि हम ऐसा कठोर आदेश दे देंगे कि सारी जिंदगी याद रहेगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जवल भुयान की पीठ इस मामले को देख रही थी। पीठ ने पाया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ कई एफआईआर दर्ज हैं और उसे डर है कि अगर वह जांच के लिए कोर्ट में पेश हुआ तो उसके खिलाफ एक और नया मामला दर्ज किया जाएगा। यह देखते हुए कोर्ट ने निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता जांच अधिकारी की ओर से उसके मोबाइल फोन पर दिए गए किसी भी नोटिस का पालन करे। कोर्ट ने यह भी साफ कर दिया कि अदालत की पूर्व अनुमति के बिना उसे पुलिस हिरासत में नहीं लिया जाएगा।

यूपी राज्य की पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राणा मुखर्जी ने कोर्ट को बताया कि अदालत के पिछले आदेश के बाद याचिकाकर्ता को नोटिस भेजा गया था, लेकिन वह जांच अधिकारी के सामने पेश नहीं हुआ। इसके बजाय उसने एक हलफनामा भेजा। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि याचिकाकर्ता शायद इस डर में जी रहा है कि यूपी पुलिस उसके खिलाफ एक और झूठा मामला दर्ज कर देगी। वो शायद इसलिए पेश नहीं हो रहा होगा कि आप कोई और झूठा केस दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लेंगे। जज ने पुलिस पर सख्त होते हुए कहा कि आप अपने डीजीपी को बता सकते हैं कि जैसे ही अनुराग दुबे को छुआ गया, हम ऐसा कठोर आदेश देंगे कि सारी ज़िंदगी याद रहेगा। हर बार आप उसके खिलाफ एक नई एफआईआर लेकर आते हैं।

समीर वानखेड़े ने नवाब मलिक के खिलाफ दर्ज किया था अत्याचार का मामला

हाईकोर्ट ने मुंबई पुलिस से मांगा जांच का ब्योरा

मुंबई, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बंबई उच्च न्यायालय ने गुरुवार को आईआरएस अधिकारी समीर वानखेड़े की शिकायत पर एनसीपी नेता नवाब मलिक के खिलाफ अत्याचार अधिनियम के तहत दर्ज मामले की जांच का ब्योरा मुंबई पुलिस से मांगा है। करदाता सेवा महानिदेशालय (डीजीटीएस) में अतिरिक्त आयुक्त और महार अनुसूचित जाति के सदस्य समीर वानखेड़े ने पिछले सप्ताह उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर मामले को सीबीआई को सौंपने की मांग की थी। उन्होंने पुलिस पर निष्क्रियता का आरोप लगाया था।

बांबे हाईकोर्ट ने मांगा पुलिस से जांच का ब्योरा

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण की खंडपीठ ने मुंबई के गोरेगांव पुलिस थाने के संबंधित अधिकारी को केस डायरी के साथ अगली तारीख पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि उसे दो सप्ताह में जांच के विवरण से अवगत कराया जाएगा। वानखेड़े ने अधिवक्ता सना रईस खान के माध्यम से दायर अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि मामले में पुलिस की निष्क्रियता के कारण उन्हें और उनके परिवार को काफी मानसिक परेशानी और अपमान का सामना करना पड़ा है। मांग की थी। उन्होंने पुलिस पर निष्क्रियता का आरोप लगाया था।

साल 2022 में दर्ज हुआ था नवाब मलिक के खिलाफ मामला

अगस्त 2022 में, भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के प्रावधानों के तहत महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री मलिक के खिलाफ गोरेगांव पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि मलिक ने साक्षात्कारों और अपने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से वानखेड़े और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ उनकी जाति के आधार पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। मलिक को इस मामले में न तो गिरफ्तार किया गया है और न ही आज तक कोई आरोपपत्र दाखिल किया गया है। वानखेड़े ने 20 नवंबर को हाईकोर्ट में दायर अपनी याचिका में दावा किया कि

आईआरएस अधिकारी ने यह भी मांग की कि जांच की निगरानी अदालत द्वारा की जाए

याचिका में दावा किया गया है कि पुलिस तंत्र के उदासीन रवैये के कारण याचिकाकर्ता (वानखेड़े) और उनके परिवार के सदस्यों को उनकी जाति और नस्ल के आधार पर अपमानित और बदनाम किए जाने से हुई पीड़ा और मानसिक परेशानी के साथ गंभीर अन्याय हुआ है। 2021 में, वानखेड़े के पिता ने मलिक के खिलाफ हाईकोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया और फिर अदालत ने मलिक को आगे कोई भी टिप्पणी करने से बचने का निर्देश दिया। याचिका में दावा किया गया है कि प्रतिबंधात्मक आदेश के बावजूद मलिक ने वानखेड़े और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां करना जारी रखा। इसमें कहा गया है कि प्रतिवादी संख्या 2 (मलिक) के पास राजनीतिक शक्ति है और इसलिए उसने पुलिस तंत्र को प्रभावित किया है और इस प्रकार मामले की जांच में छेड़छाड़ की है। वानखेड़े ने दावा किया कि मलिक की टिप्पणी 2021 में उनके दामाद समीर खान को ड्रग्स मामले में गिरफ्तार करने के बाद आई है। आईआरएस अधिकारी ने आरोप लगाया कि खान की गिरफ्तारी के बाद मलिक ने सोशल मीडिया और टेलीविजन पर उन्हें और उनके परिवार को बदनाम करने और अपमानित करने के लिए लगातार अभियान चलाया, उनकी जाति को निशाना बनाया और उनके जाति प्रमाण पत्र की प्रामाणिकता पर सवाल उठाए। अधिकारी ने इससे पहले अक्टूबर 2021 में अनुसूचित जाति आयोग में भी शिकायत दर्ज कराकर मलिक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

पुलिस ने आज तक मामले में कोई जांच नहीं की है, इसलिए उन्होंने मामले को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की मांग की।

अपराधी को पता है एक और केस दर्ज होगा, सुप्रीम कोर्ट की यूपी पुलिस पर कड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। गैंगस्टर अनुराग दुबे की गिरफ्तारी पूर्व जमानत पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की यूपी पुलिस पर कड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि वह शायद इसलिए पेश नहीं हो रहे हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि यूपी पुलिस उन पर एक और मामला दर्ज करेगी। आप कितने मामले दर्ज करेंगे? आप अपने डीजीपी को बताएं कि हम कड़ा आदेश पारित कर सकते हैं। अदालत ने यूपी पुलिस वकील ने कहा कि यहां तक कि विक्रय पत्र होने के बावजूद भी आप जमीन हड़पने की बात कह रहे हैं? क्या यह दीवानी या आपराधिक मामला है? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पुलिस को संवेदनशील होने की जरूरत है। आजकल सब कुछ डिजिटल है, सीधे समन कौन भेजता है? कोर्ट ने कहा कि अनुराग दुबे ने अपना मोबाइल फोन हमेशा चालू रखने और जांच में सहयोग करने को कहा है। न्यायालय की अनुमति के बिना किसी भी मामले में किसी भी परिस्थिति में हिरासत में नहीं लिया जा सकता। अनुराग दुबे की अंतरिम जमानत जारी रहेगी।

'किसी धर्म को ना पहुंचे नुकसान'

बांग्लादेश में चिन्मय प्रभु की गिरफ्तारी पर क्या बोलीं सीएम ममता?

कोलकाता, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में इस्कॉन के संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद जबरदस्त प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लोग सड़कों पर हैं और वह संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे हैं। इस घटना के बाद पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ अन्य अल्पसंख्यों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस बीच पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बांग्लादेश मुद्दे पर अपनी बात रखी। उन्होंने विधानसभा में बोलते हुए कहा कि हम नहीं चाहते कि किसी भी धर्म को नुकसान पहुंचे। मैंने यहां (कोलकाता) इस्कॉन से बात की है। चूंकि यह दूसरे देश का मामला है, इसलिए केंद्र सरकार को इस पर उचित कार्रवाई करनी चाहिए। हम इस मुद्दे पर उनके (केंद्र सरकार) साथ हैं। बता दें कि बांग्लादेश में विगत सोमवार शाम को इस्कॉन के संत चिन्मय कृष्ण दास को गिरफ्तार कर लिया गया। हजरत शाहजलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) ने उनको हिरासत में लिया। मंगलवार को उनको कड़ी सुरक्षा के बीच चटगांव के छठे मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट काजी शरीफुल इस्लाम के सामने पेश किया था। हालांकि, उनकी जमानत याचिका को खारिज कर के उनको जेल भेज दिया गया है।

इस्कॉन को लेकर बांग्लादेश में भारी बवाल

बता दें कि बांग्लादेश में इस्कॉन के संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद इस्कॉन-कोलकाता के उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता राधारमण दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा, बांग्लादेश में शिबचर स्थित इस्कॉन नमहट्टा केंद्र को मुस्लिमों ने जबरन बंद कर दिया है। सेना आई और इस्कॉन श्रद्धालुओं को एक वाहन में भरकर ले गई। इसी के साथ उन्होंने एक वीडियो को भी पोस्ट किया। शेयर किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि स्थानीय इस्लामी समूह के नेता शिबचर में इस्कॉन केंद्र को बंद करने की मांग कर रहे हैं। इस वीडियो के साथ इस्कॉन-कोलकाता के उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता राधारमण दास ने दावा किया कि कुछ लोग इस अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक संस्था के संस्थापक की तस्वीर वाले इस्कॉन मंदिर के बोर्ड को हटाने में लगे हुए हैं। बता दें कि बांग्लादेश नेशनल हिंदू ग्रांड अलायंस के महासचिव मृत्युंजय कुमार राय ने देश में इस्कॉन पर प्रतिबंध की मांग की कड़ी निंदा की है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यह हिंदू संगठन प्रकृति से शांतिपूर्ण है।

एयरपोर्ट पर रूस का नागरिक गिरफ्तार, मोजे में ले जा रहा था सिगरेट

गोवा, 28 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तरी गोवा में स्थित मनोहर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रूस के एक नागरिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अधिकारी ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है। रूसी नागरिक को उस वक्त गिरफ्तार किया गया जब वह अपने देश के लिए रवाना होने ही वाला था। जानकारी के मुताबिक, रूसी नागरिक एयरपोर्ट पर भारत में प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट ले जाते हुए पाया गया। रूसी नागरिक इरोश्किन एलेक्सी के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। उसे एयरपोर्ट पर प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट ले जाते हुए पकड़ा गया था। बता दें कि इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट भारत में प्रतिबंधित है। आरोपी एयरपोर्ट पर रूस के लिए जाने वाले विमान में सवार होने ही वाला था।आरोपी ने एयरपोर्ट पर अपने मोजे में इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट छिपा कर रखी थी। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक कर्मचारी द्वारा आरोपी के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

बैंक ने खाते से रुपये काटे, जिला उपभोक्ता आयोग ने माना सेवा में कमी

जबलपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा खाते से अनुचित राशि काटे जाने के मामले में जिला उपभोक्ता आयोग ने पीड़ित के पक्ष में आदेश जारी किए हैं। आयोग ने बैंक को निर्देश दिया है कि वह अनुचित तरीके से काटी गई राशि को दो महीने के भीतर उपभोक्ता को लौटाए। साथ ही, मानसिक पीड़ा के एवज में 2,000 रुपये और मुकदमे के खर्च के रूप में 2,000 रुपये अतिरिक्त भुगतान करने का आदेश भी दिया गया है। जानकारी के अनुसार, ओल्ड कंचनपुर निवासी परिवादी निशांत ताम्रकार ने आयोग में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया था कि उन्होंने बजाज फाइनेंस के माध्यम से वाशिंग मशीन खरीदी थी। इसकी किस्त राशि उनके बैंक खाते से काटी जानी थी। परिवादी का आरोप था कि खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने के बाद भी बैंक ने किस्त की कटौती नहीं की। इसके बजाय, बैंक ने खाते से अनुचित तरीके से 295 रुपये काट लिए। परिवादी ने बैंक से इस बारे में जानकारी ली तो बैंक ने बताया कि यह राशि फाइनेंस कंपनी ने काटी है। दूसरी ओर, फाइनेंस कंपनी का कहना था कि यह कटौती बैंक द्वारा की गई है। बैंक और फाइनेंस कंपनी के परस्पर विरोधी बयानों के कारण परिवादी ने मामला उपभोक्ता आयोग में दायर किया।

आयोग की पीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि बैंक ने अपने स्तर पर राशि काटी और ग्राहक को गलत जानकारी दी। इसे उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन मानते हुए आयोग ने एसबीआई की पनागर शाखा को निर्देश दिया कि अनुचित तरीके से काटी गई राशि, मानसिक पीड़ा के एवज में 2,000 रुपये, और मुकदमे के खर्च के 2,000 रुपये आवेदक को लौटाए। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि आदेश का पालन नहीं किया गया तो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में परिवादी की ओर से अधिवक्ता रोहित पैगवार ने पैरवी की।

कूनो में मिले चीता के 2 शावकों के चोटिल शव, जांच के लिए जुटी वन विभाग की टीम

श्योपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में कूनो नेशनल पार्क में अफ्रीकी मादा चीता निर्वा के दो शावकों के शव पाए गए हैं। दोनों शव क्षत-विक्षत हालत में मिले हैं। वन विभाग को यह सूचना मिली थी कि चीता निर्वा अपने मांद से कहीं दूर है। जब उसके बारे में पता लगाने के लिए टीम मौके पर पहुंची तो अंदर दो शावकों के शव बरामद हुए। सिंह परियोजना संचालक शिवपुरी की ओर से प्रेस नोट जारी कर इस बात की जानकारी दी गई है। नोट में लिखा है, सुबह लगभग 11.00 बजे, रेडियो टेलीमेट्री जानकारी के आधार पर मालूम हुआ कि चीता निर्वा अपने डेन साइट से दूर है। इसके बाद वन्यप्राणी चिकित्सकों के नेत्रत्व में मॉनिटरिंग दल द्वारा डेन साइट का निरीक्षण किया गया। डेन साइट पर दो नवजात चीता शावकों के शरीर क्षत विक्षत रूप में मिले। बोमा के अंदर सभी संभावित स्थलों के निरीक्षण के बाद किसी भी अन्य चीता शावक के प्रमाण नहीं मिले। वन विभाग की टीम ने बताया कि मादा चीता निर्वा स्वस्थ है। चीता शावकों के शरीर से सैंपल लेकर आगे की टेस्टिंग के लिए उन्हें भेज दिया गया है। मौत का कारण शव के पोस्टमार्टम के बाद ही पता चल सकेगा। बाकी सभी वयस्क चीते और 12 शावक स्वस्थ हैं। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने कुछ समय पहले सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी थी कि मादा चीता निर्वा ने चार शावकों को जन्म दिया है। हालांकि बाद में उन्होंने अपना पोस्ट डिलीट कर दिया था और यह कहा था कि वन विभाग जल्द ही नवजात शिशुओं की सही संख्या की पुष्टि करेगा।

भारत की बड़ी कामयाबी

बंगलूरू में आतंकी साजिश रचने के आरोपी को रवांडा से लाया जा रहा; लश्कर ए तैयबा से संबंध

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। एक बड़ी खबर सामने आ रही है। आतंकवादी समूह के सदस्य होने के आरोप में एक भारतीय नागरिक को रवांडा से देश वापस लाया जा रहा है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बताया कि वह इंटरपोल चैनलों के माध्यम से एक आतंकी मामले में वांछित सलमान रहमान खान के बारे में एनआईए के साथ समन्वय कर रही है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने उसके खिलाफ आपराधिक साजिश, आतंकवादी संगठन का सदस्य होने और आतंकवादी संगठन को सहायता प्रदान करने तथा शस्त्र अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम से संबंधित अपराधों से संबंधित मामला दर्ज किया थ। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर ए तैयबा (एलईटी) का सदस्य है। सीबीआई ने आगे बताया कि एलईटी का सदस्य होने के नाते सलमान रहमान खान बंगलूरू में आतंकवादी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक उपलब्ध कराने में सहायता करता था। वहीं, रवांडा की जांच ब्यूरो (आरआईबी) ने बताया कि सलमान को भारतीय अधिकारियों के अनुरोध पर सितंबर की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया था। आरआईबी के महासचिव जीनोट रुहुंगा ने कहा कि भारत में आतंकवाद के आरोपों का सामना कर रहा 40 वर्षीय शख्स रवांडा की राजधानी में एक छोटी सी दुकान चला रहा था। हालांकि, रवांडा के अधिकारियों ने आतंकवादी समूह के नाम की पुष्टि नहीं की है। रवांडा के राष्ट्रीय प्रसारक आरबीए ने एक तस्वीर दिखाते हुए कहा कि किगाली अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर खान को भारतीय अधिकारियों को सौंपे जाने से पहले उसे हथकड़ी बांधी।

चोरी की आदत से मजबूर महिला ने पूरा किया चोरी का अर्धशतक पुलिस ने हिरासत में लिया

मुंबई, 28 नवंबर (एजेंसियां)। क्राइम ब्रांच ने 38 साल की एक ऐसी महिला को गिरफ्तार किया है, जिसके खिलाफ चोरी करने के 50 से ज्यादा मामले दर्ज है। पुलिस ने गिरफ्तार महिला का नाम वनिता उर्फ आशा गायकवाड बताया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिस मामले में वनिता को गिरफ्तार किया गया है वह मामला नवी मुंबई के वाशी पुलिस स्टेशन का है, जहां पर 59 साल के झाकिर म्हदे ने शिकायत कर पुलिस को बताया कि 24 तारीख को एक महिला ने सीधे तौर पर उन्हें अप्रोच किया था और कहा था कि वह गरीब है और काम की तलाश में है। इसके बाद झाकिर ने उसे अपने घर में नौकरानी का काम दिया और वनिता अपनी आदत से मजबूर दूसरे ही दिन यानी की 25 तारीख को झाकिर के घर में से करीब 3.5 लाख रुपये का सोना और कैश लेकर फरार हो गई।

आपसी सहमति से लंबे समय तक बने संबंध दुष्कर्म नहीं, सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने प्रेम संबंधों में आपसी सहमति से बनाए गए शारीरिक संबंधों के लेकर फैसला सुनाया है। आपसी सहमति से बने शारीरिक संबंध से जुड़े एक दुष्कर्म के मामले में दर्ज प्राथमिकी को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया। दायर की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि महिला आपसी सहमति से शारीरिक संबंध बनाने के बाद दुष्कर्म का मामला दर्ज नहीं करा सकती है। इस तरह के मामलों पर एससी ने चिंता जताई है। मुंबई के खारघर पुलिस स्टेशन में महेश दामू खरे के खिलाफ वनिता एस जाधव द्वारा दर्ज कराई गई सात साल पुरानी एफआईआर पर फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस एन कोटिस्वर सिंह की पीठ ने कहा कि यह एक चिंताजनक प्रवृत्ति है, कि सहमति से संबंध बनाए जाते हैं, जो लंबे समय तक चल रहा है और कड़वाहट आने पर इसे बलात्कार करार देने की मांग की जाती है।

कोर्ट ने जताई चिंता

सुप्रीम कोर्ट ने इस तरह के मामलों को लेकर चिंता जताई है। कोर्ट ने की शादी से पहले आपसी सहमति से शारीरिक संबंध बनाए जाते हैं, बाद में अनबन होने पर केस दर्ज कराया जाता है। इस तरह की घटनाएं चिंताजनक हैं । गौरतलब है कि एक विवाहित व्यक्ति खरे और एक विधवा महिला जाधव के बीच संबंध 2008 में शुरू हुआ। जाधव ने आरोप लगाया कि धोखेबाज प्रेमी व्यक्ति ने उससे शादी करने का वादा किया था। जिसके बाद उन्होंने संबंध बनाए, लेकिन बाद में वह शादी के वादे से मुकर गया। इसी मामले पर कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है, और रिपोर्ट को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि शिकायतकर्ता के आचरण से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि वह एक परिपक्व व्यक्ति है। जो अपने कृत्यों के परिणामों को स्पष्ट रूप से समझने में सक्षम है, और वह इस बात से पूरी तरह से अवगत थी कि वह एक विवाहित व्यक्ति के साथ किस तरह के अवैध संबंध बनाए हुए थी, और वह पूरी तरह से जानती थी। यह जानते हुए कि अपीलकर्ता पहले से ही शादीशुदा था और उसकी दो पत्नियां थीं, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यौन संबंध के लिए सहमति के आधार पर शादी करने के झूठे वादे के उल्लंघन की शिकायत महिला को तत्परता के साथ दर्ज करानी चाहिए। यह वर्षों तक शारीरिक संबंध जारी रखने के बाद नहीं करायी जानी चाहिए।

संभल में जुमे की नमाज को लेकर हाई अलर्ट

3 लेयर सिक्योरिटी के बीच पेश होगी सर्वे रिपोर्ट! शहर काजी ने की ये अपील

संभल, 28 नवंबर (एजेंसियां)। जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हुई हिंसा में चार लोगों की मौत के बाद पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। अब सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक न रहे इसके लिए रणनीति बना ली गई है। अहम बात यह है कि शुक्रवार को अदालत में वादी पक्ष को सर्वे रिपोर्ट पेश करनी है तो प्रतिवादियों की ओर से अपना पक्ष रखा जाएगा। ऐसे में जामा मस्जिद में जुमा की नमाज और अदालत में दोनों पक्षों के मौजूद होने पर सुरक्षा कारणों को लेकर पुलिस को फुल प्रूफ प्लान तैयार करना होगा। बीती 19 नवंबर को चंदौसी स्थित सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में आठ लोगों की ओर से सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन की ओर से संभल की जामा मस्जिद में हरिहर मंदिर होने का दावा पेश किया गया था। उसी दिन अदालत ने इस मामले में सुनवाई व सर्वे रिपोर्ट पेश करने के लिए 29 नवंबर की तारीख दी थी।

संभल हिंसा में चार की मौत

अब 29 को जामा मस्जिद में नमाज भी होनी है। पहले ही बवाल हो चुका है, जिसमें चार लोगों की मौत होने के साथ ही दर्जन भर से अधिक पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी घायल हो गए थे। ऐसे चुनौती पूर्ण माहौल की गंभीरता को देखते हुए सुरक्षा ब्यूह बनाया जाना लाजमी है। हालांकि पुलिस व जिला प्रशासन ने इसके लिए चंदौसी और संभल में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा इंतजाम पुख्ता कर लिए हैं। जामा मस्जिद पर सुरक्षा व्यवस्था की बात करें तो इस इलाके में थ्री लेयर व्यवस्था रहेगी। इसमें पुलिस, पीएसी और रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों के साथ ही पुलिस व प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहेंगे। सशस्त्र जवानों के साथ ही दमकल दस्ता भी मौजूद रहेगा। मस्जिद के सभी रास्तों पर बेरिकेडिंग कराई जाएगी।

मस्जिद में आने वालों पर रखी जाएगी विशेष नजर

नमाज के लिए मस्जिद में आने वालों पर विशेष रूप से नजर रखी जाएगी, ताकि नमाजियों की आड़ में कोई अराजक तत्व प्रवेश न कर सके। हालांकि यहां जुमा पर जुटने वाली भीड़ को लेकर शहर काजी कारी अलाउद्दीन ने भी शहर व आसपास के लोगों से अपील की है कि वह अपने क्षेत्र के मस्जिदों में ही नमाज पढ़ें, जामा मस्जिद में आने का प्रयास न करें। चंदौसी जजी में स्थित सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में मस्जिद पक्ष के अधिवक्ता व कमेटी के लोगों के साथ ही मंदिर होने का दावा पेश करने वाले अधिवक्ता के साथ वादी पक्ष के लोग और एडवोकेट कमिश्नर भी पहुंचेंगे। इसके लिए जजी परिसर के चारों ओर पुलिस व पीएसी का कड़ा पहरा रहेगा।

दुश्मन के बंकरों तक पलक झपकते ही पहुंच सकेगी भारतीय सेना, नई तकनीक से लैस है ये ड्रोन

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना को दुश्मन से निपटने के लिए अनमैन्ड इलेक्ट्रिक सावाल 20 लॉजिस्टिक्स ड्रोन मिले हैं। ये ड्रोन पलक झपकते ही कठिनाई वाले और हाई एल्टीट्यूड इलाकों में बनी पोस्ट, बंकर तक आसानी से पहुंच जाएंगे। साथी ही ये ड्रोन जवानों की तैनाती की कठिन से कठिन लोकेशन पर भी जा सकेंगे। आपदा एवं राहत कार्यों में भी ये ड्रोन आर्मी की मदद करेगा। इससे सेना के लॉजिस्टिक ऑपरेशन बढ़ेंगे और मैन पॉवर में भी बचत होगी। ड्रोन की मदद से कम समय में आसानी से खतरों की पहचान की जा सकेगी। कौन सी जगह सेना के लिए सुरक्षित हो सकती हैं, इसे भी ड्रोन की मदद से देखकर अंदाजा लगाया जा सकेगा। भारतीय सेना को मिले ये एंड्योर एयर सिस्टम्स का नया ड्रोन सबल 20 है इसकी खूबियों को देखते हुए भारतीय सेना में इसे शामिल किया गया है। ये ड्रोन भारतीय सेना के पूर्वी थियेटर में काफी ज्यादा मदद करने वाला है। यह ऐसी जगहों पर सामान पहुंचा देगा है, जहां बड़े वाहन या ट्रक नहीं जा सकते थे। ये उन तमाम लोकेशन पर आसानी से उड़ान भरेगा जहां, सैनिकों को पहुंचने और वापस लौटने में ज्यादा दिक्कत होती है।

50 फीसदी वजन उठाने की है क्षमता

सबल 20 एक इलेक्ट्रिक अनमैन्ड सिस्टम है। इसमें कई तरह की पिच टेक्नोलॉजी है। यह अपने साथ 20 किलोग्राम वजन तक के सामान को उठाकर उड़ान भर सकता है। इसकी सबसे खास बात ये है कि यह अपने वजन का 50 फीसदी वजन ले जाने में सक्षम है। ये ड्रोन इतना वजन लेकर लंबी उड़ान भर सकता है। सबल ड्रोन की डिजाइन चिनूक हेलिकॉप्टर से प्रेरित है। इसकी डिजाइन इसे बेहतर स्थिरता, ऊंचाई वाले स्थानों पर सटीक संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। इसमें टर्बुलेंस का रिस्क कम होता है। यह किसी भी तरह की भौगोलिक परिस्थितियों में सामान की डिलिवरी करने में सक्षम है। सेना इससे हथियार, दवा, रसद जैसी चीजें अपने पोस्ट, बंकर या आपदा में राहत सामग्री पहुंचा सकती है।

चुपके से जाने में सक्षम है ये ड्रोन

यह ड्रोन लंबी दूरी और ऊंचाई वाले स्थान पर काम करने के लिए बनाया गया है। इसमें वर्टिकल टेकऑफ एंड लैंडिंग तकनीक लगाई गई है। इसके पंखों का आरपीएम कम है, इसलिए इसमें आवाज भी बहुत कम है। यानि इसकी मदद से आर्मी यदि दुश्मन या आर्तकियों को निशाना बना रही है तो ये गुपचुप तरीके से दुर्गम लोकेशंस पर गोली, बारूद और हथियार तक पहुंचा सकता है। अपने स्पेशल फीचर्स के कारण दुश्मन को इसके आने की कानों कान खबर भी नहीं होगी।

जांच करने पहुंची ईडी की टीम पर हमला

साथ में मौजूद थी दिल्ली पुलिस साइबर क्राइम से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की टीम पर आरोपियों ने हमला किया है। यह हमला दिल्ली के बिजवासन इलाके में ईडी की टीम पर की गई। दरअसल ईडी की टीम साइबर क्राइम से जुड़े एक मामले की जांच करने पहुंची थी। इस दौरान उनके साथ लोकल पुलिस भी थी। बावजूद इसके ईडी की टीम पर हमला किया गया है। दरअसल गुरुवार की सुबह ईडी पर यह हमला तब हुई जब ईडी की टीम पीपीपीवाईएल साइबर ऐप धोखाधड़ी मामला की जांच करने के लिए दिल्ली के बिजवासन इलाके में पहुंची। ईडी की टीम पर आरोपी अशोक शर्मा और उसके परिवार के लोगों ने हमला कर दिया। बता दें कि इस हमले में असिस्टेंट डायरेक्टर घायल हो गए। हमले के दौरान एक आरोपी वहां से फरार हो गया। इसके बाद घटना की जानकारी लोकल पुलिस को दी गई। पुलिस की टीम मौके पर पहुंच चुकी है और फरार आरोपी की तलाश जारी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

हासिल कर लीजिए या गवां दीजिए मगर अपने स्वार्थ के लिए किसी का इस्तेमाल मत कीजिए

युवा और अनुभवी इंजीनियरों की महत्वपूर्ण भूमिका : डॉ. नूतन दास

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में इंजीनियरिंग की भूमिका पर प्रकाश डाला गया

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वैश्विक इंजीनियरिंग क्षेत्र संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित 17 सतत विकास लक्ष्यों को संबोधित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो जलवायु परिवर्तन, संसाधनों की कमी और सामाजिक-आर्थिक असमानता जैसे दबाव वाले मुद्दों से निपटता है।

इसे मान्यता देते हुए, हैदराबाद स्थित इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (ईएससीआई) ने सतत विकास के लिए इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में नवाचार की आवश्यकता पर केंद्रित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की। कलकत्ता इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स इंडिया के उपाध्यक्ष डॉ. नूतन कुमार दास ने सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एसडीजी 9 (उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा), एसडीजी 10 (कम असमानताएं) और एसडीजी 11 (स्थायी शहर और समुदाय) जैसे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए इंजीनियरिंग में नवाचार आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नीति निर्माताओं के लिए प्रभावशाली प्रस्ताव तैयार करने के लिए इन उद्देश्यों को प्राप्त करने में युवा और अनुभवी इंजीनियरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्य भाषण देते हुए, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स के पूर्व अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र सिंह ने भारत की आत्मनिर्भर भारत पहल का समर्थन करने के लिए इंजीनियरिंग नवाचार की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने 2030 एसडीजी को पूरा करने के लिए नए उद्योगों को बढ़ावा देने, स्मार्ट शहरों को विकसित करने और जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन प्रथाओं को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। सम्मेलन में स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी, परिवहन और बुनियादी ढांचा, पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रियाएं और अपशिष्ट प्रबंधन, परिपत्र अर्थव्यवस्था और स्मार्ट शहर, महत्वपूर्ण खनिज, अपशिष्ट से संसाधन, हरित कंक्रीट और सतत शहरी विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर चर्चा की गई। देश भर से कुल 76 शोध लेख प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 26 चयनित लेखकों ने अपने काम का प्रदर्शन किया और अभिनव समाधान प्रस्तावित किए। इस अवसर पर बोलते हुए, ईएससीआई के निदेशक डॉ.जी. रामेश्वर राव ने पर्यावरण, बिजली और ऊर्जा, जल प्रबंधन, खनन और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में संस्थान के चार दशकों के योगदान पर प्रकाश डाला। सम्मेलन की सिफारिशें और निष्कर्ष नीति और कार्यान्वयन का मार्गदर्शन करने के लिए संबंधित विभागों को प्रस्तुत किए जाएंगे।

इस आयोजन की याद में एक स्मारिका का अनावरण सम्मानित अतिथियों द्वारा किया गया। सम्मेलन में प्रमुख वरिष्ठ इंजीनियरों डॉ. आईएसएन राजू, डॉ.एस. नागा भूषण राव, डॉ. चौडे गौड़ा, डॉ.एस. सत्यनारायण, डॉ. हनुमंत चारी, एम. नागाराजू पी.एम. सहित शोधकर्ताओं, चिकित्सकों, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं और छात्रों ने भाग लिया।

गोदावरी ने बंगाल की खाड़ी में ओडीजेड को किया और गहरा

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोदावरी नदी बंगाल की खाड़ी (बीओबी) में अपने नदी मुहाने के पास मृत क्षेत्र या ऑक्सीजन-रहित क्षेत्रों (ओडीजेड) को और बढ़ा रही है। मृत क्षेत्र का मतलब है पानी में ऑक्सीजन का कम स्तर, जिससे समुद्री जीवन प्रभावित होता है। हैदराबाद विश्वविद्यालय, सीएसआईआर-एनआईओ, विशाखापट्टनम और किंग अब्दुल्ला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सऊदी अरब के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए 'बंगाल की खाड़ी में नदी के निर्वहन की उप-मौसमी से लेकर अंतर-वार्षिक परिवर्तनशीलता और फाइटोप्लांकटन बायोमास पर इसका प्रभाव' शीर्षक वाले अध्ययन में यह बात सामने आई है।

सीएम ने अधिकारियों से सर्वे की प्रगति की जानकारी ली

मुख्यमंत्री ने सर्वेक्षण के हिस्से के रूप में विवरण दर्ज किया

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सामाजिक, आर्थिक, शिक्षा, रोजगार, राजनीतिक और जाति सर्वेक्षण के हिस्से के रूप में विवरण दर्ज किया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के परिवार का विवरण प्रगणक और अधिकारियों द्वारा दर्ज किया गया है। हैदराबाद कलेक्टर अनुदीप, जीएचएमसी आयुक्त इलांबर्ती, सीएम के विशेष सचिव अजित रेड्डी और अन्य उपस्थित थे। सीएम ने अधिकारियों से सर्वे की प्रगति की जानकारी ली। सीएम ने अधिकारियों से जनता की प्रतिक्रिया पूछी। सीएम ने अधिकारियों को हैदराबाद में वीवीआईपी, आईएएस, आईपीएस, सांसदों, विधायकों और अन्य जन प्रतिनिधियों के लिए एक विशेष अभियान चलाने और उनका विवरण दर्ज करने का आदेश दिया। सीएम ने अधिकारियों को आदेश दिया कि वे आदेश जारी करें कि सरकारी कर्मचारी सर्वे में ब्योरा दर्ज कराएं। सीएम ने सुझाव दिया कि जाति सर्वेक्षण को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।

केसीआर अलग राज्य के लिए अपनी जान देने को तैयार थे : तलसानी श्रीनिवास

बीआरएस नेताओं ने महात्मा ज्योतिराव फुले को श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने आज कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव एक महान नेता है, जो तेलंगाना राज्य की प्राप्ति के लिए अपनी जान देने को तैयार थे।

दीक्षा दिवस के अवसर पर पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर, तलसानी श्रीनिवास यादव, विधान परिषद में विपक्ष के नेता मधुसूदन चारी, हैदराबाद जिला प्रभारी पोन्नाला लक्ष्मैया, सिकंदराबाद, अंबरपेट और मुशीराबाद के विधायक पद्मराव गौड़, कालेरू वेंकटेश, मुता गोपाल, पूर्व मंत्री श्रीनिवास गौड़, महमूद अली, नामपल्ली, खैरताबाद निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी आनंद गौड़ और अन्य ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इससे पहले महात्मा ज्योतिराव फुले की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर बोलते हुए श्रीनिवास यादव ने कहा कि बीआरएस पार्टी के अध्यक्ष केसीआर द्वारा किया गया आमरण अनशन अलग तेलंगाना आंदोलन में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। उन्होंने कहा कि इस तरह के दीक्षा दिवस को भव्य तरीके से मनाने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि वे शुक्रवार शाम को शहर के सभी विधानसभा क्षेत्रों से बाइक पर रैली निकालेंगे और बसवा तारकम कैंसर अस्पताल सर्किल पहुंचेंगे, जहां से वे पदयात्रा करते हुए तेलंगाना भवन पहुंचेंगे। उन्होंने कहा, तेलंगाना भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम, केसीआर आंदोलन की पृष्ठभूमि को समझाने वाली एक विशेष रूप से तैयार की गई डॉक्यूमेंट्री दिखाई जाएगी, जिसके बाद बैठक होगी। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के सभी हिस्सों से बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम में पार्टी के कई नेताओं ने हिस्सा लिया।

तीसरी बार एचसीएल साइक्लोथॉन के लिए हैदराबाद तैयार

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एचसीएल समूह ने 15 दिसंबर को होने वाले बहुप्रतीक्षित एचसीएल साइक्लोथॉन से पहले हैदराबाद में दो साइकिलिंग कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य फिटनेस की भावना, पर्यावरणीय स्थिरता और शहर की समृद्ध विरासत का जश्न मनाना था। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि हैदराबाद को एचसीएल साइक्लोथॉन के लिए मेजबान के रूप में चुना गया था, क्योंकि इसकी साइकिलिंग संस्कृति फल-फूल रही है और व्यापक समर्पित साइकिलिंग ट्रैक सहित साइकिलिंग के अनुकूल बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने की इसकी प्रतिबद्धता है। साइकिल चालकों ने उत्साहपूर्वक चेंजयोरगियर राइड्स में भाग लिया, जो गाच्चीबोवली में पेडलर्स पॉइंट, संजीवय्या पार्क के पास एचबीसी स्टेशन, नेकलेस रोड और कोंडापुर में द बाइक अफेयर सहित कई स्थानों से शुरू हुआ। प्रतिभागी चारमीनार में एकत्र हुए, जहां उन्होंने नाश्ते के लिए संजीवय्या पार्क जाने से पहले चाय और एक फोटो सत्र का आनंद लिया। एचसीएल साइक्लोथॉन हैदराबाद (15 दिसंबर) के लिए पंजीकरण पोर्टल पर 30 नवंबर तक खुला है।

दो बाइकों की टक्कर में एक की मौत, तीन घायल

कुमराम भीम आसिफाबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिरपुर (यू) मंडल के महागांव गांव में गुरुवार को दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि महागांव के बाहरी इलाके में दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में पिट्टागुडा गांव के मारापा लिंगू (35) को गंभीर चोटें आईं। लिंगू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पीछे बैठे व्यक्ति और दो अन्य को मामूली चोटें आईं।

भारतीय रेलवे ने सुरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च किया

> संरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन के उपयोग के लिए दमरे को चुना गया

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे ने आज सुरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन के अखिल भारतीय लॉन्च के साथ यात्री सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक और कदम उठाया। इस एप्लीकेशन का उद्देश्य भारतीय रेलवे के फ्रंटलाइन सुरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों की क्षमता निर्माण के माध्यम से रेलवे सुरक्षा में सुधार करना है। दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार रेलवे बोर्ड के सदस्य परिचालन और व्यवसाय विकास, रविंदर गोयल ने आज नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च किया, जिसमें भारतीय रेलवे के सभी मंडलों के सभी डीआरएम, पीसीओएम, पीसीसीएम और अधिकारियों ने भाग लिया। इस एप्लीकेशन को 2013 बैच के आईआरटीएस अधिकारी दिलीप सिंह द्वारा डिजाइन किया गया है, जो वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर में वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। इस अवसर पर नागपुर मंडल रेल प्रबंधक नमिता त्रिपाठी ने नागपुर मंडल में पायलट परियोजना के कार्यान्वयन के बारे में जानकारी दी तथा बताया कि किस प्रकार यह मंडल में सुरक्षा बढ़ाने में उपयोगी साबित हुई है। अब रेलवे ने सभी क्षेत्रीय रेलवे में ऐप लॉन्च करने का निर्णय लिया है, जिसमें 16 मंडलों को शुरू में रोलआउट के लिए चुना गया है। सुरक्षा कार्यक्रमों को लागू करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद मंडल को संरक्षा मोबाइल एप्लीकेशन का उपयोग करके चुना गया है। एप्लीकेशन भारतीय रेलवे के डोमेन ज्ञान को सूचना प्रौद्योगिकी, डेटा एनालिटिक्स तथा भविष्य में एआई के संभावित लाभ के साथ एकीकृत करता है, ताकि रेलवे कर्मचारियों की प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक बुद्धिमान, प्रभावी तथा मापनीय प्रणाली प्रदान की जा सके। इसमें स्मार्ट लर्निंग तथा फीडबैक मैकेनिज्म की सुविधा है, जिससे बहु-स्तरीय, वास्तविक समय फीडबैक तथा निगरानी संभव हो पाती है।

खाद्य विषाक्तता की घटनाओं के पीछे साजिश : सीतक्का

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भर में सरकारी छात्रावासों और गुरुकुलों में खाद्य विषाक्तता की बढ़ती घटनाओं ने राजनीतिक तनाव को जन्म दिया है, जिसमें सत्तारूढ़ कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। मंत्री सीतक्का ने खाद्य विषाक्तता की घटनाओं के पीछे साजिश का आरोप लगाते हुए सनसनीखेज टिप्पणी की।

गुरुवार को गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए सीतक्का ने संकेत दिया कि साजिशकर्ताओं का जल्द ही पर्दाफाश हो जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अधिकारियों की मिलीभगत पाई गई तो उन्हें बिना किसी नरमी के बर्खास्त कर दिया जाएगा। इसके अलावा, मंत्री ने अनुमान लगाया कि सरकार की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए एक राजनीतिक दल इन घटनाओं को अंजाम दे सकता है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान दिलावरपुर में इथेनॉल कारखाने को अनुमति देने के लिए बीआरएस सरकार की भी आलोचना की। सीतक्का ने पिछली सरकार पर परियोजना के प्रति जनता के विरोध को नजरअंदाज करने और लापरवाही से मंजूरी देने का आरोप लगाया।

सीतक्का ने आगे आरोप लगाया कि कंपनी के निदेशक तलसानी साई किरण के बीआरएस नेतृत्व, खासकर कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव के साथ घनिष्ठ संबंध थे। उन्होंने केटीआर को दिलावरपुर आने और जनता को संबोधित करने की चुनौती दी और उनसे इथेनॉल कारखाने को मंजूरी देने में अपनी भूमिका स्वीकार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार कारखाने की स्थापना के बारे में विधानसभा में चर्चा शुरू करेगी और पिछली बीआरएस सरकार द्वारा दी गई अनुमतियों से संबंधित दस्तावेजों को उजागर करने का वादा किया। केटीआर पर कांग्रेस सरकार के खिलाफ निराधार आरोप लगाने का आरोप लगाते हुए मंत्री ने पारदर्शिता और जवाबदेही का आह्वान किया। उन्होंने मांग की, अगर केटीआर के इरादे सच्चे हैं, तो उन्हें आगे आना चाहिए और अपनी सरकार के कार्यकाल के दौरान लिए गए फैसलों को स्वीकार करना चाहिए।

खाने की गुणवत्ता में कमी मिलने पर कार्रवाई होगी : पोन्नम

मंत्री ने ज्योतिराव फुले गुरुकुल स्कूल का औचक निरीक्षण किया

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सिद्दीपेट शहर में डबल बेडरूम लॉन में महात्मा ज्योतिराव फुले ले गुरुकुल स्कूल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने गुरुकुल विद्यालय परिसर में विद्यालय के मैदान, रसोईघर, स्नानघर एवं पाकशाला का निरीक्षण किया। मंत्री ने विद्यालय परिसर को साफ-सुथरा रखने का सुझाव दिया और झाड़ियां हटाने का आदेश दिया। मंत्री ने रसोई में खाना बना रहे स्टाफ से चर्चा की। उन्होंने पहले से पके हुए चावल और सब्जी की जांच की गई। उन्होंने चेतावनी दी कि खाने की गुणवत्ता में कमी मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। कक्षा में विद्यार्थियों से बात करते हुए उन्होंने पूछा कि पढ़ाई कैसी है और खाना कैसा है। उन्होंने कहा कि सरकार छात्र-छात्राओं को अच्छी पढ़ाई के लिए हर तरह की सुविधा मुहैया करा रही है। उन्होंने पूछा कि क्या अभिभावक-शिक्षक बैठक होगी। मंत्री ने कहा कि राज्य के एससी एसटी बीसी अल्पसंख्यक गुरुकुलों में डीएमएचओ, डीआरडीओ, डीपीओ और स्थानीय पंचायत सचिवों की एक कमेटी बनाई जा रही है और हर 15 दिन में विजिट करने का आदेश दिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर गुणवत्तापूर्ण भोजन में कोई गड़बड़ी हुई तो अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

कांग्रेस के संघर्ष का परिणाम काजीपेट कोच फैक्ट्री : कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस पीपुल्स सरकार आंध्र प्रदेश पुनर्विभाजन अधिनियम के प्रत्येक वादे को हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही है। मंत्री सुरेखा ने कहा कि यह कांग्रेस के संघर्ष का परिणाम था कि केंद्र सरकार ने काजीपेट कोच फैक्ट्री को मंजूरी दी जो विभाजन गारंटी का हिस्सा थी। इसके अलावा मंत्री सुरेखा ने कहा कि काजीपेट रेलवे स्टेशन को डिविजन का दर्जा देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा गतिविधियां शुरू करना तेलंगाना के सभी लोगों के लिए गर्व की बात है।

मंत्री सुरेखा ने याद दिलाया कि कांग्रेस पीपुल्स सरकार के सत्ता में आने के तुरंत बाद, सीएम रेवंत रेड्डी ने काजीपेट में रेलवे कोच फैक्ट्री स्थापित करने और विभाजन अधिनियम की गारंटी को लागू करने के लिए एक बार 26 दिसंबर 2023 को और फिर 4 जुलाई 2024 को पत्र लिखा था। उन्होंने कहा कि यह अच्छा परिणाम है कि केंद्र सरकार ने आखिरकार कोच फैक्ट्री और रेलवे डिवीजन की स्थापना की दिशा में काम तेज कर दिया है। मंत्री सुरेखा ने स्पष्ट किया कि कोच फैक्ट्री और रेलवे डिवीजन से न केवल वारंगल जिले को बल्कि पूरे तेलंगाना राज्य को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। मंत्री सुरेखा ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पीपुल्स सरकार इसी दृढ़ संकल्प के साथ विभाजन अधिनियम में बाकी गारंटी के कार्यान्वयन के लिए अथक संघर्ष करेगी। मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि ओरुगल्लू के लोगों के लंबे समय के सपने मामुनुरु हवाई अड्डे को साकार करना कांग्रेस सरकार द्वारा कम समय में हासिल की गई एक उपलब्धि है। मंत्री सुरेखा ने कहा कि खिला वारंगल में स्थापित होने वाले तकनीकी केंद्र और एमजीएम नशामुक्ति केंद्र ने ओरुगल्लू की प्रतिष्ठा का लोहा मनवाया है। 2041 मास्टर प्लान के हिस्से के रूप में, वारंगल के व्यापक विकास के लिए मंत्री ने कहा कि 4,962.47 करोड़ से क्रियान्वित की जा रही योजनाएं ओरुगल्लू शहर की तस्वीर बदल देंगी। मंत्री कोंडा सुरेखा ने स्पष्ट किया कि वह दिन दूर नहीं जब वारंगल शहर राज्य की दूसरी राजधानी के रूप में उभरेगा।

संभल हिंसा में चौकाने वाला खुलासा ,सर्वे के पहले दिन भी हुआ था बवाल; जामा मस्जिद में जबरन घुस गए थे 150 लोग

संभल, 28 नवंबर (एजेंसियां)। जामा मस्जिद बनाम हरिहर मंदिर को लेकर चंदौसी सिविल जज (सीनियर डिवीजन) आदित्य सिंह के आदेश का अनुपालन करने के लिए बेशक पुलिस और जिला प्रशासन, सर्वे की टीम के साथ था लेकिन मस्जिद के अंदर यह कार्य कर पाना बेहद चुनौती पूर्ण रहा क्योंकि 19 नवंबर को जैसे ही जिला प्रशासन के द्वारा मस्जिद के सदर और अन्य समिति के सदस्यों से सूचना देकर सर्वे करने सहमति ली गई थी तो कुछ चिह्नित लोगों को ही अंदर जाना था लेकिन ऐसा हुआ नहीं और अनाधिकृत लोग भी अंदर घुसे। अत्यधिक भीड़ होने के चलते पहले दिन का कार्य अधूरा छोड़कर उसे स्थगित करना पड़ा। जिसकी वजह से ही 24 नवंबर को फिर से सर्वे करने का समय निर्धारित किया गया था।

प्रशासन ने दोनों पक्षों के साथ की थी बातचीत

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि 19 नवंबर को मस्जिद के सदर जफर अली के अलावा इंतजामिया समिति के सदस्यों की उपस्थिति में एडवोकेट कमिश्नर रमेश राघव को अपनी टीम के साथ सर्वे का कार्य करना था। इसके लिए जिला प्रशासन की दोनों पक्षों के साथ बातचीत हुई और निश्चित संख्या में लोगों को अंदर प्रवेश करने दिया गया। डीएम और एसपी के अलावा प्रशासनिक सभी लोगों को बाहर रखा गया और मुख्य द्वार को बंद कर दिया गया था। समस्या तब उत्पन्न हुई, जब अचानक शहर के कुछ जनप्रतिनिधि और उनके समर्थक लोग आए और मस्जिद का गेट खुलवाकर अंदर घुस गए।

इस दौरान प्रशासन और पुलिस की टीम ने ऐसे लोगों के अंदर जाने का विरोध भी किया लेकिन उनकी आपत्ति को दरकिनार किया गया था। इतना ही नहीं एक के बाद एक मस्जिद में 150 से 200 लोग दाखिल हो गए और टीम को अपना सर्वे कार्य करने में दिक्कत आने लगी। लोग सर्वे पर आपत्ति और विरोध की बातें करने लगे, सवाल खड़े करने लगा। ज्यादा भीड़ को देखते हुए कार्य लगातार प्रभावित हो रहा था और रात्रि का समय भी हो रहा था। जिसके चलते एडवोकेट कमिश्नर और जिला प्रशासन कार्य को स्थगित किया और यह कार्य अगले दिन करने का निर्णय लिया, लेकिन जुम्मे की नमाज और उपचुनाव की मतगणना को लेकर चार दिन तक यह कार्य नहीं हुआ।

संभल जिलाधिकारी डॉ। राजेंद्र पैंसिया ने बताया-

यह बात सही है कि पहले दिन के सर्वे के दौरान मस्जिद के अंदर कुछ अनधिकृत लोग प्रवेश कर गए थे। जिनकी संख्या लगभग डेढ़ सौ से ज्यादा थी। हालांकि उनको बाहर निकला गया था, क्योंकि रात्रि में सर्वे पूरा नहीं हो सकता था। इसलिए 24 नवंबर को टीम फिर से गई तो दूसरे दिन भी मस्जिद के अंदर काफी लोग थे। जिन्हें बाहर निकालने के बाद सर्वे का कार्य कराया गया था।

मस्जिद के अंदर नहीं थे सुरक्षा कर्मी

पहले दिन जिस वक्त सर्वे का कार्य चल रहा था, उस वक्त सभी सुरक्षा कर्मियों को मस्जिद के बाहर ही रहने दिया गया था, यहां तक की पुलिस अधीक्षक के पीआरओ, कैमरामैन से लेकर अन्य सुरक्षा गार्ड भी बाहर रहे। डीएम के साथ भी रहने वाले स्टाफ को बाहर रखा गया था। चिंता की बात तब हुई जब मस्जिद का गेट अंदर से बंद तो था लेकिन 150 से 200 लोग एक प्रवेश करते जा रहे थे और सुरक्षा के लिए अंदर कोई नहीं था, जिसमें डीएम और एसपी के अलावा एडवोकेट कमिश्नर और याची दो अधिवक्ता की सुरक्षा का सवाल था।

'प्रधानमंत्री स्वयं चादर भिजवाते हैं'

अजमेर दरगाह के मुद्दे पर जजों पर भी भड़के रामगोपाल यादव

लखनऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल में मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के बाद देश में अब राजस्थान के अजमेर शरीफ की भी चर्चा है। राजस्थान की एक निचली अदालत में अजमेर दरगाह शरीफ को हिंदू मंदिर बताते हुए याचिका दायर की गई है जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया है। अब अजमेर शरीफ मुद्दे पर समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव की प्रतिक्रिया सामने आई है। सपा सांसद ने इसमें प्रधानमंत्री का भी जिक्र किया है। अजमेर शरीफ दरगाह में शिव मंदिर होने के दावे पर समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा, इस तरह के छोटे-छोटे जज बैठे हैं जो इस देश में आग लगवाना चाहते हैं, कोई मतलब नहीं है इसका। अजमेर शरीफ पर हमारे प्रधानमंत्री स्वयं चादर भिजवाते हैं। देश दुनिया से लोग वहां आते हैं, उसको विवादों में डालना बहुत ही घृणित और

मंदिर तोड़कर किया दरगाह का निर्माण- हिंदू सेना

बता दें कि हिंदू सेना नाम के हिंदुत्ववादी संगठन ने अजमेर की जिला अदालत में याचिका दायर करके दावा किया है की अजमेर में स्थित ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह जिसे दरगाह शरीफ भी कहा जाता है वो असल में भगवान शिव का मंदिर है। इस याचिका में बताया गया है कि इस मंदिर को तोड़कर इस दरगाह कर निर्माण किया गया है। हिंदू सेना ने अपनी याचिका में दरगाह के एएसआई सर्वे की भी मांग की है।

ओछी मानसिकता का प्रतीक है। सत्ता में बने रहने के लिए भाजपा समर्थित लोग कुछ भी कर सकते हैं, देश में आग लग जाए इससे इन्हें कोई मतलब नहीं है। वहीं सपा सांसद राम गोपाल यादव ने संभल हिंसा पर कहा, संभल घटना में प्रशासन सौ फीसदी दोषी है। जिस दिन निष्पक्ष जांच होगी, कई वरिष्ठ अधिकारी जेल जाएंगे। मैंने आज फिर संभल मुद्दे पर सदन में नोटिस दिया है।

नालंदा में नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्ष को मारी गोली

नालंदा, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में पांच चरणों में पैक्स का चुनाव हो रहा है। दो चरण हो चुका है। इस बीच बिहार के नालंदा से गोलीबारी की घटना सामने आई है। नालंदा में चुनाव जीतने के कुछ ही देर बाद बदमाशों ने नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्ष को गोली मार दी। शाम बिहारशरीफ प्रखंड कार्यालय में मतगणना हुई थी। जीत के बाद रात दस बजे नव निर्वाचित पैक्स अध्यक्ष शिव चरण अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उन पर हमला हो गया। गोली लगने से वे घायल हो गए। घटना की सूचना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। गोलीबारी की जानकारी मिलने के बाद एसपी-डीएसपी समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने इस घटना को लेकर पूछताछ के लिए दो लोगों को हिरासत में लिया है। गोली लगने की खबर जैसे ही लोगों की मिली तो शिव चरण के समर्थक मौके पर पहुंच गए।

'जो फसाद की वजह बने, उनकी तस्वीरें कब लगेंगी?'

संभल हिंसा पर अखिलेश यादव ने प्रशासन को घेरा

लखनऊ संभल, 28 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल स्थित जामा मस्जिद में रविवार (24 नवंबर 2024) को सर्वे के दौरान हुई हिंसा को लेकर सियासत जारी है। विपक्ष इस मामले को लेकर लगातार सरकार और प्रशासन पर हमलावर है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने संभल हिंसा को लेकर एक पोस्टर जारी किया है, जिसमें हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन, सुरक्षा कर्मी और कुछ लोग नारे लगाते लग रहे हैं। सपा प्रमुख ने एक्स पर पोस्टर साझा करते हुए लिखा कि, जिन्होंने बवाल शुरू किया और जो पहले पहल फ़साद की वजह बने, उनकी तस्वीरें कब लगेंगी? संभल हिंसा मामले में पुलिस अब तक 28 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, इनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और वायरल वीडियो के आधार पर एक-एक आरोपी की पहचान कर रही है। बुधवार को पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 45 उपद्रवियों के पोस्टर जारी किए। पुलिस ने बहुत से उपद्रवियों का नाम और पता भी सार्वजनिक कर दिया है। पुलिस का कहना है कि हिंसा में हुए नुक़सान की भरपाई भी उपद्रवियों से ही की जाएगी। वीडियो के आधार पर अब तक 100 से अधिक आरोपियों को चिह्नित किया जा चुका है।

हिंसा में गई चार लोगों की जान

आपको बता दें कि, जिला अदालत के आदेश पर 24 नवंबर रविवार को एक टीम संभल की शाही जामा मस्जिद के सर्वे के लिए पहुंची थी। तभी अचानक बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी और भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया। सर्वे के दौरान हुए विवाद हिंसक रूप ले लिया। कई गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई और उन्हें आग के हवाले कर दिया गया। स्थिति को नियंत्रण करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई। संभल में मस्जिद सर्वे के दौरान हुई हिंसा के बाद इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। पुलिस प्रशासन ने इलाके शांति व्यवस्था कायम होने का दावा किया है। वहीं 29 नवंबर को जुमे की नामाज को लेकर प्रशासन हाई अलर्ट पर है। गौरतलब है कि, संभल की जामा मस्जिद को हिंदू पक्ष ने पूर्व में हरिहर मंदिर होने का दावा किया है। हिंदू पक्ष की मांग पर कोर्ट ने सर्वे ने का आदेश दिया था। पहला सर्वे 19 नवंबर को हुआ था और दूसरा सर्वे 24 नवंबर को होना था।

एनडीए से 'अलगाव' की खबरों के बीच

पशुपति कुमार पारस का प्लान ओयूटी! किसे सौंपेंगे विरासत?

पटना, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में चार विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के बाद राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (आरएलजेपी) ने अपनी सक्रियता बढ़ाते हुए अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 243 सीटों पर तैयारी शुरू कर दी है। इस दौरान एनडीए से अलगाव की खबरों के बीच अब पूर्व केंद्रीय मंत्री और पार्टी के प्रमुख पशुपति कुमार पारस की राजनीतिक विरासत उनके पुत्र यश राज को सौंपने को लेकर मंथन शुरू हो गया है। दरअसल, राष्ट्रीय लोजपा फिलहाल न एनडीए के साथ नजर आ रही है और न ही महागठबंधन के साथ है। ऐसे में पटना में 19 और 20 नवंबर को दो दिनों तक चली पार्टी की बैठक में प्रदेश की सभी 243 विधानसभा सीटों पर तैयारी शुरू करने का निर्णय ले लिया गया है। इस दौरान पार्टी ने कार्यकर्ताओं से 28 नवंबर को एलजेपी के स्थापना दिवस पर एलजेपी के संस्थापक रामविलास पासवान के पैतृक गांव शहरबन्नी पहुंचने की अपील की है। यहीं एलजेपी का स्थापना दिवस मनाया जाएगा।

अलौली से चुनाव लड़ सकते हैं यश राज

बताया जा रहा है कि पार्टी के प्रमुख पशुपति कुमार पारस के पुत्र यश राज ने अलौली से विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस समारोह के बाद अलौली विधानसभा क्षेत्र के गांव-गांव जाएंगे।

पार्टी का संसदीय बोर्ड करेगा तय

पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रवण कुमार अग्रवाल ने कहा है कि अलौली की जनता यश राज को अगले विधानसभा चुनाव में लड़ाना चाहती है। वैसे, पार्टी में इसका निर्णय संसदीय बोर्ड द्वारा किया जाता है।

उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी ने फिलहाल 243 सीटों पर चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। चुनाव के समय देखा जाएगा कि किस गठबंधन के साथ जाना है। श्रवण कुमार ने यश राज को पारस की विरासत संभालने से जुड़े प्रश्न पर कहा कि उनके खून में राजनीति है और उनको राजनीति की समझ भी है। अलौली की जनता भी उन्हें पसंद करती है। अलौली से पूर्व मंत्री पारस भी विधायक रह चुके हैं। ऐसे में अगर उनके पुत्र चुनाव लड़ते हैं तो क्या बुराई है?

पटना में 23 बीजेपी नेताओं की गाड़ियों का चालान कटा

1-1 हजार रुपए का लगा फाइन, मोहनिया विधायक संगीता कुमारी ने ड्राइवर को नौकरी से निकाला

पटना, 28 नवंबर (एजेंसियां)। पटना में ट्रैफिक एसपी के आदेश पर बीजेपी कार्यालय के सामने सड़क पर खड़ी गाड़ियों का चालान पर काटा गया। ट्रैफिक एसपी के मुताबिक, बीजेपी नेताओं की 23 गाड़ियों का चालान कटा है। वहीं चालान काटने के बाद बीजेपी की महिला विधायक ने अपनी गलती मानते हुए ड्राइवर को नौकरी से निकाल दिया है। ट्रैफिक पुलिस ने 19 सितंबर को आरजेडी कार्यालय के पास लगी विधायक और नेताओं की गाड़ियों का भी चालान काटा गया था। दरअसल, पटना में शाम बीजेपी कार्यालय में विधानमंडल दल की बैठक बुलाई गई थी। भाजपा के विधायक और एमएलसी जुटे थे। साथ में कई कार्यकर्ता भी यहां जुटे थे। सभी गाड़ियां वीरचंद पटेल पथ के मेन रोड पर लगाई गई थी, जिससे वहां ट्रैफिक जाम लग गया।

बीजेपी नेताओं ने पुलिस को कार्रवाई से भी रोका

जाम को हटाने ट्रैफिक पुलिस के जवान वहां पहुंचे। गाड़ियों के हटाने को लेकर जवानों ने अनाउंस भी किया। गाड़ियां नहीं हटी तो, ट्रैफिक पुलिस क्रेन से गाड़ी हटाने लगी। इस दौरान जवान, बीजेपी की मोहनिया विधायक संगीता कुमारी की गाड़ी हटाने लगे। तभी बीजेपी के नेता और कार्यकर्ताओं ने पुलिस को ऐसा करने से रोक दिया। हालांकि ट्रैफिक पुलिस वालों ने सभी गाड़ियों की फोटो ले ली। इसके बाद, चालान काट दिया गया।

विधायक ने गलती के लिए ड्राइवर को निकाला

मोहनिया विधायक संगीता कुमारी ने कहा, 'ड्राइवर ने ट्रैफिक नियम का उल्लंघन करते हुए गाड़ी को मुख्य सड़क पर पार्क कर दिया और फिर वहां से गायब हो गया। वहां खड़ी गाड़ियों की वजह से सड़क पर जाम लग गया। मैंने इस गलती के लिए ड्राइवर को निकाल दिया है।'

आगे भी ट्रैफिक पुलिस का एक्शन जारी रहेगा

वहीं पटना के ट्रैफिक एसपी अपराजित लोहान ने बताया, 'नो पार्किंग में खड़ी गाड़ियों या ट्रैफिक रुल उल्लंघन करने वाली गाड़ियों का चालान आगे भी कटता रहेगा। चाहे वो गाड़ी आम इंसान की हो या किसी वीआईपी की हो'

ट्रेन से टकराया हाथी, बाल-बाल बची कई जिंदगियां

नजीबाबाद, 28 नवंबर (एजेंसियां)। कोटद्वार ब्रांच लाइन पर कोटद्वार से दिल्ली जा रही आनंद विहार टर्मिनल ट्रेन से देर रात्रि गांव चंदनपुर के निकट हाथी टकरा गया।ट्रेन की टक्कर से हाथी कुछ दूर जाकर गिरा। घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद लगभग आधा घंटे तक ट्रेन घटनास्थल से कुछ फांसले पर खड़ी रही। रात्रि लगभग 10 बजे हुई घटना की सूचना मिलने पर रेलपथ तथा आरपीएफ ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद ट्रेन को रवाना किया गया। बिजनौर वन प्रभाग नजीबाबाद की डीएफओ वंदना फोगाट, कौड़िया के रेंजर सचिन शर्मा, डिप्टी रेंजर महिपाल सिंह और वन विभाग का स्टाफ मौके पर पहुंचा।मृत नर हाथी की उम्र लगभग 15 से 20 वर्ष बताई जाती है। मथुरापुर मोर के ग्राम प्रधान खुर्शीद अहमद सहित अनेक ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे। उम्र दराज हाथी का एक दांत पहले से टूटा है। वन विभाग की ओर से चिकित्सकों का पैनल पोस्टमार्टम के लिए तैयार किया जा रहा है।

आईपीएस इल्मा ने चुप्पी तोड़ी

बोलीं-मैंने ईमानदारी से जिम्मेदारी निभाई खनन माफिया-तस्करों पर नकेल कसी; कांग्रेस विधायक से विवाद के बाद लंबी छुट्टी पर

मुरादाबाद, 28 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में खनन माफिया की कमर तोड़ने की वजह से तेज तर्रार आईपीएस इल्मा अफरोज सियासी टकराव का सामना कर रही हैं। इल्मा ने लंबी खामोशी के बाद बुधवार को अपनी चुप्पी तोड़ी। लंबी छुट्टी पर चल रही इल्मा ने बुधवार को मुरादाबाद में एक कॉलेज में छात्राओं से हिमाचल के बद्दी जिले के अपने अनुभव साझा किए। इल्मा अफरोज ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा- आपके दिल में अपने देश के लिए कुछ करने का जज्बा है, तो आपको मंजिल तक पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता। याद रखें, हमारे लिए हमारा देश पहले है और हम बाद में। इल्मा ने कहा- मैं बद्दी जिले की पुलिस अधीक्षक बनी तो मैंने अच्छे से दिल लगाकर मेहनत और मोहब्बत से काम किया। नशे के सौदागरों के खिलाफ अभियान चलाया। युवाओं को, बच्चों को नशों से बचाया। जो बड़े-बड़े ड्रग तस्कर थे, गंदे नशों का काम करते थे, उन्हें जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया। इल्मा अफरोज ने कॉलेज में छात्राओं से बद्दी जिले में अपनी तैनाती के अनुभव साझा करते हुए कहा- बद्दी में जो खनन माफिया और तस्कर थे। जो नशे के इंजेक्शन देकर बच्चों की जिंदगी खराब कर रहे थे। मैंने उनके खिलाफ जमीनी स्तर पर अभियान चलाया। ऐसे तमाम तस्करों को जेल भिजवाया। खनन माफिया पर लगाम कसी। मैंने ये सारा काम बद्दी की पुलिस अधीक्षक रहते हुए किया।

झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों को याद कर भावुक हुईं इल्मा

कॉलेज में छात्राओं से इल्मा अफरोज ने कहा- एसपी ऑफिस और बंगला काफी बड़ा होता है। बहुत खूबसूरत होता है। इसलिए मैंने अपने बड़े घर के दरवाजे वहां आसपास झुग्गी झोपड़ियों और फुटपाथ पर रहने वाले बच्चों के लिए खोल दिए। वो वहां आने लगे और मेरी थोड़ी कोशिशों से उनके चेहरों पर मुस्कान आने लगी।

वो पढ़ने लगे और खेलने लगे। मैं ऑफिस टाइम के बाद उन्हें वक्त निकालकर पढ़ाती और उनके साथ खेलती भी थी। इतना कहते-कहते भावुक हुई इल्मा ने कहा- कुल मिलाकर मैंने अपने बद्दी जिले के लाखों लोगों के साथ बहुत मेहनत, ईमानदारी और सत्यनिष्ठा से जिम्मेदारी निभाई।

एयर इंडिया में पायलट सृष्टि तुली का शव मुंबई में मिला, परिवार को हत्या का शक, बॉयफ्रेंड अरेस्ट

गोरखपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर की महिला पायलट सृष्टि तुली की मुंबई में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण गला कसना बताया गया है। मृतका के परिजनों का आरोप है कि बेटी के प्रेमी ने उसे सुसाइड के लिए उकसाया। बता दें कि चार्जिंग केबल से लटककर युवती ने अपनी जान दी है। बता दें कि मुंबई की पवई पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में युवती के प्रेमी आदित्य पंडित को गिरफ्तार कर लिया है। मगर मृतकों के परिजनों का मानना है कि उनकी बेटी की हत्या की गई है। परिजनों का ये भी आरोप है कि आरोपी प्रेमी ने उनकी बेटी के साथ हिंसा की है और उसे प्रताड़ित किया है।

एयर इंडिया में पायलट थी सृष्टि तुली

गोरखपुर के आजाद चौक के शिवपुरी में रहने वाली सृष्टि एयर इंडिया में पायलट थी। वह मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ के हाथों भी सम्मानित हो चुकी थी। सृष्टि तुली के रिश्ते के चाचा विवेक तुली ने बताया कि उनकी भतीजी सृष्टि तुली (25 वर्ष) पुत्री विशाल तुली मुंबई के अंधेरी में रहती थी। रविवार की रात पता चला कि सृष्टि अब दुनिया में नहीं रही। विवेक ने बताया कि जब सृष्टि के नंबर पर फोन किया गया तो उर्वी नाम की लड़की ने फोन उठाया। तब पूरा मामला पता चला।

मां से की आखिरी बार बात

मिली जानकारी के मुताबिक, रविवार की रात सृष्टि ड्यूटी के बाद 12.30 बजे अपने फ्लैट पर पहुंची। इसके बाद उसने अपने दोस्त आदित्य पंडित (27 वर्ष) के साथ खाना खाया। घर पहुंचने के बाद उसने गोरखपुर में अपने घर मां से बात की। पुलिस के मुताबिक, आदित्य ने पूछताछ में बताया कि वो सृष्टि के फ्लैट से दिल्ली अपने घर जाने के लिए रात 1.29 बजे निकला। इसके बाद रात 2 बजे के करीब सृष्टि ने उसे कॉल करके बताया कि वो सुसाइड करने जा रही है।

तब तक वह मुंबई से 35 किलोमीटर दूर जा चुका था। इसके बाद वह वापस लौटा और अपनी एक महिला मित्र को बुलाकर सोमवार की सुबह 5 बजे दूसरी चाबी से फ्लैट का ताला खुलवाया। अंदर जाकर देखा तो सृष्टि पंखे से चार्जिंग केबल के सहारे लटकी हुई थी। उसे फौरन अस्पताल ले जाया गया। मगर तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

परिवार को हत्या का शक

मृतका सृष्टि के चाचा विवेक तुली का आरोप है कि जब बेटी ने सुसाइड करने की बात कही थी, तो आदित्य ने पुलिस को खबर क्यों नहीं दी? परिवार का ये भी आरोप है कि आदित्य ने क्राइम सीन के साथ छेड़छाड़ भी की है। परिवार का आरोप है कि इस साजिश में आदित्य के साथ कोई और भी शामिल है। आपको ये भी बता दें कि पुलिस पूछताछ में भी आरोपियों के बयान अलग-अलग सामने आए हैं। फिलहाल मुंबई पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना स्थल से सृष्टि का कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है।

सृष्टि के बाबा ने देश के लिए दी थी शहादत

बता दें कि सृष्टि साल 2023 में एयर इंडिया में शामिल हुई थी। सृष्टि का परिवार क्षेत्र का नामी परिवार है। सृष्टि के बाबा मेजर नरेन्द्र कुमार भारतीय सेना रहे और वह साल 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध में शहीद हुए। सृष्टि के बाबा को दो बार सेवा मेडल से सम्मानित किया गया था।

नेपाल की 'संगीता' को बिहार में बनाया सलमाना, फिर हैदराबाद में बेचने ले गया इमरान

भागलपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। नेपाल की संगीता को प्रेमजाल में फंसाकर भागलपुर में इमरान ने सलमाना बनाया, फिर उससे शादी की और उसे टॉर्चर करने लगा। लगातार मारपीट करता था और हैदराबाद में संगीता को बेचने का प्रयास भी किया। इतना नहीं इमरान का पिता भी संगीता से संबंध बनाना चाहता था। धर्म परिवर्तन का यह बड़ा मामला भागलपुर के हबीपुर से सामने आया है, जहां नेपाल की रहने वाली संगीता ने बड़ा खुलासा किया है। नेपाल के विराटनगर की संगीता ने भागलपुर के मोहम्मद इमरान पर गंभीर आरोप लगाते हुए एसएसपी को शिकायती पत्र दिया है। साथ ही वह भागलपुर कोर्ट भी पहुंच गई। संगीता के मुताबिक, भागलपुर के हबीबपुर थाना इलाके के मोमिनटोला के रहने वाले मोहम्मद इमरान ने उसे प्रेमजाल में फंसाकर पहले उसका धर्म परिवर्तन करवा दिया, फिर उससे शादी की। इमरान ने अपनी जानकारी छिपाकर शादी की। इतना ही नहीं उसका पिता मोहम्मद सोनू भी उससे संबंध बनाना चाहता था। जब मना किया तो हैदराबाद बेचने ले गया। संगीता ने मीडिया को बताया कि जब वह किसी तरह भागकर इमरान की बहन के घर आई तो यहां से भी हमको भगाने आया। फिर दिल्ली में छह महीने अकेले रही। उसके बाद अब फिर वहां से वो ले आया और मुझे टॉर्चर करने लगा। इमरान से मैं तलाक मांग रही थी तो वो तलाक भी नहीं दे रहा है। इधर, महिला ने एसएसपी से मिलकर शिकायत की। एसएसपी आनंद कुमार ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं हबीबपुर थाना पुलिस को मामले की जांच के लिए लगाया है। जांच के लिए टीम गठित की गई है।बता दें कि नेपाल की रहने वाली संगीता की मुलाकात विराटनगर में इमरान से 2014 में हुई थी। वह वहां मैकेनिकल का काम करता था। वहां उसने संगीता को गलत जानकारी देकर प्रेमजाल में फंसाकर उसका धर्म परिवर्तन करवाकर शादी की, फिर उसके साथ मारपीट कर हैदराबाद में बेचने का भी प्रयास किया।

भुखमरी के आंकड़ों में भारत का स्थान सही नहीं दिखाया गया, केंद्र सरकार ने बताईं 3 वजहें

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। पिछले महीने जारी की गई ग्लोबल हंगर इंडेक्स (जीएचआई) की रिपोर्ट में भारत को 'गंभीर' भूख की समस्याओं वाले देशों की श्रेणी में रखा गया था। हालांकि केंद्र सरकार ने इस रिपोर्ट की आलोचना की है और कहा कि भुखमरी से जुड़े आंकड़ों में भारत का सही स्थान नहीं दिखाया गया। इस रिपोर्ट में भारत को 127 देशों में लिस्ट में 105वें नंबर पर रखा गया था। केंद्र सरकार ने कल बुधवार को लोकसभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि ग्लोबल हंगर रिपोर्ट 2024 में इस्तेमाल किया गया भूख मापने का पैमाना बेहद "त्रुटिपूर्ण" है और यह भारत की वास्तविक स्थिति को नहीं दर्शाता है। साथ ही सरकार ने जोर देकर कहा कि वह देश में कुपोषण के

मुद्दे को हल करने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है।

केंद्रीय मंत्री ने कहां दिखाई खामी

कंसर्न वर्ल्डवाइड, वेल्ट हंगर हिल्फ और इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल लॉ ऑफ पीस एंड आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट की ओर से किए गए रिसर्च में भारत को 127 देशों में से 105वां स्थान दिया गया है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री निमूबेन जयंतीभाई बंभानिया ने कहा, "ग्लोबल हंगर रिपोर्ट में 'भूख' मापने का पैमाना त्रुटिपूर्ण है और यह देश की वास्तविक स्थिति को नहीं दर्शाता है। 'भूख' मापने के लिए चार घटक संकेतकों में से तीन (स्टंटिंग, वेस्टिंग और बाल मृत्यु दर) बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित हैं और इनका इस्तेमाल आबादी में भूख को दर्शाने के लिए नहीं कियाजा सकता है।" केंद्रीय मंत्री बंभानिया ने कहा, "2023 की तुलना में 2024 में भारत की रैंकिंग में सुधार हुआ है, जो मुख्य रूप से सूचकांक के चौथे घटक संकेतक, अर्थात कुपोषण की व्यापकता (पीओयू) में सुधार की वजह से है।" पिछले साल की ग्लोबल हंगर रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग 125 देशों में से 111वीं थी।

भारत की स्थिति में मामूली सुधार

उन्होंने आगे कहा, "आंगनवाड़ी सेवाओं और पोषण अभियान के तहत पूरक पोषण कार्यक्रम के तहत लगातार कोशिश की जा रही है और 'सक्षम आंगनवाड़ी तथा पोषण 2.0' के रूप में इस एकीकृत किया गया है।" उन्होंने कहा, "इसका मकसद पोषण सामग्री और वितरण में रणनीतिक बदलाव और स्वास्थ्य, कल्याण तथा इम्युनिटी को बढ़ावा देने वाली कोशिशों को विकसित करना है। साथ ही बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के बीच कुपोषण की चुनौतियों का समाधान करना भी है।" पिछले महीने ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट 2024 में भारत को 127 देशों की लिस्ट में 105वें स्थान पर रखा गया। हालांकि पिछले कुछ सालों की तुलना में इस साल भारत की रैंकिंग में मामूली सुधार हुआ है। लेकिन वह अभी भी 'गंभीर' भूख की समस्याओं वाले देशों में लिस्ट में शामिल है।

नेपाल और श्रीलंका से पीछे भारत

हंगर रिपोर्ट में भारत के पड़ोसी देशों की स्थिति कहीं बेहतर है। भारत नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार और श्रीलंका से पीछे है, जबकि वह पाकिस्तान और अफगानिस्तान से ऊपर है। रिपोर्ट में श्रीलंका 56वें, नेपाल 68वें और बांग्लादेश 84वें पायदान पर है और इनकी स्थिति भारत से कहीं बेहतर है। पिछले महीने आई रिपोर्ट में भारत का स्कोर महज 27.3 है जो भुखमरी के मामले 'गंभीर' स्तर को दर्शाता है। हालांकि इस मामले में स्थिति थोड़ी सुधर रही है क्योंकि 2016 में उसका स्कोर 29.3 था। कंसर्न वर्ल्डवाइड' और 'वेल्टहंगरहिल्फ' की ओर से संयुक्त रूप से जारी की गई ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट दुनिया भर में भुखमरी की स्थिति पर नजर रखती है। साथ ही उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती है जहां तत्काल कार्रवाई की जरुरत होती है।

'हिमाचल हिन्दुओं का है' बोलने वाली महिला ने मांगी माफी, कहा- 'उन्हें डर लगता है'

आलमपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बीते दिनों हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा के आलमपुर से एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में एक महिला कश्मीर से आए फेरीवालों को अपने इलाके में आने से रोकती हुई नजर आई। यही नहीं, महिला ने मुस्लिम समुदाय से संबंध रखने वाले इन फेरीवालों को हिंदुस्तानी होने के सबूत के तौर पर जय श्रीराम का नारा लगाने के लिए भी कहा। इसके बाद वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, तो महिला को आलोचना का सामना करना पड़ा। जानकारी है कि महिला ने खुद ही यह वीडियो शूट करवाया और इस सोशल मीडिया पर वायरल किया। हालांकि यह वीडियो बाद में महिला को ही भारी पड़ गया। शुरुआत में वीडियो के बारे में पुख्ता जानकारी सामने नहीं आ पा रही थी। वीडियो कहां और किस गांव में रिकॉर्ड की गई है, इसके बारे में जानकारी नहीं मिली। बाद में पुलिस ने छानबीन में जोर लगाया, तो पता चला की वीडियो हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा के आलमपुर की है। इसके बाद पुलिस ने दोनों पक्षों की पहचान की। महिला ने अपने कृत्य के लिए माफी मांगी। हालांकि पुलिस ने महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। महिला के खिलाफ थाना लंबागांव में एफआईआर दर्ज हुई है। जानकारी है कि महिला का नाम सुषमा है, जो बीडीसी मेंबर भी हैं। उनके माफी मांगने का एक वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में महिला कह रही हैं कि गांव में महिलाएं अकेली रहती हैं

फर्जी वीजा बनाने वाले रैकेट का भंडाफोड़ मोबाइल फोन और गैजेट के साथ 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली क्राइम ब्रांच की सेंट्रल रेंज (सीआर)की एक टीम ने कुशीनगर के रहने वाले 03 व्यक्तियों -चंदन बरनवाल, आज़ाद प्रताप राव और रितेश तिवारी के रहने वाले लोगों को गिरफ्तार किया है। इन सभी पर आरोप है कि इन्होंने विदेशी नौकरी चाहने वालों से बड़ी रकम वसूली और विभिन्न देशों के वीजा का वादा करके एक बड़ा घोटाले को अंजाम दिया। यह मामला वीएफएस ग्लोबल के सलाहकार आनंद सिंह की शिकायत के बाद दर्ज किया गया था। यह कंपनी वीजा, पासपोर्ट और काउंसलर सेवाओं के लिए आउटसोर्सिंग और प्रौद्योगिकी सेवाएं प्रदान करती है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि परवीन साहू और अजीत साहू ने फेसबुक, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से खुद को वीएफएस अधिकारियों के रूप में गलत तरीके से पेश किया। उन्होंने आवेदकों से बड़ी रकम के बदले जाली वीजा नियुक्ति पत्र जारी किए। आरोपियों ने अपने ऑनलाइन प्रोफाइल में वीएफएस लोगों का दुरुपयोग किया और धोखाधड़ी वाले ईमेल आईडी के माध्यम से पीड़ितों से संवाद किया, जिससे धोखाधड़ी और बढ़ गई। जिसके बाद एफआईआर संख्या 158/24, धारा 318 (4) / 319 (2) / 61 बीएनएस और 66 आईटी अधिनियम के तहत प क्राइम ब्रांच थाना, दिल्ली में मामला दर्ज किया गया। इसकी जांच सेंट्रल रेंज, क्राइम ब्रांच, दिल्ली ने की। एसीपी क्राइम ब्रांच के मुताबिक मामले की जांच टेक्निकल थी। फेसबुक, एक्स, लिंकडिन आदि सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कथित व्यक्तियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले सभी ऑनलाइन प्रोफाइल की पहचान की गई, जहां यह पाया गया कि वे खुद को वीएफएस ग्लोबल के अधिकृत प्रतिनिधि होने का दावा करके वीएफएस लोगो का उपयोग कर रहे थे और वीएफएस ग्लोबल द्वारा प्रदान की जा रही सभी वीजा संबंधी सेवाएं प्रदान करने का आश्वासन दे रहे थे। इसके बदले में आरोपी बतौर वीएफएस कर्मचारी विभिन्न देशों के लिए वीजा संबंधी सेवाएं/अपॉइंटमेंट प्रदान करने/व्यवस्थित करने के लिए भोले-भाले पीड़ितों/वीजा चाहने वालों से मोटी रकम भी ले रहे थे। एसीपी क्राइम ब्रांच के मुताबिक आरोपी व्यक्तियों ने खुद को वीएफएस अधिकारी के रूप में दिखाने के लिए कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यानी फेसबुक/इंस्टाग्राम/लिंक्डइन आदि का इस्तेमाल किया। आरोपियों ने इसके लिए वीएफएस लोगों का भी इस्तेमाल किया। आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से वीजा नियुक्ति पत्र के लिए जरूरतमंद लोगों से संपर्क करते थे और उन्हें बताते थे कि वे हर श्रेणी के लिए वीजा नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे।

दिल्ली में जापानी इंसेफेलाइटिस की दस्तक, मच्छरों से फैलने वाली ये बीमारी है जानलेवा

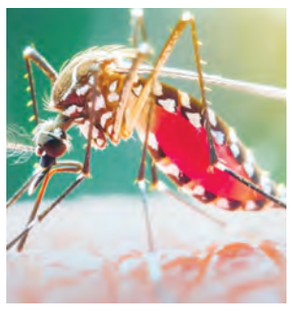

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। साल 2019 में कोविड-19 ने भारत में दस्तक दी थी, इस बीमारी के कहर से पूरे देश में तबाही मच गई थी। देश में लॉकडाउन लगाया गया और बड़ी तादाद में लोगों की मौत हुई। ऐसी ही एक जपानी बीमारी अब देश में दस्तक दे रही है, जो काफी खतरनाक साबित हो सकती है। डेंगू बुखार की तरह यह बिमारी भी मुख्य रूप से मच्छर के काटने से फैलती है। बर्ड फ्लू की तरह ही यह बीमारी भी इंसानों में जानवरों से फैलती है, जिसका नाम जापानी इंसेफेलाइटिस बुखार है। इस बीमारी का एक मामला सामने आया है। इससे सावधानी बरतना जरूरी है। म्युनिसिपल कारपोरेशन ऑफ दिल्ली (एमसीडी) के मुताबिक, दिल्ली के वेस्ट जोन में बान्दीपुर इलाके में एक केस सामने आया है। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि इंसेफेलाइटिस बुखार काफी खतरनाक है। इसको दिमागी बुखार भी कहते हैं। जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई) एक वायरल बीमारी है जो जापानी इंसेफेलाइटिस वायरस (जेईवी) के कारण होती है। यह वायरस मच्छरों से फैलता है, साथ ही यह जानवरों, पक्षियों, सूअरों से भी फैलता है। मच्छर इस वायरस से संक्रमित जानवरों को अगर काट ले और फिर किसी मनुष्यों को काट ले तो ये वायरस इंसान के शरीर में चला जाता है और जापानी इंसेफलाइटिस बुखार का कारण बनता है।

शादीशुदा युवती को देखते ही दिल हारा थाना प्रभारी दिया ऐसा ऑफर कि एसपी ने कर दिया सस्पेंड

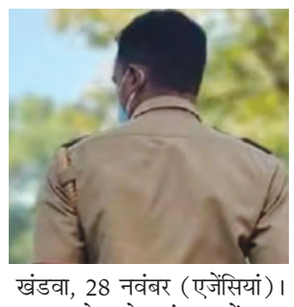

खंडवा, 28 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खंडवा में एक थाना प्रभारी को एसपी ने सस्पेंड कर दिया है। थाना प्रभारी पर युवती से छेड़छाड़ का आरोप लगा है। युवती ने कई दिनों तक थाना प्रभारी का टॉर्चर झेला। लेकिन बाद में एसपी से इसकी शिकायत कर दी। उसने लिखित में खंडवा के एसपी को आवेदन दिया। हरसूद थाने के टीआई अमित कोरी पर छेड़छाड़ और परेशान करने का आरोप लगाया। साथ ही साइबर स्टॉकिंग का भी आरोप लगाया। पीड़िता ने अपने आरोपों को साबित करने के लिए टीआई की तरफ से मोबाइल पर भेजे कुछ वॉट्सऐप मैसेज भी एसपी को दिखाए। युवती की शिकायत मिलने पर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय ने तुरन्त कार्रवाई की और आरोपी टीआई अमित कोरी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। यही नहीं साथ ही उन्होंने इस पूरे मामले की जांच भी एडिशनल एसपी को सौंप दी।

पति से विवाद हुआ था

युवती अपनी शिकायत लेकर एसपी कार्यालय पहुंची थी। आरोपी टीआई से जान-पहचान के सवाल पर पीड़िता ने बताया कि कुछ वक्त पहले किसी बात को लेकर उसका अपने पति से विवाद हो गया था, जिसकी शिकायत लेकर वह हरसूद टीआई अमित कोरी से मिली थी। हालांकि पति से हुआ विवाद तो कुछ दिन में आपसी समझौते से सुलझ गया। लेकिन इस बीच युवती का नम्बर टीआई के पास पहुंच गया, जिसके बाद वे उसका इस्तेमाल उसके साथ चैट कर उसे परेशान करने में करने लगा।

पीड़िता की आपबीती

युवती के अनुसार टीआई उसे बार-बार मैसेज करता था। इस बीच जब पीड़िता ने उसे फेसबुक पर ब्लॉक किया, तो टीआई इंस्टाग्राम पर मैसेज व वीडियो कॉल करने लगा। जब उसने दोनों प्लेटफॉर्म पर उसे ब्लॉक किया, तो वह युवती के घर के चक्कर लगाने लगा। इस दौरान थाना प्रभारी युवती पर साथ रहने के लिए लगातार दबाव बना रहा था। उसने युवती को इंदौर में एक फ्लैट दिलाकर साथ रखने का लालच भी दिया था, और जब युवती ने इसका विरोध किया तो थाना प्रभारी ने युवती का हाथ पकड़कर मरोड़ दिया था। लेकिन युवती ने किसी तरह उसे दांतों से काटकर उससे अपना पीछा छुड़ाया था। जिसके बाद वह इस घटना की शिकायत करने एसपी ऑफिस पहुंची थी।

महाराष्ट्र के नए सीएम को लेकर शाइना एनसी का बड़ा दावा

'समर्थक चाहते हैं कि एक बार फिर से एकनाथ शिंदे ही बनें सीएम'

मुंबई, 28 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में महायुति की बंपर जीत का फैसला एक हफ्ते पहले आ गया था, लेकिन अब तक गठबंधन में नए मुख्यमंत्री का नाम सामने नहीं आ सका है। देवेंद्र फडणवीस का नाम चर्चा में है। हालांकि, एकनाथ शिंदे के समर्थक यही चाहते हैं कि वह फिर से सीएम की कुर्सी पर बैठें। इसपर शाइना एनसी की प्रतिक्रिया आई है। शाइना एनसी का कहना है, एकनाथ शिंदे टीम के बेहतरीन कप्तान रहे हैं। उन्होंने जिस तरह से महायुति को बंपर जीत की दिशा दी है। उन्हें जमीनी स्तर पर, पार्टी कार्यकर्ताओं, नेताओं और जनता, सबसे समर्थन मिला है। एकनाथ शिंदे की लाडकी बहन योजना के जरिए भी उन्हें जनता से खूब प्यार मिला है। ढाई साल में उन्होंने शानदार काम किया है।

'स्वाभाविक तौर पर शिंदे को होना चाहिए सीएम'- शाइना एनसी

शाइना एनसी ने कहा कि महायुति में शामिल तीनों पार्टियों (बीजेपी, शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी) का स्ट्राइक रेट इतना शानदार रहा है कि हर पार्टी चाहेगी कि उसका नेता ही मुख्यमंत्री बने। हालांकि, हमें ऐसा लगता है कि जिस तरह से एकनाथ शिंदे ने जमीन पर काम किया है। उन पर कभी किसी तरह आरोप नहीं लगा। हमेशा आम आदमी के लिए काम किया और एक टीम लीडर की तरह महायुति को जीत दिलाई। ऐसे में स्वाभाविक तौर पर उन्हें ही सीएम पद के इकलौता दावेदार होना चाहिए।

वहीं, उन्होंने कहा, इतना ही नहीं, एकनाथ शिंदे ने यह कह कर अपनी गरिमा और दिखाई कि यह महायुति आलाकमान का फैसला होगा कि अगला मुख्यमंत्री कौन बनेगा। एकनाथ शिंदे के पास योग्यता और क्षमता है और हमारा मानना है कि हम आगे भी उनके नेतृत्व में काम करेंगे।

उद्धव ठाकरे के एमवीए में अब बचा ही क्या है?

अंदरखाने यह बात चल रही है कि उद्धव ठाकरे पर उनके पार्टी नेताओं का दबाव बन रहा है कि वह महाविकास अघाड़ी छोड़ दें। इन अटकलों को लेकर जब शाइना एनसी से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि सवाल यह नहीं कि एमवीए छोड़ कर कौन जा रहा है, बल्कि सवाल यह है कि एमवीए में अब बचा ही क्या है? महाराष्ट्र में गुड गवर्नेंस के चलते महायुति की सुनामी आई है, फॉल्स नरेटिव के जरिए नहीं। महायुति यहां टिकने और महाराष्ट्र की जनता के लिए काम करने आई है। अपने लालच के लिए जिन्होंने अपनी पार्टी की विचारधारा से भी खिलवाड़ कर लिया, जनता ने उन्हें करारा जवाब दे दिया है।

गलत जानकारी देकर बेचा वाहन, जिला उपभोक्ता आयोग ने राशि लौटाने के दिए आदेश

जबलपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। गलत जानकारी देकर वाहन बेचने को जिला उपभोक्ता आयोग ने सेवा में कमी व अनुचित व्यापार प्रथा माना है। आयोग ने प्रेस्टीज व्हीकल प्राइवेट लिमिटेड मदन महल के प्रबंधक को आदेश दिया कि दो माह के भीतर वाहन वापस प्राप्त कर दो लाख दस हजार रुपये लौटाए जाएं। इसके अलावा परिवादी को मानसिक क्षतिपूर्ति बतौर पांच हजार व मुकदमे का खर्च तीन हजार रुपये भी अदा किया जाए। परिवादी त्रिमूर्ति नगर निवासी सुरेंद्र तिवारी की तरफ से दायर किए गए आवेदन में कहा गया था कि उसने प्रेस्टीज व्हीकल प्राइवेट लिमिटेड से सेकंड हैंड कार खरीदी थी। उसे कार के संबंध में गलत जानकारी दी गई थी।

क्या फिर होगा बिहार का बंटवारा? राबड़ी देवी ने मिथिला को राज्य का दर्जा देने की मांग उठाई

पटना, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने ऐसी मांग रख दी है जिससे की बिहार में नया राजनीतिक घमासान शुरू हो सकता है। राबड़ी देवी ने कहा है कि बिहार के मिथिला क्षेत्र को राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए। राबड़ी देवी संविधान के मैथिली भाषा में अनुवाद पर बयान दे रही थीं। बता दें कि इससे पहले भी कई बार मिथिलांचल राज्य के निर्माण की मांग की गई है। हालांकि, राबड़ी देवी के इस बयान के बाद अलग राज्य की मांग को एक नई हवा मिल सकती है। बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन के नेताओं द्वारा मैथिली भाषा को सम्मान देने के लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद दिया जा रहा था।

इस दौरान सदन में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी ने कहा कि मिथिला को एक अलग राज्य बनाया जाना चाहिए। राबड़ी देवी ने कहा कि ट्रेजरी बेंच के सदस्य संविधान के अनुवाद के लिए केंद्र सरकार और पीएम मोदी की प्रशंसा कर रहे थे। ये ठीक है लेकिन हमें कुछ और ठोस चाहिए। दरअसल, ये पहली बार देखने को मिला है जब मिथिला क्षेत्र से न आने वाले बिहार के किसी शीर्ष राजनेता ने अलग मिथिला राज्य की मांग की है। राबड़ी देवी का ये पक्ष उनके पति लालू प्रसाद यादव के रुख से ठीक विपरीत है। लालू यादव ने झारखंड के निर्माण की मांग पर कहा था कि वे अपने प्राणों की आहूति देंगे पर ऐसा नहीं होने देंगे। हालांकि, बाद में वह सहयोगी दल कांग्रेस के दबाव में इस पर राजी हो गए थे।

कहां बोली जाती है मैथिली?

बिहार सरकार की ओर से हाल ही में केंद्र की एनडीए सरकार को पत्र लिखकर मैथिली भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का निवेदन किया गया था। आपको बता दें कि उत्तर बिहार के मिथिला क्षेत्र और भारत के पड़ोसी देश नेपाल के कुछ हिस्सों में भी मैथिली भाषा बोली जाती है।

हम लेट करते तो राष्ट्रपति शासन लगा देते

संजय राउत ने बताया बहुमत होने के बाद भी सात दिन से सीएम पर निर्णय नहीं

मुंबई, 28 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री के नाम का महायुती में अब तक फैसला नहीं हो पाया है। इसको लेकर विपक्षी हमलावर हैं। इसी कड़ी में शिवसेना-यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा है कि उनके पास बहुमत है, वो बहुमत से बहुत करीब है, 7 दिन के बाद भी सीएम नहीं दे रहे हैं। ये हमारी जनता जानना चाहती है। महायुति के पास बहुमत है, वो किसी को भी सीएम बना सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में अधिक सीटें मिली हैं, उनको ही सीएम बनाना चाहिए ये मेरा मानना है। अगर हम सब सरकार बनाने में लेट करते तो वो राष्ट्रपति शासन लगा देते। साथ ही संजय राउत ने बीएमसी चुनाव पर कहा कि आप लोग चिंता क्यों करते हैं। महा विकास अघाड़ी मिलकर फैसला लेंगे। इसके अलावा

उन्होंने कहा कि हम कभी दिल्ली नहीं गए मीटिंग के लिए, ये जो खबरें हैं, कोई तथ्य नहीं है हम लोकसभा चुनाव लड़े, अच्छा किया, विधानसभा में सभी को नुकसान हुआ, हमको भी हुआ, कांग्रेस को हुआ और शरद पवार को भी हुआ।

एकनाथ शिंदे ने क्या कहा?

इससे पहले शिवसेना के अध्यक्ष और महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में महाराष्ट्र में अलगे सीएम का रास्ता साफ कर दिया। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सीएम बनाने के लिए पीएम मोदी का फैसला सर्वमान्य होगा। बीजेपी का सीएम मुझे मंजूर होगा। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए मेरी तरफ से कोई अड़चन नहीं है। पीएम मोदी जो निर्णय लेंगे, वह मुझे मंजूर होगा। मैं चट्टान की तरह पीएम मोदी के साथ खड़ा हूं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी भी चट्टान की तरह मेरे साथ खड़े हैं। बीजेपी का मुख्यमंत्री मुझे मंजूर होगा। मुझे पीएम मोदी और अमित शाह का फैसला मंजूर है।

पीएम मोदी जो कुछ भी निर्णय लेंगे, वो शिवसेना को मंजूर है। महायुति मजबूत है और हम सब मिलकर काम करने को तैयार हैं।उन्होंने कहा, मैंने अपने आप को कभी राज्य का सीएम नहीं समझा। मैंने हमेशा राज्य में आम आदमी बनकर कार्य किया। ढाई साल में हमने खूब काम किया। मुख्यमंत्री का मतलब कॉमन मैन होता है। मैंने यही सोचकर काम किया। हमें लोगों के लिए काम करना चाहिए।

काशी में उमडी हैदराबादी भक्तों की भीड

वाराणसी,27 नवंबर(एजेंसियां)। आध्यात्मिक क्षेत्र काशी की दिव्य यात्रा में हैदराबाद के फैशन यात्रा के प्रमुख नेहा राजगढ़ियां व राधिका जालान के नेतृत्व में ट्रैवल बडीज़ द्वारा यात्रा शुरू की गई। काशी की अलौकिक चमक में हैदराबाद के 50 उत्साही यात्रियों के समूह ने यात्रा शुरू की। उपरोक्त यात्रा का प्रारंभ महानगर हैदराबाद से हुई। उन्होंने बताया कि अचूक सुरक्षा व्यवस्था के बीच देव दीपावली का दर्शन लाभ लिया गया। यात्रियों ने बुनकरों के बाजार का भी लाभ उठाया। इस दौरान सुचरिता देवी की ठुमरी एवं पद्मश्री सितारा देवी की शानदार विरासत की प्रतीक कथक प्रस्तुति का आनंद प्राप्त हुआ।

श्रीनगर में सबसे ठंडी रात

जम्मू, 28 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में रात के पारे में गिरावट के साथ कंपकंपी बढ़ी है। कश्मीर घाटी में श्रीनगर समेत पांच जिलों में न्यूनतम तापमान शून्य डिग्री से नीचे चला गया है। लेह में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। जम्मू संभाग के भी कई जिलों में रात में सर्दी ने जोर पकड़ा है। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के अनुसार, 29 नवंबर से दो दिसंबर के बीच प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश व बर्फबारी हो सकती है। पिछले कुछ दिनों के मुकाबले कश्मीर के कई पर्यटन स्थलों और जिलों में न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है। दिन में भी अधिकांश हिस्सों में तापमान 16 डिग्री से नीचे चल रहा है। श्रीनगर में अधिकतम तापमान 14.5, पहलगाम में 12.1 और गुलमर्ग में 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मणिपुर हिंसा: आंखें निकालीं-सिर काटा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से सामने आई परिवार के साथ हुई बेरहमी

जिरीबाम, 28 नवंबर (एजेंसियां)। मणिपुर के जिरीबाम जिले में एक ही परिवार के 6 सदस्यों की हत्या के बाद अब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट में कई हैरान करने वाले खुलासे किए गए हैं। सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के बाद संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने मणिपुर के जिरीबाम जिले के बोरोबेकरा क्षेत्र से तीन महिलाओं और तीन बच्चों का अपहरण कर लिया था। उनके शव जिरीबाम जिले में जिरी नदी और असम के कछार में पास की बराक नदी में पाए गए थे। इस रिपोर्ट में रूंह कंपा देने वाली जानकारी सामने आई है। अधिकारियों ने असम के सिलचर मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसएमसीएच) में किए गए पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के हवाले से कहा कि 10 महीने के बच्चे लैशराम लम्नगानबा को बाएं घुटने के जोड़ में गोली लगी थी। इसके साथ ही उसकी दोनों आंखें भी गायब थीं। इसके अलावा भी उसके शरीर पर कई घांव के निशान पाए गए हैं। मृतकों शव सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में लाया गया था और रिपोर्ट के अनुसार, उनकी मौत का अनुमानित समय 3 से 5 दिन पहले का था। अधिकारियों ने बताया कि 17 नवंबर को जब इसे मुर्दाघर में लाया गया था तब ही उसका शरीर सड़ने की स्थिति में था। इसके अलावा, तेलेन थजांगनबी नाम की 8 साल की लड़की को गोलियों के कारण काफी चोटें आईं। लमंगनबा की 31 वर्षीय चाची, तेलेम थोइबी को सीने में तीन और पेट में एक गोली मारी गई थी। उसके सिर पर किसी तेज हमला किया गया। जिससे

उसकी खोपड़ी की हड्डियां टूट गईं।

शव से मिली आंखें गायब

परिवार के तीन अन्य सदस्यों की पिछली पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी खतरनाक थी। 3 साल के चिंगखेंगनबा सिंह, 25 साल की एल हेतोनबी देवी और 60 साल की वाई रानी देवी को गोली मारी गई थी। चिंगखेंगनबा की दाहिनी आंख गायब थी। उसके सिर में गोली लगने का घाव था, बांह हाथ और शरीर के कई हिस्सों को काटा गया था। छाती में फ्रैक्चर और घाव के निशान भी मिले हैं, एल हेतोनबी देवी के सीने में तीन और कूल्हे में एक गोली मारी गई थी। बच्चे की दादी वाई रानी देवी को पांच गोलियां मारी गईं थी। एक गोली खोपड़ी में, दो छाती में, एक पेट में और एक हाथ में लगी थी। एक ही परिवार के और मैतेई समुदाय से संबंधित ये 6 लोग 11 नवंबर को सुरक्षा बलों और कुकी समुदाय के कुछ लोगों के बीच गोलीबारी के बाद जिरीबाम स्थित राहत शिविर से लापता हो गए थे। जिसके बाद इनके शव पास की नदी में बरामद हुए थे।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 29 नवंबर- 2024

अब अजमेर शरीफ !

यूपी की संभल मस्जिद का विवाद अभी थमा भी नहीं था कि अजमेर के ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती दरगाह के सर्वे कराए जाने की याचिका स्वीकार करने पर बवाल की संभावना बनती जा रही है। याचिका में इसे हिंदू मंदिर बताया गया है। बता दें कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती फारसी मूल के सुन्नी दार्शनिक और विद्वान थे। उन्हें गरीब नवाज और सुल्तान-हिंद के नाम से भी जाना जाता है। वे 13वीं शताब्दी में भारत आए और राजस्थान के अजमेर में बस गए। उनकी खानकाह अजमेर में है, जिसकी वास्तुकला इंडो-इस्लामिक है। इस दरगाह को हिंदू मंदिर बता कर एक याचिका हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने दायर की थी जिसे स्वीकार कर लिया गया है। 'सूफी' शब्द अरबी के 'सफ' शब्द से लिया गया है जिसका मतलब है-ऊन से बने कपड़े पहनने वाला। इसका एक कारण यह है कि ऊनी कपड़ों को आमतौर पर फकीरों से जोड़कर देखा जाता था। सूफी शांति और सद्भावना में यकीन रखते हैं। उनके यहां की पीरी-मुर्शीदी की परंपरा भारत के गुरु-शिष्य परंपरा की तरह ही है। रूढ़िवादी मुसलमानों के विपरीत सूफियों ने आंतरिक शुद्धता पर ज़ोर दिया। सूफी मानते हैं कि मानवता की सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है। इतिहास गवाह है कि भारत में इस्लाम तलवारों से लैस मुस्लिम आक्रमणकारियों के साथ आया। ऐसे में इसे सहजता से स्वीकार करने में हिंदुस्तान की जनता को काफी मुश्किल हुई। इल्तुतमिश, बलबन और अलाउद्दीन खिलजी जैसे सुल्तानों ने जबरन धर्मांतरण की कोशिश की, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। ऐसे में इस्लाम के हृदय के रूप में सूफी का जन्म हुआ, जो संगीत और नृत्य की बदौलत काफी कुछ भक्ति मार्ग से मिलता-जुलता था। तब जाकर हिंदू-इस्लामी संस्कृति विकसित हुई। ख्वाजा पहले प्रमुख इस्लामी रहस्यवादियों में से एक थे जिन्होंने औपचारिक रूप से अपने अनुयायियों को उनकी भक्ति, प्रार्थनाओं और भगवान के भजनों में संगीत के इस्तेमाल को शामिल करने की अनुमति दी थी। भारत में 4 तरह के सूफी सिलसिले ज्यादा प्रचलित थे। ये थे-चिश्ती, सुहरावर्दी, नक्शबंदी और कादरी। इनमें भी चिश्ती और सुहरावर्दी सिलसिले ज्यादा पॉपुलर थे। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्तिया सिलसिले से थे। सफी लोग खानकाहों यानी एक तरह के आश्रम में रहते हैं, जहां उनके अनुयायियों का जमावड़ा रहता है। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती ने वर्ष 1192 ई. में अजमेर में रहने के साथ ही उस समय उपदेश देना शुरू किया, जब मुहम्मद गोरी (मुईज़ुद्दीन मुहम्मद बिन साम) ने तराइन के द्वितीय युद्ध में पृथ्वीराज चौहान को हराकर दिल्ली पर अपना शासन कायम किया था। चिश्ती के प्रवचनों ने जल्द ही स्थानीय आबादी के साथ सुदूर इलाकों में राजाओं, रईसों, किसानों और गरीबों को आकर्षित किया। उनकी मृत्यु के बाद मुगल बादशाह हुमायूं ने वहां पर उनकी कब्र बनवा दी। अजमेर में उनकी दरगाह पर मुहम्मद बिन तुगलक, शेरशाह सूरी, अकबर, जहांगीर, शाहजहां, दारा शिकोह और औरंगजेब जैसे शासकों ने जियारत की। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती का जन्म 1143 ई. में ईरान के सिस्तान क्षेत्र में हुआ था। यह वर्तमान में ईरान के दक्षिण पूर्वी भाग में स्थित है, जो अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा से लगा हुआ है। चिश्ती ने अपने पिता के कारोबार को छोड़कर आध्यात्मिक जीवन को अपनाया। 52 साल की उम्र में उन्हें शेख उस्मान से ख़िलाफत मिली। इसके बाद वे हज, मक्का और मदीना गए। वहां से वह मुल्तान होते हुए भारत आए और अजमेर में अपना ठिकाना बनाया। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की मृत्यु 1236 ई. में हुई। उन्हें अजमेर में ही दफनाया गया। जो अजमेर शरीफ दरगाह के नाम से प्रसिद्ध है। यह उनके अनुयायियों के लिए बेहद पवित्र स्थान है। इल्तुतमिश, अकबर, रजिया सुल्तान, जहांगीर, शाहजहां, औरंगजेब जैसे बादशाहों ने यहां आकर जियारत की थी। बड़ौदा के महाराजा ने दरगाह शरीफ के ऊपर एक सुंदर आवरण बनवाया था। मुगल बादशाह जहांगीर, शाहजहां और जहांआरा ने इसके जीर्णोद्धार में योगदान दिया। आज भी यह दरगाह सभी धर्मावलंबियों का आस्था का प्रमुख केंद्र है।

नया प्रदूषण

डॉ टी महादेव राव

भैया! मैने इस बीच पाया है कि एक नया किं तु ख त र ना क प्रदूषण फैला हुआ है जो लोगों में उनकी जानकारी के बिना प्रवेश कर तहलका मचा रहा है। छोटू! टीवी समाचारों के एंकरों की तरह वायु प्रदूषण के लिए इतने सारे विशेषण लगाओगे तब भी रोचकता पैदा नहीं कर पाओगे। शीत काल है तो धुआं, धूल, वाहनों और फैक्ट्रियों के अवशिष्ट भरे धुएं से सारा वातावरण वायु प्रदूषित हो जाता है, सभी जानते हैं। तभी न हम लोग मास्क पहने घूम रहे हैं। भैया! आपको मेरी बीवी रूपा की तरह सब्र बिल्कुल नहीं। मैं भूमिका बढ़िया बाँधूंगा सोचकर शुरू होता हूं तो आप हवा निकाल देते हैं। तू जानता है मैं भी रूपा की तरह बकवास सुनने का आदी नहीं हूं। आपको आज के भारतीय संस्कारों का पता नहीं है। तभी आप इतने बेसब्र हुए जा रहे हैं। संस्कार क्या बदल गए सारे परिवर्तनों के साथ? एक समय था जब धर्म निरपेक्षता और साम्यवाद हमारे विचारों का हिस्सा थीं और हम बड़े मजे में थे। अब तो सारी सोच संकीर्ण हो गई। हम अपने साए से भी डरने लगे। सारे विचार बौने हो गए। वही कहना चाह रहा था मैं। विचारों का प्रदूषण। इतना बढ़ गया है कि यह जल, वायु, ध्वनि प्रदूषणों से अधिक बलवान हो उठा है। अंग्रेजी में ब्रेन वाश शब्द इस वैचारिक प्रदूषण के लिए सही बैठता है। पहले हम एक थे सारे। अब मजहबों में, कुनबों में, मोहल्लों में, पूजा स्थलों में बंट गए। यह प्रदूषित विचारों का तूफान खतरा है मानव जीवन के लिए।

तो ऐसे बोलना छोटू। इसके साथ राजनीतिक विष मिलकर लोगों को दिशाहीन और संकीर्ण बना रहा है। बड़े बड़े नेताओं को यह मुगालता हो गया है कि उन्होंने जो बांटने की नीति अपनाई है, वही उनका विजय रहस्य है। बस लंबे समय से उसी पथ पर अग्रसर हुए जा रहे हैं। छोटा हो या बड़ा, हर नेता बस संविधान के दो शब्दों धर्मनिरपेक्षता और साम्यवाद से भय खा रहे हैं। उन्हें भूत बताकर विपक्ष को गरिया रहे हैं। इस तरह अनजाने में जनता अपना ब्रेन वाश करवा रही है। भेड़ों की तरह बस झुंड में चली जा रही है। मुफ्त की रेवड़ियां खाकर जिए जा रही है।और जन मानस ब्रेन वाश यानी दिमाग धोवन से बचें तब न सोच पाएंगे नया या जो मूल सोच है उसे सुरक्षित रख पाएंगे। सारा कुछ अपनी अनर्गल और बरगलाती संवेदनशील बातों से राजनीतिक ज़हर सारे प्रदूषणों का बाप साबित हो रहा है। इससे बचने की जरूरत है भैया! नशेड़ियों की तरह हर बात में हां में हां मिलाना और बेवजह डर से जब तक अपने आप को अलग नहीं कर लिया जाएगा और व्यापक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण जब तक नहीं अपनाया जायेगा, बदलाव नहीं हो सकता।

चुनाव के साथ ही दलबदल का सिलसिला शुरू !

अशोक भाटिया

राजनीति आज स्वार्थ सिद्धि का जरिया बन गई हे, सेवा भाव गायब है। यह शक्ति हासिल करने का जरिया बन गई है। विचारधारा से कोई मतलब नहीं रहा। यही वजह है कि जिस पार्टी के खिलाफ भाषण देने वाले नेता उसी पार्टी में शामिल होने में संकोच नहीं करते। राजनीतिक पार्टियां भी सत्ता में आने के लिए दलबदलू नेताओं को महत्त्व देती हैं। ये पार्टियां विपरीत विचारधारा वाले नेताओं को भी अपनी पार्टी में शामिल करने से गुरेज नहीं करती हैं। भारतीय राजनीति में दलबदल हमेशा से ही प्रचलित रहा है। हाल ही में शिंदे गुट की शिवसेना के विजय चौघुले द्वारा एरोली में बीजेपी के गणेश नाइक के खिलाफ विद्रोह किया है। अब एमवीए और महायुति में दलबदलुओं की फेहरिस्त में करीब 56 उम्मीदवारों के नाम सामने आ गए । महायुति से 40 और एमवीए से 16 नेता इस लिस्ट में शामिल है थे जिन्होंने अपने गठबंधन के घोषित उम्मीदवार के खिलाफ बगावत कर नामांकन दाखिल किया । दलबदल करने वाले कई उम्मीदवारों ने जीतने के बजे नामित उम्मीदवारों का खेल ही बिगाड़ा इससे पहले हरियाणा में नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार से 3 निर्दलीय विधायकों ने समर्थन वापस ले लिया और कांग्रेस के लिए प्रचार करने की घोषणा की। हरियाणा में दलबदल की घटनाएं आम बात हैं, यहां 'आया राम, गया राम' कहावत प्रचलित है, जिसका मतलब है बिना किसी सिद्धांत के पार्टी बदलना। साथ ही, लोकसभा चुनाव के दौरान कई अन्य राज्यों (जैसे मध्य प्रदेश और गुजरात) में उम्मीदवारों के आखिरी समय में पार्टी बदलने की घटनाएं देखने को मिली हैं।

राजनीतिक दलबदल की भरमार होने के बावजूद भारत का दलबदल विरोधी कानून मूकदर्शक बना हुआ है। भारत के संविधान की दसवीं अनुसूची के अंतर्गत, दलबदल विरोधी कानून 1985 में संसद और राज्य विधानसभाओं दोनों में 1960-70 के दशक में निर्वाचित विधायकों द्वारा बड़े पैमाने पर दलबदल को रोकने के लिए बनाया गया था। हालाँकि, 2002 में, संविधान के कामकाज की समीक्षा करने वाले राष्ट्रीय आयोग ने इस कानून की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि दलबदल विरोधी कानून के लागू होने के बाद भारत में दलबदल की संख्या में वृद्धि हुई है! दसवीं अनुसूची इतनी बुरी तरह से कैसे विफल हो गई?

दसवीं अनुसूची की कई कमियों का श्रेय इसके प्रारूपण को दिया जा सकता है, जो दलबदल, विशेष रूप से समूह दलबदल के लिए स्पष्ट खामियाँ छोड़ता है। दसवीं अनुसूची उन विधायकों को अयोग्य ठहराती है जो स्वेच्छा से अपनी पार्टी की सदस्यता छोड़ देते हैं या जब वे संसद या राज्य विधानसभा में अपनी पार्टी के निर्देश के विरुद्ध मतदान करते हैं। स्वतंत्र सांसद/विधायक सदन से अयोग्य ठहराए जा सकते हैं यदि वे अपने चुनाव के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल होते हैं। अयोग्यता के लिए याचिकाएँ सदन के अध्यक्ष या सभापति के समक्ष, जैसा भी मामला हो, प्रस्तुत की जा सकती हैं।

दलबदल विरोधी कानून में दो अपवाद भी शामिल किए गए हैं - एक राजनीतिक दल में ₹विभाजन₹ से संबंधित है, और दूसरा दो दलों के बीच ₹विलय₹ के मामले में। इस कानून के इर्द-गिर्द संसदीय बहस से पता चलता है कि इन अपवादों का इस्तेमाल विधायकों और उनकी पार्टियों के बीच वैचारिक मतभेदों के कारण दलबदल के सैद्धांतिक मामलों की रक्षा के लिए संयम से किया जाना था। हालांकि इरादे नेक थे, लेकिन इन अपवादों का इस्तेमाल किसी की सुविधा के लिए बहुत बार किया गया। वास्तव में, दलबदल को बढ़ावा देने और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों को गिराने के लिए इसके बार-बार इस्तेमाल के कारण, विभाजन अपवाद को 2003 में संविधान से हटा दिया गया था।

हालाँकि, विलय अपवाद जारी रहा है। दसवीं अनुसूची के पैराग्राफ 4 के अंतर्गत पाया गया, विलय अपवाद दो उप-पैराग्राफों में फैला हुआ है। इन दो उप-पैराग्राफों को मिलाकर पढ़ने पर यह अनिवार्य हो जाता है कि विधायक अयोग्यता से छूट का दावा कर सकता है यदि दो शर्तें एक साथ पूरी होती हैं - पहली, विधायक की मूल राजनीतिक पार्टी किसी अन्य राजनीतिक पार्टी में विलय कर लेती है, और दूसरी, विधायक ऐसे समूह का हिस्सा है जिसमें विलय के लिए सहमत ₹विधायक दल₹ के दो-तिहाई सदस्य शामिल हैं। विधायक दल का मतलब है एक विधान सभा के भीतर एक विशेष पार्टी से संबंधित सभी निर्वाचित सदस्यों से मिलकर बना समूह।विलय अपवाद पर सरसरी निगाह डालने से पता चलता है कि इसका मसौदा अनावश्यक रूप से जटिल है, जो स्पीकर और अदालतों दोनों द्वारा कई तरह की व्याख्याओं के लिए उपयुक्त है। जिस व्याख्या को कई उच्च न्यायालयों ने पसंद किया है, वह यह है कि जैसे ही किसी विशेष विधायक दल के दो-तिहाई सदस्य किसी अन्य विधायक दल के साथ विलय के लिए सहमत होते हैं, दो राजनीतिक दलों के बीच विलय ₹माना₹ जाता है। ऐसी व्याख्या के लिए राष्ट्रीय या क्षेत्रीय स्तर पर मूल राजनीतिक दलों के वास्तविक विलय की आवश्यकता नहीं होती है।यह प्रतीत होता है कि जटिल कानूनी शब्दावली विधानमंडल के भीतर और बाहर दोनों जगह राजनीतिक दलों की कार्रवाइयों पर स्पष्ट रूप से ठोस प्रभाव डालती है। यह देखते हुए कि पार्टियों को केवल सदन के अंदर अपने विधायी विंग के बीच विलय दिखाने की आवश्यकता है (और इसके बाहर के सदस्यों के नहीं), वैध विलय आराम से हो जाते हैं। इसका एक स्पष्ट उदाहरण है जब 2019 में, गोवा विधानसभा में 15 में से 10 कांग्रेस विधायक भाजपा में शामिल हो गए, और इसे भाजपा और कांग्रेस विधायक दलों के बीच एक वैध विलय माना गया। गोवा विधानसभा अध्यक्ष द्वारा 10 कांग्रेस विधायकों को अयोग्यता से छूट दी गई थी, जिसके निर्णय को अंततः बॉम्बे उच्च न्यायालय (गोवा पीठ) ने बरकरार रखा था। प्रभावी रूप से, केवल विधायक दलों के बीच कथित विलय को साबित करने की आवश्यकता ने व्यावहारिक रूप से समूह दलबदल को आसान बना दिया है।

स्वाभाविक रूप से, दलबदल विरोधी कानून के तहत दलबदलू विधायकों के अयोग्य घोषित न होने का मुख्य कारण विलय और विभाजन रहा है। विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी ('विधि') ने 1986-2004 के बीच लोकसभा के अध्यक्षों के समक्ष दायर 55 अयोग्यता याचिकाओं का सर्वेक्षण किया। इनमें से 49 याचिकाओं के परिणामस्वरूप कोई भी विधायक अयोग्य घोषित नहीं हुआ, भले ही उन्होंने सदन में विरोध प्रदर्शन किया हो।

इनमें से 77% (49 में से 38) में दलबदलू विधायकों को अयोग्य नहीं ठहराया गया क्योंकि वे अपनी मूल पार्टी में विभाजन या किसी अन्य के साथ विलय को वैध साबित कर सकते थे। उत्तर प्रदेश से भी इसी तरह के खुलासे हुए - 1990-2008 के बीच दायर 69 याचिकाओं में से केवल दो के परिणामस्वरूप अयोग्यता हुई। अयोग्यता न होने के 67 मामलों में, विलय और विभाजन 55 बार (लगभग 82%) कारण के रूप में सामने आए।

दलबदल विरोधी कानून को स्वतंत्र सांसदों/विधायकों सहित व्यक्तियों द्वारा दलबदल को दंडित करने में कुछ हद तक सफलता मिली है। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष 1989-2011 के बीच दायर 39 याचिकाओं के विधि के सर्वेक्षण से पता चला है कि अयोग्यता के 12 मामलों में से 9 मामले स्वतंत्र विधायकों की अयोग्यता से संबंधित थे। इसमें 2004 में 6 स्वतंत्र विधायकों को अयोग्य ठहराना भी शामिल है, जो राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल हो गए थे, जिसे स्पीकर सतबीर सिंह कादियान ने रद्द कर दिया था। मेघालय विधानसभा (1988-2009) से सर्वेक्षित 18 अयोग्यता याचिकाओं में से पांच निर्दलीय विधायकों से संबंधित थीं, जिन्हें स्पीकर ने एक राजनीतिक दल में शामिल होने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया था। 8-9 अप्रैल 2009 के बीच तीन ऐसे मामले हुए, जब निर्दलीय विधायक पॉल लिंगदोह, इस्माइल आर। मारक और लिमिसन डी।

पर्यावरण को लेकर दोहरी नीति पर भारत की खरी खरी

रामस्वरूप रावतसरे

अजरबैजान की राजधानी बाकू में हाल ही में एक समझौता हुआ है। यह समझौता संयुक्त राष्ट्र की जलवायु परिवर्तन वाली शाखा ने सीओपी-29 बैठक में करवाया है। इसके तहत विश्व के विकसित और अमीर देश राजी हुए हैं कि वह 300 बिलियन डॉलर 2035 से विकासशील या गरीब देशों को देना चालू करेंगे। यह पैसा जलवायु परिवर्तन से रोकने के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्य प्राप्त करने को दिया जाएगा। भारत ने इस समझौते पर नाराजगी जताई है। उसने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। जानकारी के अनुसार अज़रबैजान की राजधानी बाकू में सीओपी 29 की एक बैठक हुई है। सीओपी 29 की इस बैठक में समझौता हुआ है कि विकसित और अमीर देश मिल कर हर साल 300 बिलियन डॉलर (लगभग 25.29 लाख करोड़) देंगे। 300 बिलियन डॉलर का यह लक्ष्य 2035 तक प्राप्त किया जाएगा। अभी यह नहीं साफ़ है कि यह पैसा किस साल से देना चालू किया जाएगा। पहले यह अमीर और विकसित देश मात्र 100 बिलियन डॉलर देने पर ही राजी थे। हालाँकि, लम्बी बातचीत और बैठकों के बाद ये देश 300 बिलियन के आँकड़े तक पहुँचे। इस फैसले को यूरोपियन देशों ने क्रांतिकारी बताया है। उन्होंने कहा है कि इससे दुनिया में जलवायु परिवर्तन को रोकने में मदद मिलेगी और गरीब देशों की सहायता भी होगी।

वहीं दक्षिणी ध्रुव में स्थित देशों अफ्रीका, एशिया और दक्षिण अमेरिका ने इस समझौते को आधा-अधूरा बताया है। ये देश माँग कर रहे थे कि उन्हें 1.3 ट्रिलियन डॉलर यानी 100 लाख करोड़ से अधिक दिए जाएँ। हालाँकि, यह देश इस पर राजी नहीं हुए। यह पैसा इन देशों को या तो कर्ज या फिर किसी प्रोजेक्ट में लगाने के लिए सहायता के तौर पर दिया जाएगा। यह पैसा वे सभी विकसित देश दे रहे हैं जिनके 19वीं, 20वीं और 21वीं शताब्दी में जरूरत से कहीं ज्यादा कोयला, तेल और बाकी ईंधन उपयोग करने समेत विकास के नाम पर पेड़ काटने के कारण आज विश्व इस जलवायु की समस्या में फंसा हुआ है। पैसा देने को राजी हुए अधिकांश देश यूरोप से ताल्लुक रखते हैं। हालाँकि, यह पैसा तब ही दिया जाएगा जब विकासशील या गरीब देश अपना कार्बन उत्सर्जन घटाएंगे और निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करेंगे। विकसित देशों द्वारा दिए गए इन पैसों का इस्तेमाल अक्षय या स्वच्छ ऊर्जा के प्रोजेक्ट लगाने में किया जाएगा। विकसित देशों का यह भी कहना है कि उन्होंने पहले 100 बिलियन डॉलर का वादा किया था जो कि 2022 में पूरा कर लिया गया था। भारत समेत बाकी विकासशील देश इस दावे को नहीं मानते हैं। उनकी नए समझौते पर भी सहमति नहीं बताई जा रही है।

बाकू में मौजूद भारतीय प्रतिनिधि चाँदनी रैना ने इस समझौते के दौरान इसका जम कर विरोध किया। चाँदनी रैना ने इस समझौते को लेकर कहा, "भारत इस समझौते को वर्तमान स्वरूप को स्वीकार नहीं करता है। जितना पैसा जुटाने की बात की गई है, वह काफी कम है और एक मामूली धनराशि है। यह ऐसा समझौता नहीं है जिससे हमारा देश अपने अस्तित्व के लिए आवश्यक जलवायु एक्शन लिया जा सके।" भारत ने यह समझौता करने के तरीके पर भी सवाल खड़े किए। भारत ने कहा कि सब कुछ पहले ही मैनेज किया जा चुका था और बाकू में ना किसी की सहमति ली गई और ना ही उनकी समस्याएँ सुनी गईं। इसे बजाय जल्दबाजी में समझौता कर दिया गया। भारत को समझौता होने से पहले बयान की अनुमति ना मिलने पर भी रोष जताया। भारत ने कहा कि हमने सभी जिम्मेदार संस्थाओं को इस मामले में सूचित कर दिया था लेकिन हमारी बात नहीं मानी गई। भारत का समर्थन नाइजीरिया समेत बाकी देशों ने भी किया। नाइजीरिया ने इस समझौते में स्वीकार की गई 300 बिलियन डॉलर की धनराशि को एक मजाक करार दिया है। कई छोटे देशों ने भी भारत का समर्थन करते हुए इस पूरे समझौते पर प्रश्न खड़े किए हैं। जलवायु परिवर्तन को लेकर मचे हो-हल्ले के बीच यह बात ध्यान देना जरूरी है कि इनमें सबसे अधिक नुकसान विकासशील देशों का ही है। विकासशील देशों ने ही इस समस्या को जन्म दिया है। अपने देशों को औद्योगिक ताकत बनाने के लिए अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी समेत तमाम देशों ने दुनिया भर में जंगल काटे, खूब तेल और गैस जलाई। उन्होंने कोयले का भी भरपूर तरीके से इस्तेमाल किया। इसके जरिए उन्होंने अपने नागरिकों का जीवन स्तर बढ़ाया और अब जब उनकी समस्याएँ हल हो चुकी हैं, तब वह दूसरे देशों को ऐसा नहीं करने देना चाहते हैं। उनको भारत एवं उसके जैसे बाकी विकासशील देशों के कोयले अथवा जीवाश्म ईंधन का उपयोग करने पर समस्या बताई जा रही है।

पश्चिमी देश भारत, चीन, नाइजीरिया और ब्राजील जैसे देशों पर दबाव बना रहे हैं कि वह अब कोयला और ऐसे ही बाकी ईंधनों का इस्तेमाल ना करें। उनका भारत पर दबाव है कि वह अभी से ही महँगी ऊर्जा की तरफ जाएँ। भारत की अर्थव्यवस्था अभी ऐसी स्थिति में नहीं है कि वह पूरी तरह हरित ऊर्जा में बदल सके। हालांकि भारत तेजी से हरित ऊर्जा की तरफ बढ़ रहा है लेकिन इसमें समय लगने वाला है। पश्चिमी देश यह पैसा देकर विकासशील देशों से उनका ऊर्जा का अधिकार तो छीन ही रहे हैं, वह अपनी जिम्मेदारी से भी भाग रहे हैं।

बढ़ती महंगाई घटता वजन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

महगाई का असर किस तरह से हमारी जेब पर भारी पड़ रहा है इसका अंदाज इसी से लग जाता है कि बड़े और जाने माने उपभोक्ता सामग्री निर्माताओं ने अपने उत्पाद की दर बढ़ाने की वजाय उसकी मात्रा या यों कहे कि वजन कम करने को बेहतर विकल्प चुना है। अब किसी मॉल या बाजार में जाते हैं तो इतनी महंगाई बढ़ने के बाद भी पांच रुपए का बिस्कुट का पैकेट पांच में ही मिल रहा है तो कुरकुरे, टेडे-मेड़े, नमकीन, मोगर, चिप्स या इसी तरह के अन्य उत्पाद पांच या दस रुपए के पैक में ही मिल रहे हैं और आम उपभोक्ता उसी दर पर उपलब्ध समझ कर मजे से खरीद रहा है। दरअसल निर्माताओं ने अपने लोकप्रिय और फिक्स दर वाले उत्पादों के दाम बढ़ाने के स्थान पर इस तरह की गणित फिट की है कि दाम वही रहने दो और उपलब्ध माल का वजन या मात्रा कम करदों। इसका सबसे बड़ा फायदा तो यह है कि उनके तयसुदा ग्राहकी में दूसरा ब्रॉण्ड सेंध नही लगा पायेगा तो आम उपभोक्ता पैकिंग में कितनी मात्रा है इस और ध्यान ही नहीं देता। यही कारण है कि आम उपभोक्ता को आसानी से भ्रमित रख कर ठगा जा रहा है। निर्माता का कहना है कि उसने आम उपभोक्ता के साथ किसी तरह की ठगी नहीं की क्योंकि पैकिंग में जितनी मात्रा दर्शाई गई है उतनी उपलब्ध हैं वहीं आम उपभोक्ता को पता ही नहीं चल पाता कि निर्माताओं द्वारा खेल क्या किया जा रहा है?

दरअसल यदि हम किसी भी मॉल या किराना की दुकान पर कुछ खरीदने जाएंगे तो उपभोक्ता सामग्री के वजन को लेकर सबसे ज्यादा भ्रमित होते हैं। किसी भी खाद्य तेल के पाउच की बात की जाए तो बाजार में एक लीटर के नाम पर किसी कंपनी का उत्पाद 910 मिली का होता है तो किसी का 840 या किसी का 860 मिली के पैक में उत्पाद उपलब्ध होता है। अब वहां लगे रेट को देखने से पता लगता है कि अमुक कंपनी का खाद्य तेल का पाउच इतने रुपए का है तो दूसरी का इतने रुपए का। आम उपभोक्ता की यह समझ से परे की बात होती है कि रेट कम वाले पाउच का वजन कितना है या अधिक रेट वाले पाउच में कितना वजन है। दरअसल एक लीटर के पाउच के बावजूद रेट और लीटर के नाम पर मिली लीटर के कम ज्यादा भावों के नाम पर आमनागरिक को भ्रमित किया जाता है। इसी तरह से पिछले दिनों भावों में बढ़ोतरी के बाद नामी गिरामी कंपनियों के बिस्कुट के तय रेट वाले पैकिट की मांत्रा के अंतर को समझा जा सकता है। कुछ इसी तरह की बात नमकीन, कुरकुरे, चिप्स आदि के पाउच में देखा जा सकता है। यह केवल खाद्य सामग्री तक ही सीमित नहीं है अपितु कॉस्मेटिक व अन्य उत्पादों पर आसानी से समझा जा सकता है। दैनिक उपभोग के शैंपू पाउच या पैकिंग में आसानी से मात्रा कम होना आम हो गया है। लगता है कि रेट वहीं हैं पर मात्रा के नाम पर भ्रमित किये जाने का खेल खुलेआम चल रहा है।

यह तो किसी तरह से नहीं स्वीकारा जा सकता कि सरकार या संबंधित मंत्रालय को इस बारे में जानकारी ना हो। किसी भी सामग्री के दाम घटने बढ़ने पर सरकार भी नजर रखती है। सबसे मजे की बात खाद्य तेल के पाउच को लेकर समझा जा सकता है। अभी तक यह तय नहीं हो पाया है कि एक लीटर पाउच में कितनी सामग्री होनी चाहिए। एक लीटर के नाम पर निर्माता कंपनियों द्वारा 840 से लेकर 910 मिली लीटर में अलग अलग भावों में बेचे जा रहे हैं। अब आमनागरिक की रेट कम देखकर भ्रमित होने की संभावना अधिक रहती है। वह यह समझ कर ही चलता है कि उपलब्ध सभी पाउच एक लीटर के होंगे और दरों में कमी हैं, ऐसे में वह खरीदारी करते समय यह नहीं समझ पाता कि वह सस्ते के नाम पर पाउच में उपलब्ध सामग्री की कम मात्रा के रुप में छला गया है। सरकार के किसी भी स्तर पर यह बात छुपी हुई नहीं है ऐसे में एक लीटर के खाद्य सामग्री के पाउच की मात्रा सरकार द्वारा ही 1000 मिली तय कर दी जानी चाहिए। सरकार के स्पष्ट निर्देश होने चाहिए कि एक लीटर पाउच के नाम पर बेची जाने वाली सामग्री में सामग्री की मात्रा 1000 मिली ही हो। यदि ऐसा हो तो समस्या का काफी हद तक समाधान हो सकता है। आम आदमी को आसानी से ठगी से बचाया जा सकता है। दरअसल इस संदर्भ में इग्नोर करने का एक कारण यह भी हो सकता है कि आम नागरिकों में बढ़ती महंगाई के बावजूद यह भ्रम बन रहे कि बिस्कुट पहले भी पांच रुपए का आ रहा था और आज भी पांच रुपये का आ रहा है। इसी तरह से अन्य उत्पादों की बात की जा सकती है।

एक और निर्माताओं अपने ग्राहकों को बांधें रखने में सफल हो जाते हैं वहीं दूसरी और सरकार का हो सकता है कि एक सोच यह भी हो कि इससे महंगाई का शोरगुल अधिक नहीं होगा।

मजे की बात यह है कि बाजार के यह हालात आज की बात नहीं है।

डग-डग डायबिटीज का खतरा !

सुनील महला

आज हमारी जीवनशैली में आमूल-चूल परिवर्तन आ गये हैं और ये परिवर्तन कहीं न कहीं अनेक लाइफ़ स्टाइल डिज़ीज़ यथा- उच्च रक्तचाप(हाई बीपी), हृदय रोग, मोटापा, मधुमेह(डाइबिटीज), पुरानी फेफड़ों की बीमारियाँ, कैंसर, अल्जाइमर रोग और अन्य बीमारियों को जन्म दे रहें हैं। वैसे तो ये सभी डिज़ीज़ अपने आप में बहुत ही चिंताजनक हैं लेकिन खान-पान, मोटापे, गरीब तबके की अज्ञानता, मधुमेह के प्रति जागरूकता का अभाव देश में डायबिटीज़ के पेशेंट्स बढ़ा रहा है। भारत में आज डग-डग पर डायबिटीज के पेशेंट्स हैं।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार वैश्विक स्तर पर 828 मिलियन में से भारत में अनुमानित 212 मिलियन लोग मधुमेह से पीड़ित हैं। दुनिया में मधुमेह से पीड़ित हर चार में से एक व्यक्ति (26%) भारत से है, जिससे यह दुनिया में सबसे अधिक प्रभावित देश बन गया है।पिछले साल यानी कि वर्ष 2023 में आई द लैंसेट की एक स्टडी के मुताबिक, भारत में 10.1 करोड़ लोग डायबिटीज के मरीज हैं। स्टडी में कहा गया है कि पिछले चार सालों में ही डायबिटीज के मामलों में 44% की बढ़ोतरी हुई है।इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च-इंडिया डायबिटीज की इस स्टडी में यह कहा गया था कि वर्ष 2019 में भारत में डायबिटीज के सात करोड़ मरीज थे। इसके अनुसार भारत की 15.3% आबादी (कम से कम 13.6 करोड़ लोग) प्री-डायबिटीज हैं। गौरतलब है कि डायबिटीज ऐसा रोग है जिससे शरीर में ब्लड शुगर की मात्रा बढ़ जाती है और शरीर पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन हार्मोन का निर्माण नहीं कर पाता है जिससे व्यक्ति में बार-बार पेशाब आने,नींद पूरी होने के बाद भी थकान के महसूस होने, बार-बार भूख लगने, वजन कम होने, आंखों की रोशनी कम होने, धुंधला दिखाई देने तथा घाव के जल्दी न भरने जैसी समस्याएं पैदा होने लगतीं हैं। डायबिटिक फुट(मधुमेह के अनियंत्रित होने पर पैरों में होने वाले घाव) भी जन्म लेता है और मरीज धीरे धीरे रिस्क जोन में चला जाता है।इस संदर्भ में हाल ही में राजस्थान के बीकानेर में सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के डायबिटिक एंड रिसर्च सेंटर में डायबिटिक फुट पर वर्ष 2021 से जुलाई 2022 तक 900 मरीजों पर किए गए एक शोध में यह सामने आया है कि 180 के पैरों में घाव था। शोध में 20 से 79 वर्ष के 70 प्रतिशत पुरूषों में डायबिटिक फुट पाया गया। सच तो यह है कि आज अनियंत्रित शुगर लेवल शरीर के शरीर खोखले तो बना ही रही है, मधुमेह(डाइबिटीज)अनेक खतरनाक जख्म भी दे रहा है। डायबिटीज़ लाइफस्टाइल से जुड़ी हुई बीमारी है। हमारी अनहेल्दी लाइफस्टाइल, मोटापा तनाव और अवसाद के कारण ही यह बीमारी बढ़ती है। लाइफस्टाइल, संतुलित व हेल्दी डाइट और नियमित एक्सरसाइज से हम डायबिटीज के साथ ही साथ कई अन्य खतरनाक बीमारियों के खतरे को भी कम कर सकते हैं। हालांकि, बहुत बार डायबिटीज आनुवांशिक कारणों से भी होता है, इसलिए कई बार इसे रोकना मुश्किल व अत्यंत कठिन हो सकता है लेकिन इस संबंध में विभिन्न एहतियात व सावधानियां बरतकर हम इसके खतरे को कम कर सकते हैं। रोजाना आधे घंटे टहलकर भी डायबिटीज के खतरे को कम किया जा सकता है। डायबिटीज को प्रभावी ढंग से कंट्रोल करने के लिए नियमित रूप से अपने ब्लड शुगर लेवल की जांच करना जरूरी है। डायबिटीज़ से बचने के लिए रोजाना फिजीकल एक्टिविटी, पर्याप्त नींद और शरीर को हाइड्रेट रखना बहुत ही जरूरी है।

अर्जुन किसके उपासक

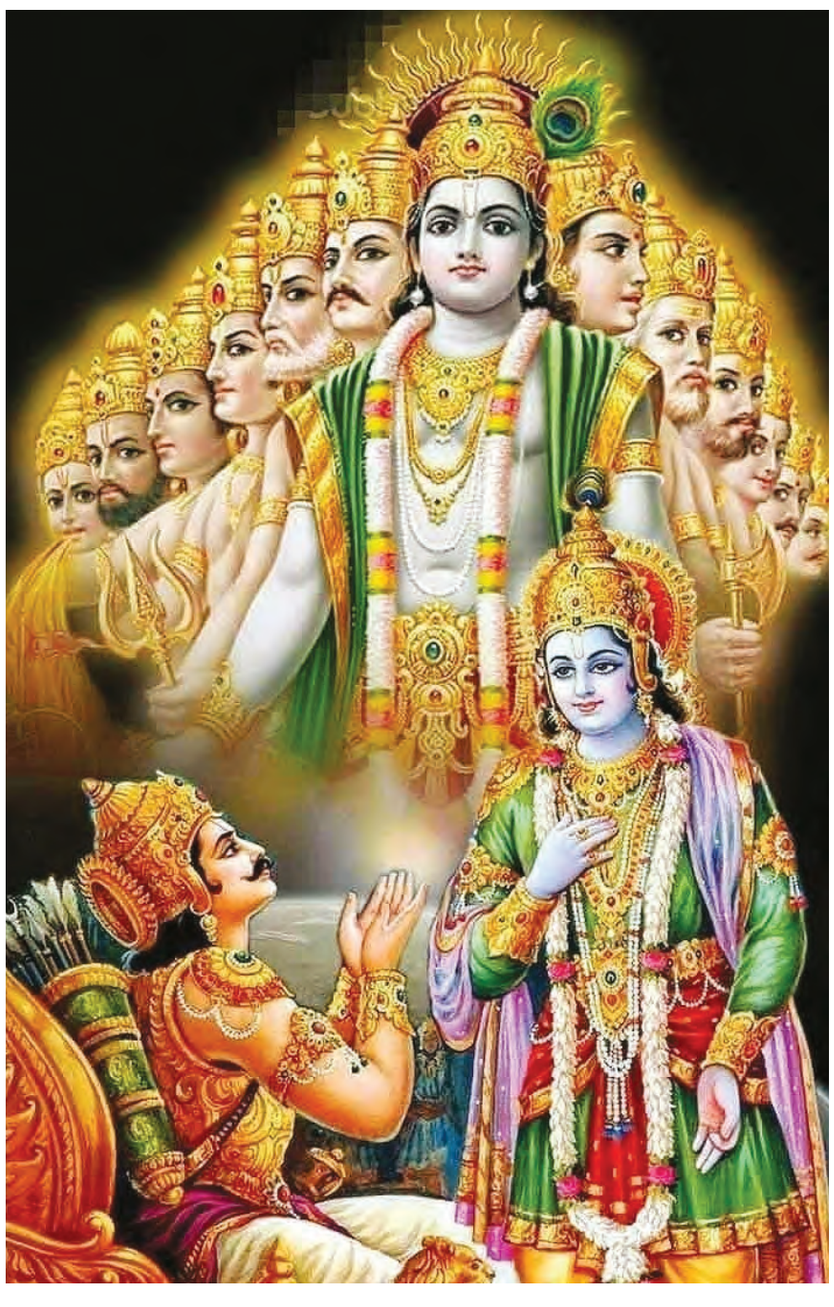

अर्जुन को इंद्र, वर्षा और वज्र के देवता का पुत्र भी माना जाता था। उन्होंने उनसे वरदान और हथियार प्राप्त किए थे। इंद्र ने पांडवों को उनके वनवास के दौरान सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अर्जुन ताजिंदगी इंद्र और भगवान शिव के उपासक बने रहे। महाभारत और अन्य संदर्भों में ये उल्लेख है कि भगवान शिव का वरदान हमेशा अर्जुन के साथ रहा।

नकुल और सहदेव के देव कौन

नकुल और सहदेव मुख्य रूप से अश्विनी कुमारों की पूजा करते थे। अश्विनी कुमार दैवीय चिकित्सक माने जाते हैं। उन्हीं के फलस्वरूप नकुल और सहदेव का जन्म हुआ। इन दोनों भाइयों की विशेषता यह थी कि वे आयुर्वेद और अश्व चिकित्सा में निपुण थे। नकुल और सहदेव की पूजा का मुख्य देवता अश्विनी कुमार हैं, जो स्वास्थ्य और चिकित्सा के प्रतीक हैं।

सभी पांडव कृष्ण की भक्ति भी करते थे

पांडवों ने ना केवल युद्ध में आशीर्वाद के लिए बल्कि अपने आध्यात्मिक और नैतिक मार्ग को बनाए रखने के लिए भी इन देवी-देवताओं की पूजा की। कृष्ण को भगवान विष्णु का अवतार माना जाता था। पांडव उनके सखा भी थे और भक्त भी। जब संकट का समय आता था, तब वह उनका साथ देते थे।

भगवान विष्णु हिंदू धर्म के तीन प्रमुख देवताओं में से एक हैं। उन्हें ब्रह्मांड का संरक्षक माना जाता है।

महाभारत में भगवान विष्णु कई रूपों में प्रकट होते हैं, जिनमें भगवान कृष्ण और सूअर के सिर वाले अवतार वराह शामिल हैं। तो महाभारत में भगवान ब्रह्मा को दुनिया के निर्माता के रूप में उल्लेख किया गया है।

गणेश महाभारत में कहां हैं

भगवान गणेश भी महाभारत में मौजूद हैं। उन्हें महर्षि वेदव्यास ने महाभारत महाकाव्य कहानी लिखने में मदद के लिए बुलाया था।

कर्ण रोज किसकी पूजा करते थे

कर्ण रोज सुबह नहाने के बाद सूर्य देवता की पूजा करते थे। उन्हें अर्ध्य देते थे। उस समय उनसे जो कोई भी कुछ मांगता था, वो कभी मना नहीं करते थे। वह भगवान सूर्य के पुत्र कहे जाते थे। उन्हें एक सारथी द्वारा पाला गया। बाद में उन्हें अपने शाही वंश का पता चला। भगवान सूर्य ने कर्ण को एक दुर्जेय धनुष और बाण का आशीर्वाद दिया, जिसे उसने कुरुक्षेत्र के युद्ध के दौरान बड़ी कुशलता से चलाया।

भगवान वरुण का भक्त कौन

अश्वत्थामा भगवान वरुण की पूजा करते थे। उन्हें महाभारत में अश्वत्थामा के पिता के रूप में दिखाया गया है। अपनी असाधारण गति, धनुष और बाण की विशेषज्ञता के लिए जाने जाने वाले अश्वत्थामा ने असाधारण रथ चलाने का कौशल भी दिखाया, जिससे वह युद्ध में कई पांडवों को हराने में सक्षम हुए।

कौरव करते थे किसकी पूजा

कौरव पांडवों की ही तरह क्षत्रिय वंश के थे। अपने समय की धार्मिक परंपराओं और रीति-रिवाजों का पालन करते थे। वह कई देवी-देवताओं की पूजा करते थे। कौरव युद्ध में विजय के लिए विशेष रूप से शिव, दुर्गा, और इंद्र जैसे देवताओं की आराधना करते थे।

दुर्योधन और उसके भाई शक्ति और पराक्रम प्राप्त करने के लिए देवी-देवताओं का आह्वान करते थे। दुर्योधन और कौरव देवी-देवताओं की पूजा अपने व्यक्तिगत लाभ, जैसे शक्ति और हथियार प्राप्त करने के लिए करते थे।

कौरवों के लिए शिव, दुर्गा, सूर्य, इंद्र मुख्य रूप से वो देवता थे, जिनकी वो पूजा उपासना करते थे। युद्ध और शक्ति के लिए शिव की आराधना करते थे तो विजय और सुरक्षा के लिए दुर्गा की। राजा होने के कारण दुर्योधन ने इंद्र की कृपा पाने की कोशिश की।

अगहन अमावस्या और शनिवार का योग 30 नवंबर को

पितरों के लिए धूप-ध्यान के साथ ही शनिदेव के लिए भी करें तेल और काले तिल का दान

इस साल अगहन अमावस्या दो दिन शनिवार (30 नवंबर) और रविवार (1 दिसंबर) को रहेगी। शनिवार और अमावस्या के योग में पितरों के लिए धूप-ध्यान करने के साथ ही शनि देव के लिए विशेष पूजा और दान-पुण्य करना चाहिए।

इस बार अगहन मास की अमावस्या की तारीख को लेकर पंचांग भेद हैं, क्योंकि ये तिथि 30 नवंबर और 1 दिसंबर यानी दो दिन रहेगी। अमावस्या की शुरुआत 30 नवंबर की सुबह करीब 9.30 बजे होगी, ये तिथि 1 दिसंबर की सुबह करीब 11 बजे तक रहेगी।

शनिवार के आने वाली अमावस्या का महत्व काफी अधिक रहता है, इस दिन पितरों के लिए धूप-ध्यान करने के साथ ही शनि देव के लिए भी विशेष धर्म-कर्म किए जाते हैं तो कुंडली के शनि दोषों का असर कम हो सकता है। जानिए इस दिन कौन-कौन से धर्म-कर्म किए जा सकते हैं...

शनिदेव का सरसों के तेल से अभिषेक करने की परंपरा है। इसलिए शनिवार को सरसों के तेल से शनि प्रतिमा का अभिषेक करें। तेल में काले तिल भी डाल लेंगे तो बहुत शुभ रहेगा। तेल चढ़ाने के बाद शनि भगवान को काले-नीले वस्त्र और नीले फूल चढ़ाना चाहिए। ॐ शं शनैश्चराय नमः मंत्र का जप करना चाहिए।

शनिवार और अमावस्या के योग में जरूरतमंद लोगों को सरसों का तेल, काले तिल, कपड़े, कंबल, जूते-चप्पल का दान करें। अभी ठंड का समय है तो ऊनी वस्त्रों का दान करना ज्यादा अच्छा रहता है।

मान्यता है कि हनुमान जी की पूजा से शनिदेव प्रसन्न होते हैं। इसलिए शनिवार को हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

रविवार और अमावस्या के योग में कर सकते हैं ये शुभ काम

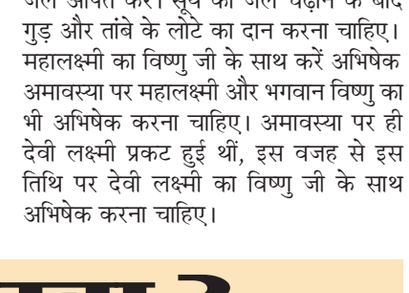

रविवार को भी अमावस्या तिथि है, इसलिए इस दिन सुबह-सुबह सूर्य को जल चढ़ाएं। सूर्य को जल चढ़ाने के लिए तांबे के लोटे का इस्तेमाल करना चाहिए। लोटे में जल भरें और जल में चावल, कुमकुम, फूल डालें। इसके बाद सूर्य मंत्र ऊँ सूर्याय नमः का जप करते हुए सूर्य को जल अर्पित करें। सूर्य को जल चढ़ाने के बाद गुड़ और तांबे के लोटे का दान करना चाहिए।

महालक्ष्मी का विष्णु जी के साथ करें अभिषेक

अमावस्या पर महालक्ष्मी और भगवान विष्णु का भी अभिषेक करना चाहिए। अमावस्या पर ही देवी लक्ष्मी प्रकट हुई थीं, इस वजह से इस तिथि पर देवी लक्ष्मी का विष्णु जी के साथ अभिषेक करना चाहिए।

क्या आपकी हथेली में है पैसे वाली ये रेखा ?

हस्तरेखा शास्त्र में हथेली की रेखाओं को देखकर जीवन के विभिन्न पक्षों के बारे में पता चलता है। आपके पारिवारिक जीवन, स्वास्थ्य, करियर और आर्थिक स्थिति का पता भी हथेली की रेखाओं को देखकर चल जाता है। ऐसे में आज हम आपको हथेली की उस रेखा के बारे में जानकारी देंगे, जो आपकी आर्थिक स्थिति का राज खोलती है। इस रेखा को देखना बेहद आसान है, और हथेली में इस एक लाइन को देखने के बाद आप किसी की भी आर्थिक स्थिति का पता लगा सकते हैं। आइए विस्तार से जान लेते हैं कि, ये रेखा कौन सी है और क्या कुछ ये पैसों की स्थिति के बारे में बताती है।

इस रेखा से पता चलती है धन की स्थिति

हथेली में जैसे आयु, शिक्षा, हृदय रेखा होती है। उसी तरह धन की रेखा भी आपके हाथ में मौजूद रहती है। यह रेखा आपके आर्थिक पक्ष के लिए जिम्मेदार मानी जाती है। आइए सबसे पहले जान लेते हैं कि, धन की यह रेखा बनती कहां है।

हथेली में यहां होती है धन की रेखा

हथेली में धन रेखा छोटी उंगली और रिंग फिंग के नीचे बनती है। लगभग इन दोनों उंगलियों के बीच में भी यह रेखा नजर आ सकती है। धन रेखा एक भी हो सकती है और एक से अधिक धन रेखाएं भी कई लोगों की हथेली पर नजर आ सकती हैं। यह रेखा बुध पर्वत यानि सबसे छोटी उंगली के निचले भाग में रहे तो अच्छा माना जाता है। सरल भाषा में समझें- छोटी उंगली के नीचे वाले भाग में अगर आपको एक या एक से अधिक रेखाएं सीधी खड़ी दिख जाएं तो इनको ही धन रेखा कहा जाता है। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिनकी हथेली पर यह रेखा नहीं होती। आइए अब जान लेते हैं कि, धन की रेखा से आर्थिक स्थिति का पता कैसे चलता है।

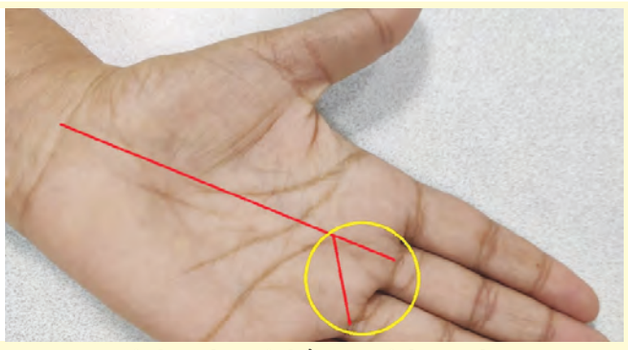

ऐसी धन रेखा होती है धनवानों के हाथ में

अगर किसी व्यक्ति के हाथ में धन रेखा सीधी और स्पष्ट हो तो उसको जीवन में खूब धन की प्राप्ति होती है। ऐसे लोगों को धन को लेकर ज्यादा परेशानियां नहीं झेलनी पड़ती। ऐसे लोग पैतृक संपत्ति से भी लाभ कमाते हैं और खुद भी खूब धन अर्जित करते हैं। इसके साथ ही अगर हथेली में मस्तिष्ट, जीवन और भाग्य रेखा का कुछ ऐसा सम्मिलन हो कि अंग्रेजी का एम अक्षर बन जाए तो ऐसे लोगों को भी खूब आर्थिक लाभ जीवन में प्राप्त होता है।

धन रेखा हो ऐसी तो करना होगा संघर्ष

अगर किसी व्यक्ति के हाथ की धन रेखा टेढ़ी-मेढ़ी और घुमावदार हो, तो ऐसे व्यक्ति को धन से जुड़े मामलों में संघर्ष करने पड़ सकते हैं। इनके पास धन तो आता रहेगा लेकिन बचत करने में ये अक्सर असफल हो सकते हैं। हालांकि, ऐसा समय कभी नहीं आता जब इनके पास धन न हो। अक्सर पैसे का मैनेजमेंट करने में भी इनको दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे लोगों को धन अर्जित करने के लिए जीवनसाथी या माता-पिता का सहयोग लेना चाहिए।

ऐसे लोगों के जीवन में होती है धन की कमी

अगर धन रेखा को अन्य रेखाएं काट रही हों और ये हथेली में सीधी भी न हो, तो ऐसे लोगों को धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। न चाहते हुए भी ऐसे लोग उधार ले सकते हैं, और उधार चुकाने में भी दिक्कतों का सामना ये कर सकते हैं। ऐसे लोगों को धन की समस्याओं को दूर करने के लिए समझदार लोगों से सलाह मशवरा अवश्य करना चाहिए।

अगर न हो धन रेखा

कई लोग ऐसे भी होते हैं जिनकी हथेली पर धन की रेखा होती ही नहीं है। हालांकि, इसका ये मतलब नहीं है कि ऐसे लोगों के पास धन नहीं होगा। धन इनके पास हो सकता है लेकिन इसके लिए दूसरों की मदद इनको लेनी पड़ सकती है। इसके साथ ही हथेली की अन्य रेखाओं को देखकर बताया जा सकता है, कि ऐसे लोगों के जीवन में पैसों की स्थिति कैसी रहेगी।

घर में होने वाले लड़ाई झगड़ों से हैं परेशान? आज ही आजमा लें वास्तु के ये उपाय

घर के ईशान कोण को रखें साफ

ईशान कोण घर की उत्तर-पूर्व के बीच की दिशा को कहा जाता है। आप आसानी से कंपास की सहायता से इस दिशा का पता लगा सकते हैं। यह दिशा देवी-देवताओं की मानी जाती है। इसलिए ईशान कोण से जुड़ी सावधानियां आपको बरतनी चाहिए। इस दिशा में कभी भी टॉयलेट, जूते-चप्पल रखने की जगह, कूड़ेदान रखने की जगह नहीं बनानी चाहिए। इस दिशा को आप जितना साफ सुथरा रखेंगे उतना ही आपके लिए अच्छा रहेगा। इस दिशा में आप घर का मंदिर बना सकते हैं। वहीं जो लोग ईशान कोण को साफ-सुथरा नहीं रखते वहां गंदगी फैलाते हैं, उनके घर में लड़ाई झगड़े हो सकते हैं।

सेंधा नमक का उपाय

अगर घर के लोगों के बीच बनती नहीं है, लड़ाई-झगड़े रुकने का नाम नहीं लेते तो आपको सेंधा नमक का एक आसान उपाय आजमाना चाहिए। आपको करने बस इतना है कि, अपने घर या कमरे के चारों कोनों में एक-एक टुकड़ा सेंधा नमक का रख देना है। इन नमक के टूकड़ों को हर एक माह के बाद बदलते रहें। वास्तु के अनुसार, सेंधा नमक नकारात्मक ऊर्जा को घर से दूर करता है। ऐसा करने से घर के लोगों में सकारात्मकता का संचार होता है, और घर के लोगों के बीच संतुलन बनने लगता है। अगर संभव हो तो हफ्ते में एक दिन पूरे घर में सेंधा नमक का पोछा भी लगाएं।

घर में रखें बुद्ध भगवान की मूर्ति

बुद्ध भगवान की मूर्ति को घर में रखना बेहद शुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, अगर आप घर में बुद्ध की मूर्ति को रख देते हैं तो शांति और समृद्धि की आपको प्राप्ति होती है। साथ ही घर के लोगों के बीच भी सामंजस्य बनने लग जाता है। आप बालकनी या फिर ईशान कोण में बुद्ध भगवान की मूर्ति को रख सकते हैं।

बरतें मेन गेट से जुड़ी ये सावधानी

घर का मुख्य द्वार आपके पारिवारिक जीवन पर गहरा प्रभाव डालता है। इसलिए आपको कभी भी घर के मुख्यद्वार को गंदा नहीं रखना चाहिए। घर के मुख्यद्वार की प्रतिदिन सफाई और करनी चाहिए। इसके साथ ही फूल और बंदनवार भी समय-समय पर मुख्य द्वार पर लगाने चाहिए। आपके घर का मुख्य द्वार जितना साफ-सुथरा होगा, वास्तु के अनुसार, उतना ही आपका पारिवारिक जीवन भी खुशहाल रहेगा।

मित्र शनि की राशि में शुक्र करेंगे गोचर, 2 दिसंबर के बाद होगा इन 4 राशियों का भाग्योदय

शुक्र ग्रह को ज्योतिष में भौतिक सुखों का कारक ग्रह माना जाता है। जब शुक्र ग्रह एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं तो सभी राशियों पर इसका कुछ-न-कुछ प्रभाव देखने को मिलता है।

यही शुक्र ग्रह दिसंबर के पहले सप्ताह में 2 तारीख को अपने मित्र शनि की राशि मकर में गोचर करने जा रहे हैं। शुक्र के इस गोचर से यूं तो सभी राशियों पर प्रभाव देखने को मिलेगा, लेकिन कुछ राशियों के लिए यह गोचर बेहद शुभ परिणाम देने वाला साबित हो सकता है। किन राशियों के जीवन में शुक्र के मकर राशि में प्रवेश करने के बाद सुखद बदलाव देखने को मिल सकते हैं, आइए जानते हैं।

मेष राशि

शुक्र आपकी राशि से दशम भाव में गोचर करेंगे। यह भाव आपके करियर को प्रभावित करता है। शुभ ग्रह शुक्र का इस राशि में होना आपके जीवन में कई अच्छे बदलाव लेकर आ सकता है। करियर के क्षेत्र में आपको आशातीत उन्नति देखने को मिलेगी। अगर नई संस्था में जॉब पाना चाहते हैं तो इस दौरान आपको सफलता मिलने के योग है। इस राशि के उन लोगों के लिए समय बेहद खास रहेगा जो कला और रचनात्मकता के क्षेत्रों में कार्यरत हैं। धन की स्थिति में भी सुधार देखने को मिल सकता है।

कर्क राशि

मकर राशि में गोचर के दौरान शुक्र आपके विवाह भाव में विराजमान होंगे। शुक्र की यह स्थिति आपके वैवाहिक जीवन में प्रेम और रोमांस को बढ़ाएगी। जिन लोगों की अभी तक शादी नहीं हुई है और वो विवाह योग्य हैं तो अच्छा रिश्ता मिल सकता है। वहीं आपके जीवनसाथी को उनके करियर क्षेत्र में धन लाभ मिलने के योग हैं। साझेदारी का कारोबार करने वालों के लिए समय खासा अच्छा रहेगा, योजनाएं फलीभूत होंगी जिससे आप लाभ की स्थिति में आएंगे।

तुला राशि

शुक्र तुला राशि के स्वामी ग्रह हैं और इनके चतुर्थ भाव में शुक्र का गोचर होगा। यह भाव सुख का कारक माना जाता है। शुक्र की यह स्थिति आपको पारिवारिक जीवन में सुखद अनुभव करवाएगी। जो लोग नया घर या वाहन खरीदना चाहते थे उनका सपना पूरा हो सकता है। माता-पिता के साथ भी संबंधों में सुधार आएगा। घर के किसी सदस्य की नौकरी इस दौरान लग सकती है। संचित धन में भी वृद्धि होने के योग हैं।

धनु राशि

शुक्र आपकी राशि से द्वितीय भाव में गोचर करेंगे। यह भाव धन और कुटुंब का कारक माना जाता है। शुक्र का यह गोचर धन लाभ दिलाएगा। निवेश से इस राशि के जातकों को लाभ मिलने की उम्मीद है। पैतृक संपत्ति में इजाफा होगा। वहीं कुछ लोगों को करियर के क्षेत्र में भी अनुकूल परिणाम देखने को मिल सकते हैं, आपकी पदोन्नति हो सकती है या धन में वृद्धि देखने को मिल सकती है। वैवाहिक जीवन की गाड़ी भी पटरी पर आएगी। आपकी कई दबी ख्वाहिशों के पूरा होने की भी उम्मीद है।

घर की दक्षिण दिशा में रख लें ये 3 चीजें, हमेशा बढ़ता रहेगा बैंक बैलेंस

वास्तु शास्त्र की मानें तो हर दिशा आपके जीवन पर कुछ न कुछ प्रभाव अवश्य डालती है। दिशाओं से जुड़ी सावधानियों को अपनाकर आप जीवन में कई शुभ फलों की प्राप्ति भी कर सकते हैं। ऐसे ही अगर आप घर की दक्षिण दिशा में कुछ चीजों को रख देते हैं तो आपको पैसों की तंगी से छुटकारा मिल सकता है। इन चीजों को दक्षिण दिशा में रखने से आपका बैंक बैलेंस बढ़ता रहता है और कर्ज से भी आपको मुक्ति मिलती है। आज हम आपको दक्षिण दिशा से संबंधित कुछ ऐसी जानकारियां देंगे जो आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकती हैं। इन जानकारियों का इस्तेमाल आप अपने घर में करके शुभ फल प्राप्त कर सकते हैं। आइए विस्तार से जानते हैं इनके बारे में।

दक्षिण दिशा में लगाएं ये पौधे

वास्तु शास्त्र की मानें तो दक्षिण दिशा में कुछ पौधे लगाना आपके लिए बेहद लाभदायक सिद्ध हो सकता है। इस दिशा में आप नीम, नारियल, चमेली, एलोवेरा और मनी प्लांट लगा सकते हैं। इन पौधों को दक्षिण दिशा में लगाने से आपको धन लाभ होता है। इसके साथ ही घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह भी इन पौधों को दक्षिण दिशा में लगाने के बाद होने लगता है। पारिवारिक जीवन में ऐसा करने से सुख-समृद्धि आती है और घर के लोगों के बीच भी संतुलन बना रहता है। इसलिए आप भी घर के दक्षिण छोर में इन पौधों को लगाकर लाभ पा सकते हैं।

इस दिशा में रखें झाड़ू

दक्षिण दिशा में झाड़ू रखने से भी आपको शुभ फलों की प्राप्ति होती है। वास्तु के अनुसार, इस दिशा में झाड़ू रखने से माता लक्ष्मी की कृपा आप पर बरसती है। हालांकि इस बात का आपको ख्याल रखना चाहिए कि, झाड़ू दक्षिण दिशा में इस तरह से रखा जाना चाहिए कि, वो हर आने जाने वाले को न दिखे। इसके साथ ही दो झाड़ू आपको

एक साथ नहीं रखने चाहिए। अगर आप झाड़ू को दक्षिण दिशा में रखते हैं तो संपन्नता आपके जीवन में आती है। धन से जुड़ी कई परेशानियों का झुटकारा दक्षिण दिशा में झाड़ू रखने से हो जाता है।

सोना-चांदी भी रख सकते हैं दक्षिण दिशा में

वास्तु की मानें तो दक्षिण दिशा में आप सोना-चांदी भी रख सकते हैं। इस दिशा में सोना चांदी रखने से आपको कमाई के नए स्रोत मिलने लगते हैं। वहीं आपकी आमदनी भी ऐसा करने से बढ़ सकती है। आप भी अगर सोने-चांदी जैसे कीमती सामान को दक्षिण दिशा में रख सकते हैं तो कई अच्छे बदलाव आप भी अपनी जिंदगी में देख सकते हैं।

दक्षिण दिशा से जुड़ी इन बातों का भी रखें ख्याल

आपको पलंग का सिरहाना दक्षिण दिशा की ओर करना चाहिए। ऐसा करने से नकारात्मकता आप पर हावी नहीं होती और आप कई शुभ परिणाम जीवन में प्राप्त करते हैं। इसके साथ ही अगर आपके घर का मुख्य दरवाजा दक्षिण दिशा में है तो वहां आपको स्वास्तिक का चिह्न बनाना चाहिए ऐसा करने से अशुभता दूर होती है। इसके साथ ही दक्षिण दिशा वाले द्वार के बुरे प्रभाव को दूर करने के लिए आप पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या फिर गणेश जी की मूर्ति इस दिशा में लगा सकते हैं।

धनुष और ऐश्वर्या रजनीकांत के तलाक पर मुहर

फिल्म निर्देशक कस्तूरीराजा के बेटे धनुष और साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या की शादी 18 नवंबर, 2004 को हुई थी। दोनों के दो बेटे हैं। करीब 18 वर्षों बाद दोनों ने नवंबर 2022 में अलग होने का एलान किया था। इसके बाद उन्होंने परिवार न्यायालय का रुख किया और आपसी सहमति से तलाक की अपील की। 21 नवंबर को दोनों परिवार अदालत की जज सुभादेवी के सामने पेश हुए। मामले की बंद कमरे में सुनवाई हुई थी और अब जज ने अपना फैसला सुना दिया है।

आधिकारिक तौर पर अलग हुए धनुष-ऐश्वर्या

21 नवंबर को फैमिली कोर्ट की जज सुभादेवी ने धनुष और ऐश्वर्या से उनके फैसले के बारे में पूछा। उन्होंने अलग होने की इच्छा व्यक्त की, जिसके बाद न्यायाधीश ने घोषणा की कि अंतिम फैसला 27 नवंबर को सुनाया जाएगा। वहीं, कोर्ट ने अब अपना फैसला सुना दिया है। जज सुभादेवी ने धनुष और ऐश्वर्या रजनीकांत के तलाक को मंजूरी दे दी है। इस तरह अभिनेता-निर्देशक धनुष और निर्देशक ऐश्वर्या रजनीकांत अब आधिकारिक तौर पर अलग हो गए हैं।

2004 में की थी ग्रैंड वेडिंग

ऐश्वर्या और धनुष ने 2004 में चेन्नई में एक भव्य शादी की थी। उनकी शादी में फिल्म इंडस्ट्री और राजनीतिक दिग्गजों की उपस्थिति देखी गई थी। जहां ऐश्वर्या, रजनीकांत और लता रजनीकांत की बेटी हैं। वहीं धनुष निर्देशक कस्तूरी राजा और विजयलक्ष्मी के बेटे हैं।

2022 में किया अलगाव का एलान

17 जनवरी, 2022 को धनुष और ऐश्वर्या ने एक संयुक्त बयान साझा कर अपनी राहें अलग करने की घोषणा की। उन्होंने कहा, 'दोस्तों, जोड़े, माता-पिता और एक-दूसरे के शुभचिंतक के रूप में 18 साल की एकजुटता। यात्रा विकास, समझ, समायोजन और अनुकूलन की रही है। आज हम एक ऐसी जगह पर खड़े हैं जहां हमारे रास्ते अलग हो गए हैं। हमनें एक जोड़े के रूप में अलग होने और हमें बेहतरी के लिए एक व्यक्ति के रूप में समझने के लिए समय लेने का फैसला किया है।'

दोनों बेटों की परवरिश साथ में रखेंगे जारी

धनुष और ऐश्वर्या ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा था, 'कृपया हमारे फैसले का सम्मान करें और हमें इससे निपटने के लिए आवश्यक गोपनीयता प्रदान करें।' धनुष और ऐश्वर्या दो बेटों, यात्रा और लिंगा के माता-पिता हैं अलगाव के बाद भी साथ में बच्चों की परवरिश करना जारी रखेंगे।

'भूल भुलैया 3' ने रचा इतिहास, 250 करोड़ी बनी कार्तिक आर्यन की फिल्म

'भूल भुलैया 3' कार्तिक आर्यन के अब तक के करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म साबित हुई है। अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में दर्शकों को कॉमेडी के साथ हॉरर का तड़का भी खूब पसंद आ रहा है। रूह बाबा और मंजुलिका की जुगलबंदी ने पर्दे पर ऐसा कमाल दिखाया है कि रिलीज के 27वें दिन भी दर्शक इसे देखने के लिए सिनेमाघरों का रुख कर रहे हैं।

'भूल भुलैया 3' का जलवा बरकरार

150 करोड़ रुपये के बजट में बनी हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया 3' में माधुरी दीक्षित, विद्या बालन और तृप्ति डिमरी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। मूवी ने पहले हफ्ते की कमाई से ही यह साफ कर दिया था कि यह बॉक्स ऑफिस पर नया कीर्तिमान रचने जा रही है। फिल्म ने पहले हफ्ते में 158.25 करोड़ रुपये का कारोबार कर अपना बजट वसूल कर लिया था।

दर्शकों को पसंद आई फिल्म

'भूल भुलैया 3' का बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छा प्रदर्शन यह दर्शाता है कि

फिल्म ने दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बना ली है। इसके कलेक्शन से साबित होता है कि फिल्म में वह खास बात है, जो दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच रही है। फिल्म में हल्का-फुल्का हास्य, दिलचस्प ट्विस्ट, और कुछ डरावने पल हैं जो दर्शकों को बोर नहीं होने देते। इस संयोजन ने फिल्म को परिवारों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बना दिया है।

250 करोड़ी बनी कार्तिक आर्यन की फिल्म

'भूल भुलैया 3' ने दूसरे हफ्ते में 58 करोड़ और तीसरे हफ्ते में 23.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म अपने चौथे सप्ताह में चल रही है। वहीं, शुरुआती आंकड़ों की मानें तो इसने 27वें दिन 1 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इस तरह फिल्म का अब तक का टोटल कलेक्शन 250.10 करोड़ रुपये हो गया है।

'भूल भुलैया' फ्रेंचाइजी का जारी धमाल

'भूल भुलैया' सीरीज पहले से ही एक मजबूत और सफल फ्रेंचाइजी है। 'भूल भुलैया 2' ने भी बड़ी सफलता हासिल की थी। फिल्म ने दर्शकों को वह मनोरंजन का अनुभव दिया था, जिसे वे बड़े पर्दे पर दोबारा चाहते थे। 'भूल भुलैया 3' इस उम्मीद खरी उतरी है। कार्तिक आर्यन की कॉमिक टाइमिंग और उनकी बढ़ती हुई स्टार पावर ने फिल्म को एक मजबूत चेहरा दिया है। हंसी-मजाक और थ्रिलर का मेल एक बार फिर दर्शकों को सिनेमाघरों तक आकर्षित करने में कामयाब रहा है।

अगले जन्म में प्रभास जैसा बेटा चाहती हैं जरीना वहाब

प्रभास इस वक्त भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े फिल्मी सितारो में से एक हैं। उनके साथ काम करने वाले कई कलाकार भी उनकी शख्सियत से प्रभावित होते हैं। अक्सर दूसरे कलाकार अभिनेता की तारीफ करते नजर आते हैं। इनमें हालिया नाम अभिनेत्री जरीना वहाब का है। अभिनेत्री ने उनकी तारीफ करते हुए उन्हें बेहद शालीन और जमीन से जुड़ा कलाकार बताया है।

जरीना, प्रभास की आगामी फिल्म 'द राजा साब' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए नजर आएंगी। अभिनेत्री ने साउथ सुपरस्टार की तारीफ करते हुए कहा कि वह अगले जन्म में प्रभास जैसा बेटा चाहती हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्होंने कभी भी प्रभास जैसा जमीन से जुड़ा स्टार नहीं देखा है। अभिनेत्री ने कहा,₹वह एक स्टार हैं, लेकिन शूटिंग खत्म होने के बाद, वह हम सभी के पास आते हैं और अलविदा कहते हैं। अगर उन्हें पता चलता है कि सेट पर कोई भूखा है, तो वह तुरंत घर पर फोन करते हैं और चालीस लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था करते हैं।

'प्रभास से सीख सकते हैं युवा'

जरीना ने इस बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि प्रभास आज की पीढ़ी के लिए ऐसे सितारे हैं, जिनका अनुकरण किया जाना चाहिए। उन्होंने द राजा साब अभिनेता को प्यारा बताते हुए कहा कि युवा उनसे काफी कुछ सीख सकते हैं, जैसे उन्हें दूसरों से कैसा व्यवहार करना चाहिए, बड़ों का सम्मान कैसे करना चाहिए आदि। बताते चलें कि अभिनेत्री आखिरी बार जूनियर एनटीआर की बहुचर्चित फिल्म देवरा में नजर आई थीं।

बात करें प्रभास की फिल्म 'द राजा साब' की, तो पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले टीजी विश्व प्रसाद द्वारा समर्थित, द राजा साब 10 अप्रैल, 2025 को पांच भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

यह फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी। फिल्म का साउंडट्रैक थमन द्वारा रचित है। फिल्म में निधि अग्रवाल और मालविका मोहनन भी नजर आएंगी।

करण वीर मेहरा को मिला दोस्ती में धोखा, ऐसा क्या कर दिया शिल्पा शिरोडकर ने!

रियालिटी शो 'बिग बॉस 18' की अपनी एक अलग फैन फॉलोइंग है। दर्शक इस शो में काफी इंट्रेस्ट लेते हैं। इस शो को जीतने के लिए प्रतियोगी आपस में झगड़ते हैं, टास्क में जीतने की हर मुमकिन कोशिश करते हैं। इस वजह से कई लोगों के बीच दोस्ती नहीं हो पाती। वहीं कई बार इस शो में ऐसा भी होता है कि पहले से जो लोग दोस्त हैं, वह भी एक दूसरे से नाराज हो जाते हैं। हाल ही में बिग बॉस 18 के दो प्रतियोगी करण वीर मेहरा और शिल्पा शिरोडकर के बीच भी टेंशन पैदा होते हुए देखी गई। यह दोनों शो की शुरुआत में ही अच्छे दोस्त बन गए थे।

शिल्पा ने नहीं चुना करण को

कुछ देर पहले ही कलर्सटीवी के इंस्टाग्राम पेज पर आज रात आने वाले बिग बॉस एपिसोड की झलकियां दिखाई गईं।जिसमें शिल्पा करण की बजाय ईशा सिंह को टाइम गॉड चुना। टाइम गॉड बनने पर कोई प्रतियोगी बाकी प्रतियोगी के लिए लीडर की तरह होता है, वह जो कहेगा उन्हें करना पड़ेगा। आज के एपिसोड में ईशा टाइम गॉड बनेगी। लेकिन इस बात करण काफी नाराज हैं, उन्हें लगा था कि शिल्पा उन्हें टाइम गॉड बनाएंगी जबकि ऐसा हुआ नहीं।

करण ने दोस्ती को बताया फेक

जो इंस्टाग्राम वीडियो शेयर किया गया है उसमें आगे करण शिप्ला से बात करते हुए नजर आ रहे हैं। जिसमें वह अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। वह शिल्पा को कहते हैं कि उन्हें ऐसे लोग पसंद नहीं है जिनकी दोस्ती फेक होती है।

शिल्पा से मन की बातें करते रहे हैं

करण अकसर ही शो में अपने मन की बातें शिल्पा से शेयर करते हैं वह भी उनको अच्छी सलाह देती हैं। ऐसे में दर्शकों को लगता है कि यह दोनों काफी अच्छे दोस्त बन गए हैं। लेकिन जो कुछ आज रात के एपिसोड में दर्शक देखेंगे, उससे उन्हें भी लगेगा कि शायद शिल्पा करण को अपना करीबी दोस्त नहीं मानती हैं।

'किसिक' गाने की फीस को लेकर श्रीलीला ने किया दिलचस्प खुलासा

पुष्पा 2 द रूल के हाल ही में रिलीज हुए गाने 'किसिक' में श्रीलीला अपनी शानदार डांस परफॉर्मेंस से खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। इस गाने की तुलना समांथा रुथ प्रभु के 'ऊ अंटावा' गाने की हो रही है। श्रीलीला ने इस तुलना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है और बताया कि उन्होंने इस गाने में काम करने का फैसला क्यों लिया।

अपनी आगामी फिल्म रॉबिनहुड के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्रीलीला ने 'किसिक' गाने में काम करने की वजह पर बात करते हुए कहा कि 'किसिक' गाने का संदर्भ फिल्म की कहानी से जुड़ा हुआ है और यह एक सामान्य आइटम नंबर नहीं है, बल्कि इसका फिल्म के लिए एक मजबूत उद्देश्य है, जो दर्शकों को फिल्म के रिलीज होने पर स्पष्ट होगा।

यह गाना संगीतकार देवी श्री प्रसाद ने बनाया है, उन्हें पुष्पा द राइज के लिए नेशनल अवार्ड मिल चुका है। गाने ने रिलीज होते ही दर्शकों के बीच काफी हलचल मचा दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रीलीला को इस डांस नंबर के लिए दो करोड़ रुपये का पारिश्रमिक दिया गया, जबकि समांथा को 'ऊ अंटावा' के लिए पांच करोड़ रुपये मिले थे।

हालांकि, श्रीलीला ने स्पष्ट किया कि उन्होंने अभी तक अपने पारिश्रमिक को लेकर निर्माता से कोई चर्चा नहीं की है। अपनी डांस परफॉर्मेंस के लिए उन्हें शोभिता धूलिपाला और समांथा रुथ प्रभु जैसे बड़े सितारों से सराहना मिली है।

रश्मिका मंदाना ने किया 'सामी सामी' पर डांस, अल्लू का रिएक्शन हुआ वायरल

पुष्पा 2 द रूल 5 दिसंबर को रिलीज के लिए तैयार है। इन दिनों अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना फिल्म पुष्पा 2 के प्रचार का एक भी मौका हाथ से नहीं जाने देना चाहते हैं। यही वजह है कि वह फिल्म को प्रमोट करने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रहे हैं। इसी बीच रश्मिका का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें वह पुष्पा 2 के इवेंट के दौरान अपना प्रसिद्ध पुष्पा द राइज का गाना 'सामी सामी' पर डांस करती नजर आईं।

रश्मिका मंदाना ने कोच्चि में पुष्पाः द रूल के प्री-रिलीज इवेंट में जमकर सुर्खियां बटोरीं, जहां उन्होंने हिट ट्रैक सामी सामी पर डांस किया। रश्मिका का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें प्रशंसक उनकी ऊर्जा और हुक स्टेप्स की प्रशंसा कर रहे हैं। पुष्पा फ्रैंचाइजी में उनके सह-कलाकार अल्लू अर्जुन को उनके डांस के दौरान शरमाते और मुस्कुराते हुए देखा गया, जिसे देखने के बाद प्रशंसक लगातार अपनी प्रतीक्रिया दे रहे हैं।

इस इवेंट के लिए, रश्मिका ने एक शानदार पीले रंग की साड़ी पहनी थी, जिसके साथ एक अनूठी डिटेलिंग वाला ब्लाउज था। ब्लाउज की डोरियों पर झिलमिलाते अक्षरों में पुष्पा शब्द लिखा था, जो फिल्म की ओर इशारा था। सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में, रश्मिका ने शान के साथ अपने लुक को फ्लॉन्ट करते हुए शान दिखाई। एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने लिखा, अरे दोस्तों, आज मैं कोच्चि में हूं और कोच्चि आकर मेरा दिल हमेशा बहुत खुश हो जाता है। शुक्रिया मेरे प्यार। आपका प्यार इतना शुद्ध और अच्छा लगता है और मैं इसमें पूरी तरह से डूब जाती हूं। हमेशा। हमेशा मुझे इस तरह प्यार करने और इस तरह मेरा साथ देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं आपसे प्यार करती हूं। मैं तुमसे वादा करती हूं कि 5 दिसंबर को पुष्पा 2 आप को बिल्कुल भी निराश नहीं करेगी।

कार्यक्रम के दौरान, रश्मिका ने अल्लू अर्जुन और प्रशंसकों से उन्हें मिलने वाले अपार प्यार के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की। रश्मिका ने कहा, जब हम कोच्चि पहुंचे और मैंने देखा कि अल्लू अर्जुन सर को आप सभी से कितना प्यार मिल रहा है...इसने मुझे पूरी तरह से चौंका दिया। सर को इतना प्यार देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। वह सभी प्यार और उससे भी ज्यादा के हकदार हैं। अल्लू अर्जुन सर, आप हमेशा मेरे जीवन में एक खास व्यक्ति रहेंगे। हमेशा मेरा इतना ख्याल रखने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

बहुप्रतीक्षित सीक्वल, पुष्पाः द रूल, पुष्पा में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना के अलावा फहाद फासिल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। ड्रामा और एक्शन से भरपूर एक मनोरंजक कहानी के साथ, यह फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

यामी गौतम ने छोटे पर्दे से लगाई ऊंची छलांग, आज है करोड़ों की मालकिन

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम आज अपना 36वां जन्मदिन मना रही हैं। यामी की गिनती उन अभिनेत्रियों में होती है, जिन्होंने खुद के बलबूते अपने करियर की उड़ान भरी। उन्होंने छोटे पर्दे से अपने अभिनय की शुरुआत की और आज बड़ी-बड़ी फिल्मों में मुख्य किरदार के रूप में नजर आती है। उनकी गिनती इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्रियों में होती है। यामी ने अपनी मेहनत और लगन से करोड़ों रुपये कमाए हैं। वह अब फिल्मों के लिए मोटी रकम भी वसूलती हैं। आइए आज उनके जन्मदिन के मौके पर जानते हैं कि अभिनेत्री की कितनी नेटवर्थ कितनी है?

यामी गौतम की नेटवर्थ

यामी गौतम फिल्मों के लिए मोटी रकम तो वसूलती ही हैं, साथ ही अभिनेत्री विज्ञापनों से भी खूब कमाई करती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यामी गौतम की नेटवर्थ लगभग 90 करोड़ रुपये आंकी गई है। यामी के पास एक आलीशान घर भी है। एक्ट्रेस के पास महंगी गाड़ियों का कलेक्शन भी है। यामी सिर्फ हिंदी ही नहीं बल्कि अन्य भाषाओं की भी फिल्में करती हैं और वहां से भी खूब पैसे कमाती हैं। यामी को विज्ञापनों से भी बड़ा लाभ होता है।

'फेयर एंड लवली' के प्रचार ने दिलाई पहचान

यामी गौतम ने बॉलीवुड में अपने फिल्मी करियर की शुरुआत आयुष्मान खुराना के साथ फिल्म 'विक्की डोनर' की। हालांकि, इसके पहले वह साउथ की फिल्मों में भी अभिनय कर चुकी थीं। फिल्मी दुनिया में आने से पहले वह कई धारावाहिकों में भी नजर आईं। अभिनेत्री को सबसे ज्यादा घर-घर पहचान 'फेयर एंड लवली' के विज्ञापन ने दिलाया।

कई शानदार फिल्मों में किया है काम

यामी ने बॉलीवुड की कई शानदार और हिट फिल्मों में काम किया है। उनकी अदाकारी को भी इन फिल्मों में खूब सराहा गया है। अभिनेत्री 'टोटल सियापा', 'एक्शन जैक्शन', 'बदलापुर', 'सनम रे', 'जुनूनीयत', 'काबिल', 'सरकार 3', 'बत्ती गुल मीटर चालू', 'उरी द सर्जिकल स्ट्राइक', 'बाला', 'थर्सडे', 'दसवीं', 'ओएमजी 2', 'आर्टिकल 370' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

आदित्य धर से की शादी

अभिनेत्री ने 4 जून 2021 को निर्देशक आदित्य धर से शादी की। दोनों काफी समय से एक दूसरे के नजदीक थे। यामी आदित्य की फिल्म 'उरी' में काम कर चुकी थीं। इस दौरान दोनों करीब आए और अंत में दोनों ने शादी कर ली। इस वर्ष मई महीने में यामी ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया है।

'मेरी बेटी ने क्या किया', सोनाक्षी की वेडिंग से खुश नहीं हैं मां पूनम सिन्हा?

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता शत्रुघन सिन्हा उनकी पत्नी पूनम सिन्हा, बेटी सोनाक्षी सिन्हा और दामाद जहीर इकबाल हाल ही में कपिल शर्मा के शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 2' का हिस्सा बने। इस शो में उन्होंने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कई चीजें शेयर की। वहीं, बहुत खुश हैं, लेकिन अब कपिल शर्मा के शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 2' में एक बार फिर सोनाक्षी के परिवार की तरफ से नाराजगी दिखाई दी। दरअसल, शो में पूनम सिन्हा शादी को लेकर बात करते हुए नजर आती हैं। उस दौरान वह कहती हैं कि मेरी मम्मी ने हमेशा ये कहा था कि बेटी

एक्ट्रेस की मां ने उनकी शादी को लेकर भी बात की, जिसे सुनने के बाद हर कोई ये कह रहा है कि लगता है सोनाक्षी-जहीर की शादी से उनके घर वाले खुश नहीं थे। चलिए जानते हैं ऐसा उन्होंने क्या कहा है।

सोनाक्षी की शादी पर क्या बोलीं मां पूनम

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने इसी साल जून में अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड जहीर इकबाल के साथ इंटरफेथ वेडिंग की, जिसमें उनके घर वाले और कुछ खास दोस्त ही शामिल हुए। शादी के बाद कपल ने ग्रैंड रिसेप्शन दिया था, जिसमें बी टाउन की कई हस्तियां नजर आईं। हालांकि, उनके भाई किसी भी फंक्शन और शादी का हिस्सा नहीं बने। यहां तक कि यह भी खबरें आई कि एक्ट्रेस माता-पिता भी इस शादी से नाखुश है।

हालांकि, शत्रुघन सिन्हा ने कई इंटरव्यू दिए और ये कहा की वह हमेशा उसी से शादी करना, जो तुमको ज्यादा प्यार करे, ठीक है। वो मैंने सुन भी लिया और कर भी लिया।

इसके आगे उन्होंने कहा कि लेकिन मेरी बेटी ने क्या किया। उसने उससे शादी की जिसको ये ज्यादा प्यार करती है। ये सुनने के बाद सोनाक्षी कहती हैं कि ये बहस योग्य है, क्योंकि जहीर को लगता है कि वो मुझे ज्यादा प्यार करता है और मुझे लगता है कि मैं ज्यादा करती हूं अब ये तय कौन करेगा।

यूजर्स दे रहे हैं ऐसा रिएक्शन

इसका एक छोटा सा क्लिप सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखने के बाद यूजर्स अपना रिएक्शन देते हुए नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि सोनाक्षी ने इस स्थिति को बहुत ही स्मार्ट तरीके से संभाला है। दूसरे ने लिखा कि साफ दिख रहा है कि उनके माता-पिता इस शादी से खुश नहीं हैं।

अल्लू अर्जुन के लिए लकी चार्म हैं 'पुष्पा' डायरेक्टर सुकुमार, कभी पार लगाई थी डूबती नैया

तेलुगु सिनेमा के स्टार एक्टर अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'पुष्पा 2' को लेकर चर्चा में हैं। ये फिल्म साल 2024 की बहुचर्चित फिल्मों में से एक रही है। दर्शकों की इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। ये साल 2021 में आई फिल्म 'पुष्पा' का सीक्वल, जिसे दिसंबर के फर्स्ट वीक में रिलीज किया जाएगा। इसमें उनके साथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना लीड रोल में नजर आने वाली हैं। दोनों स्टार्स फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं। इसका निर्देशन सुकुमार ने किया है। अल्लू अर्जुन और सुकुमार साथ में कई फिल्मों में काम किया है। करीब 20 साल पहले दोनों साथ में काम किया था और करियर की शुरुआत भी की थी। ऐसे में एक्टर ने बताया कि कैसे डेब्यू फिल्म के बाद वो बेरोजगार हो गए थे और फिर जब कोई नहीं पूछ रहा था तो सुकुमार ने उनकी डूबती नैया को पार लगाया था।

दरअसल, अल्लू अर्जुन हाल ही में फिल्म 'पुष्पा 2' का ट्रेलर पटना में ग्रैंड तरीके से रिलीज किया गया। इसके बाद फिल्म के मेकर्स और एक्टर्स इसके प्रमोशन में जुट गए। इसी बीच 'पुष्पा 2' की टीम चेन्नई के एक इवेंट में पहुंचे और इस दौरान साउथ एक्टर ने सुकुमार के साथ अपने 20 साल के रिश्ते के बारे में बात की। अल्लू अर्जुन ने कहा कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत राघवेंद्र राव गारू की फिल्म 'गंगोत्री' से की थी। इसके जरिए वो पहली बार स्क्रीन पर बतौर लीड एक्टर नजर आए। बतौर डायरेक्टर ये फिल्म उनके लिए सुपरहिट रही थी लेकिन, एक एक्टर के तौर पर उनके लिए अच्छी साबित नहीं हो पाई थी। उनका मानना है कि वो एक एक्टर के तौर पर इसे डिलीवर नहीं कर पाए।

इसके साथ ही अल्लू अर्जुन ने शुरुआती करियर को लेकर आगे कहा कि पहली फिल्म 'गंगोत्री' की रिलीज के बाद उन्हें किसी ने इंडस्ट्री में काम नहीं दिया।

करीब एक साल तक उन्हें कोई पूछने भी नहीं आया। एक्टर बताते हैं कि फिर एक फिल्ममेकर उनके पास फिल्म 'आर्या' लेकर आए और इसके बाद अल्लू अर्जुन कहा कि उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। ये कोई और नहीं बल्कि 'पुष्पा' डायरेक्टर सुकुमार हैं।

अल्लू अर्जुन सुकुमार को लेकर कहते हैं कि वो जब भी पीछे मुड़कर देखते हैं तो वो शख्स का नाम लेते हैं, वो हैं सुकुमार। वो मानते हैं कि डायरेक्टर का उनके करियर पर काफी प्रभाव रहा। अंत में एक्टर ने कहा कि वो अभी भी पोस्ट प्रोडक्शन में बिजी है और इस वक्त वो उन्हें काफी मिस कर रहे हैं।

इसके साथ ही अगर 'पुष्पा 2' की रिलीज की बात की जाए तो फिल्म को भारत और दुनियाभर में 5 दिसंबर को रिलीज किया जाएगा। इसके लिए एडवांस बुकिंग भी 30 नवंबर को शुरू होगी। वहीं, USA में फिल्म को एक दिन पहले ही 4 दिसंबर को थिएटर में रिलीज कर दिया जाएगा, जिसके लिए एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। इसके अलावा अगर 'पुष्पा 2' के बजट की बात की जाए तो इसका बजट करीब 400-500 करोड़ बताया जा रहा है।

वहीं, ट्रेड एनालिस्ट का मानना है कि ये साल 2024 की सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली फिल्म हो सकती है। साथ ही माना जा रहा है कि ये 1000 करोड़ के क्लब में शामिल हो सकती है। ऐस में देखना होगा कि फिल्म लोगों और मेकर्स की उम्मीदों पर कितना खरा उतरा पाती है।

'जुनियर्स से जलिए मत', भोजपुरी इंडस्ट्री पर रवि किशन ने दिया बयान तो लोक गायिका ने कसा तंज

हाल ही में एक्टर रवि किशन ने भोजपुरी इंडस्ट्री को लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि उन्होंने इंडस्ट्री को बनाया है, लेकिन अब जूनियर एक्टर्स के कारण ये बर्बाद हो रही है। उन्होंने कहा था कि रीजनल सिनेमा आगे बढ़ रहा है, लेकिन भोजपुरी इंडस्ट्री पीछे रह गई है। अब लोक गायिका नेहा सिंह राठौर ने उनके इस बयान को शेयर करते हुए उन पर तंज कसा है और कहा है कि वो जूनियर्स से न जलें।

नेहा सिंह राठौर ने रवि किशन की तस्वीर के साथ उनका स्टेटमेंट शेयर किया है, जिसमें लिखा है- "समय के साथ भोजपुरी सिनेमा अश्लीलता का पर्याय बन गया है, मैं अपने जूनियर्स से थोड़ा दुखी महसूस करता हूं, उन्होंने भोजपुरी सिनेमा की प्रतिष्ठा खराब कर दी है।"

क्या बोलीं नेहा?

इस पोस्ट के साथ नेहा ने लिखा है, "रवि बाबू अपने जूनियर्स से जिए मत उन्हें चुटकी बजाकर लहंगा गायब कर सकने का आशीर्वाद दीजिए। खुद तो रिमोट से लहंगा उठाकर संसद पहुंच गए और अब अपने जूनियर्स को आगे बढ़ने से रोक रहे हैं।" नेहा ने इस पोस्ट में मनोज तिवारी को टैग करते हुए लिखा- "कुछ समझाइये न।"

दरअसल रवि किशन का एक काफी मशहूर भोजपुरी गाना है, 'लहंगा उठा देई रिमोट से' और इसी को लेकर नेहा सिंह राठौर उन पर तंज कस रही हैं। हालांकि रवि इस गाने को लेकर सफाई दे चुके हैं। अब हाल ही में उन्होंने इंडस्ट्री को लेकर जो कहा है वो जानिए

रवि किशन का बयान?

इंडियन एक्सप्रेस की स्क्रीन मैगजीन के साथ खास बातचीत में, रवि किशन ने कहा था कि रीजनल सिनेमा ने उछाल देखा गया है मगर इस मामले में भोजपुरी इंडस्ट्री पीछे रह गई है और उन्होंने इसका कारण भी बताया। रवि किशन ने कहा था, "मेरे सभी जूनियर हीरो सिर्फ पैसा कमाना चाहते हैं, निर्देशन या लेखन पर खर्च नहीं करना चाहते हैं।

अब उस गति को हासिल करना बहुत मुश्किल है। मैंने इसे नेशनल अवॉर्ड जीतने की स्थिति तक पहुंचा दिया था, लेकिन सभी जूनियर सुपरस्टार्स ने इंडस्ट्री को बर्बाद कर दिया। अब दर्शक उनसे आगे निकल गए हैं, वे सिनेमाघरों में नहीं जा रहे हैं और फिल्में ओटीटी पर शिफ्ट हो रही हैं।"

'तारा की हाय लगेगी'

आदर जैन की सगाई के बाद बॉलीवुड एक्टर ने कसा तंज, बोले- उसे चीट किया

आदर जैन और अलेखा आडवाणी की सगाई के बाद केआरके ने ट्विटर पर कहा है कि आदर ने बॉलीवुड की बेस्ट लड़की को धोखा दिया है। बता दें कि जिससे आदर ने सगाई की वो तारा की बेस्ट फ्रेंड रह चुकी हैं।

केआरके ने किया तारा सुतारिया को सपोर्ट

फिल्म एक्टर और रणबीर कपूर के कजिन आदर जैन का 27 नवंबर को अलेखा आडवाणी से रोका हो गया है। दोनों के रोके की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी वायरल हो रही हैं। आदर जैन ने कुछ समय पहले ही अलेखा को शादी के लिए प्रपोज किया था और ये भी बता दें अलेखा कोई और नहीं बल्कि आदर की एक्स गर्लफ्रेंड तारा सुतारिया की बेस्ट फ्रेंड हैं।

इस बात को लेकर तमाम लोग आदर को भला बुरा भी कह रहे हैं और उन पर तारा सुतारिया को चीट करने का भी आरोप लगा रहे हैं। इसी बीच एक्टर और फिल्म क्रिटिक कमाल राशिद खान उर्फ केआरके का भी ट्वीट सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि तारा की हाय लगेगी।

केआरके ने अपने ट्वीट में लिखा, "तारा सुतारिया बॉलीवुड की सबसे बेस्ट लड़कियों में से एक है। आदर जैन ने उसे धोखा दिया है, मतलब आदर शादीशुदा लाइफ में खुश नहीं रहेगा, तारा की हाय लगेगी।" केआरके के ट्वीट पर तमाम लोगों ने कमेंट्स किए हैं।

यूजर्स का रिएक्शन

पृथ्वी नाम के यूजर ने लिखा, "तारा एक बेहतर इंसान की डिजर्व करती है, उसके पास एक सफल एक्टर बनने के लिए लुक, टैलेंट सब है। बेवकूफ़ बॉलीवुड नेपो किड्स और बिना टैलेंट के एक्ट्रेस को मौका दे रहा है।" दूसरे यूजर ने लिखा, "तारा सुतारिया बॉलीवुड की सबसे बेहतरीन लड़कियों में से एक हैं, लेकिन हाय क्यू लगेगी? आदर जैसे लोगों को क्यों कोसना।"

तारा सुतारिया को लंबे समय तक किया था डेट

बता दें कि आदर जैन और तारा सुतारिया लंबे समय तक रिलेशनशिप में थे और अलेखा दोनों की कॉमन फ्रेंड थीं, जिन्हें कई बार आदर और तारा के साथ देखा जाता था। अलेखा ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर करते हुए खुद को दोनों के रिलेशन का थर्ड व्हील भी बताया था।

आदर ने 3 महीने पहले ही अलेखा को रोमांटिक अंदाज में समंदर के किनारे शादी के लिए प्रपोज किया था और दोनों ने इसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की थी। आदर ने तस्वीरों के कैप्शन में अलेखा को अपना पहला क्रश बताया था।

अभिषेक से तलाक की अफवाहों के बीच ऐश्वर्या राय ने हटाया अपने नाम से 'बच्चन' सरनेम?

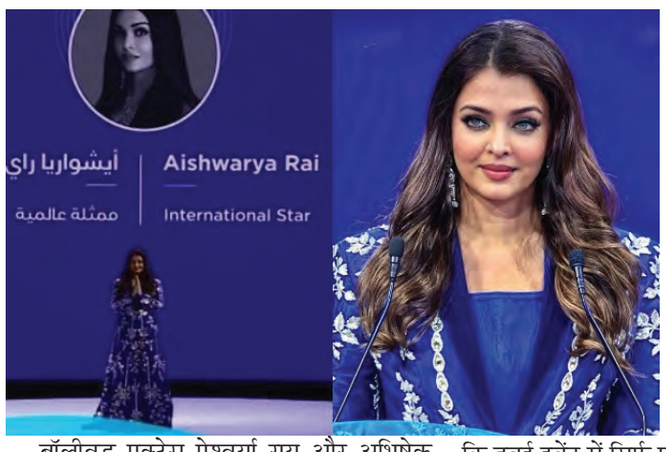

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन पिछले काफी समय से सुर्खियों में बने हुए हैं। दोनों के तलाक की अफवाहें बी-टाउन के गलियारों में सुर्खियां बटोर रही हैं। हालांकि, कपल ने इस बार में खुद कोई बयान नहीं दिया है और न ही कभी इस मुद्दे पर खुलकर बात की है। अब एक्ट्रेस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके आधार पर यह दावा किया जा रहा है कि ऐश्वर्या ने अपने नाम से 'बच्चन' सरनेम हटा दिया है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि आखिर इस खबर की सच्चाई क्या है।

ऐश्वर्या राय ने हटाया 'बच्चन' सरनेम?

पिछले काफी समय से देखा जा रहा है कि अभिषेक-ऐश्वर्या कहीं भी साथ में दिखाई नहीं दे रहे हैं। अनंत-राधिका की शादी में भी ऐश 'बच्चन परिवार' के साथ दिखाई नहीं दी थीं। वहीं, बेटी आराध्या के जन्मदिन पर पिता कहीं नजर नहीं आए। ऐसे में लगातार यह कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों जल्द ही अलग होने वाले हैं। हालांकि, कुछ दिनों पहले अमिताभ बच्चन ने एक ब्लॉग शेयर करते हुए इन खबरों का खंडन किया था, लेकिन अब फिर कुछ ऐसा हुआ जिसकी वजह से दोनों के तलाक की अफवाहों ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है।

'अलग होने और लाइफ में', ऐश्वर्या राय और अभिषेक के तलाक की अफवाहों पर पहली बार आया अमिताभ बच्चन का रिएक्शन, बोले- मुझे सोसाइटी में

दरअसल, हाल ही में ऐश्वर्या राय ने दुबई में हुए इवेंट 'ग्लोबल वुमन फोरम 2024' में शिरकत की थी। यहां उन्होंने महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर बात की। जब एक्ट्रेस स्टेज पर आईं, तो स्क्रीन पर नाम फ्लैश हुआ, जहां ऐश्वर्या राय- इंटरनेशनल स्टार लिखा हुआ था। ऐसे में अब यह वीडियो खूब वायरल हो रहा है और यह चर्चा हो रही है कि एक्ट्रेस ने अपने नाम से 'बच्चन' सरनेम हटा दिया है।

क्या है वीडियो का सच

बता दें कि दुबई इवेंट में सिर्फ एक्ट्रेस के ऑफिशियल नाम का इस्तेमाल किया गया है। इसका मतलब यह नहीं है कि उन्होंने अपने नाम से 'बच्चन' सरनेम हटा दिया है। ऐसा हम इसलिए भी कह रहे हैं, क्योंकि ऐश्वर्या राय के इंस्टाग्राम पेज पर अभी भी ऐश्वर्या राय बच्चन ही लिखा हुआ है। सिर्फ इतना ही नहीं, सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री सिर्फ एक शख्स को फॉलो करती हैं और वो कोई और नहीं, बल्कि अभिषेक बच्चन ही हैं। ऐसे में वायरल हो रही ये खबर झूठ है। बता दें कि हाल ही में अभिषेक बच्चन ने अपनी फिल्म 'आई वांट टू टॉक' के प्रमोशन के दौरान इंटरव्यू में ऐश्वर्या राय की तारीफ की थी। इस खबर को विस्तार से पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें।

तृप्ति डिमरी का ब्लैक हॉट सिंजलिंग लुक

तृप्ति डिमरी ने बेहद ही शानदार लेटेस्ट लुक सोशल मीडिया पर साझा किया है। तृप्ति का ब्लैक ड्रेस में यह लुक काफी स्टाइलिश है। तृप्ति का यह लुक उनके प्रशंसकों को बेहद पसंद आ रहा है। तृप्ति आखिरी बार फिल्म भूल भुलैया 3 में नजर आईं। तृप्ति डिमरी बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री हैं। तृप्ति ने कैप्शन में लिखने की बजाए सिर्फ एक ब्लैक रंग का हार्ट इमोजी लगाया।

प्रचार देखकर सामान खरीदा है और वह खराब निकला तो कंपनी की खैर नहीं

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। ज्यादातर लोग कोई भी सामान उसका प्रचार देखकर ही खरीदते हैं। कई ऐसे भी मामले आए हैं जब वह सामान खराब निकल गया और उपभोक्ता को शिकायत करने के लिए कंपनियों के चक्कर काटने पड़े। अब ऐसा नहीं होगा। अगर किसी कंपनी का प्रोडक्ट खराब निकलता है या कंपनी उसे सही करने या बदलने में आनाकानी करती है तो अब कंपनी की खैर नहीं।

ऐसे में मामलों में सरकार उपभोक्ताओं की सहूलियत के लिए आगे आई है। उपभोक्ताओं की शिकायतें दर्ज करने और उन पर होने वाली कार्रवाई की ट्रैकिंग को आसान बनाने के लिए कंज्यूमर अफेयर्स मिनिस्ट्री ई-जागृति पोर्टल लॉन्च करने की तैयारी में है। मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि देशभर में ई-दाखिल पोर्टल (e- Dakhil) काम करने लगा है और अब ई-जागृति पर काम हो रहा है, जिससे केस फाइलिंग, ट्रैकिंग और मैनेजमेंट में सहूलियत बढ़ेगी।

जल्द होगा समाधान

मंत्रालय के मुताबिक, ई-जागृति से सभी संबंधित पक्षों के बीच संवाद भी बेहतर होगा, जिससे शिकायतों के जल्द समाधान में मदद मिलेगी। ई-जागृति में पूरी प्रक्रिया के ऑटोमेशन और डिजिटाइजेशन के चलते शिकायतों के निपटारे में कम समय लगेगा।

अभी ई-दाखिल पोर्टल है सेवा में

मंत्रालय ने बताया कि लद्दाख में ई-दाखिल पोर्टल के लॉन्च के साथ अब यह देश के हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में काम करने लगा है। बयान में कहा गया कि कोविड पीरियड में उपभोक्ताओं की दिक्कतों को देखते हुए नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन ने ई-दाखिल पोर्टल 7 सितंबर 2020 को शुरू किया गया था, जिससे वे अपनी शिकायतें आसानी से दर्ज करा सकें।

कई केसों का हो चुका है निपटारा

साल 2023 के अंत तक लद्दाख के अलावा बाकी देश में यह शुरू हो चुका था। ई-दाखिल पोर्टल पर अभी लगभग 2 लाख 81 हजार यूजर रजिस्टर्ड हैं। इस पर 1 लाख 98 हजार 725 केस फाइल हो चुके हैं, जिनमें से 38453 का निपटारा किया जा चुका है।

चार लाख करोड निवेश करेगी एनटीपीसी!

परमाणु ऊर्जा के लिए बनाया बड़ा प्लान, क्या शेयरों में दिखेगी तेजी?

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भारत की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने परमाणु ऊर्जा के लिए बड़ा प्लान बनाया है। कंपनी की प्लानिंग अगले 23 वर्षों में लगभग 20 गीगावाट की परमाणु ऊर्जा क्षमता जोड़ने की है। इसके लिए कंपनी 4 लाख करोड़ रुपये तक का निवेश कर सकती है।

एक जानकार व्यक्ति ने बताया कि सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी एनटीपीसी की पहली परमाणु परियोजना को भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के साथ संयुक्त रूप से विकसित करने का प्रस्ताव है। हालांकि इसके बाद कंपनी अकेले ही आगे बढ़ने की योजना बना रही है।

क्या है कंपनी का प्लान?

व्यक्ति के अनुसार, कंपनी साल 2047 तक क्लीन एनर्जी पोर्टफोलियो का एक बड़ा हिस्सा हासिल करना चाहती है जो

सरकार की विकसित भारत (विकसित भारत) समयसीमा के अनुरूप है। सरकार ने हाल ही में कहा था कि भारत साल 2047 तक 100 गीगावाट की स्थापित परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

व्यक्ति ने बताया कि राजस्थान में 2800 मेगावाट की माही बांसवाड़ा परियोजना के लिए एनपीसीआईएल के साथ मौजूदा योजना इस वित्तीय वर्ष के अंत तक शुरू हो सकती है। यह वित्तीय वर्ष मार्च 2025 में खत्म होगा। यानी इसमें अभी 4 महीने बचे हैं। परियोजनाओं में अनुमानित निवेश 45 हजार से 50 हजार करोड़ रुपये है।

व्यक्ति ने कहा कि मूल कंपनी एनपीसीआईएल से जॉइंट वेंचर को एटॉमिक यूनिट के ट्रांसफर का प्रस्ताव जल्द ही मंजूरी के लिए रखा जाएगा। सरकार ने एनपीसीआईएल और एनटीपीसी के बीच जॉइंट वेंचर, अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड को मंजूरी दे दी है, जिसमें एनपीसीआईएल की 51% हिस्सेदारी होगी।

एनटीपीसी लिमिटेड ने 2032 तक 60 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता का लक्ष्य रखा है। इसे एनटीपीसी लिमिटेड की सब्सिडियरी कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड संचालित कर रही है। व्यक्ति ने कहा कि लक्ष्य साल 2030 तक पूरा हो सकता है। सौर और पवन परियोजनाओं की क्षमता के लिए निवेश लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये होगा। 2029-30 तक इनके ग्रीन प्रोजेक्ट के लिए कुल पूंजीगत व्यय करीब 5 लाख करोड़ रुपये होगा।

शेयरों पर क्या पड़ेगा असर?

कंपनी के इस प्लान से न केवल एनटीपीसी लिमिटेड बल्कि एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के शेयरों में भी तेजी आ सकती है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का आईपीओ कल यानी बुधवार को ही शेयर मार्केट में लिस्ट हुआ है।

पहले ही दिन में इसमें जबरदस्त उछाल आया है। बीएसई पर यह 9.41% की तेजी के साथ 122.10 रुपये पर बंद हुआ। वहीं एनटीपीसी लिमिटेड के शेयर में भी बुधवार को तेजी देखी गई। बीएसई पर इसमें 2.09% की तेजी आई। इस तेजी के साथ यह शेयर 369.20 रुपये पर बंद हुआ।

डोनाल्ड ट्रंप भारत के मित्र'

केंद्रीय मंत्री ने भारत-अमेरिका के संबंधों पर जताया यह अनुमान

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के मित्र हैं और भारत-अमेरिका की मित्रता आगे भी बढ़ती रहेगी। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को यह बात कही। केंद्रीय मंत्री का यह बयान पूर्व में ट्रंप की ओर भारत पर अधिक टैरिफ का आरोप लगाए जाने के बावजूद आया है। ट्रम्प ने अपने चुनाव अभियान के दौरान आरोप लगाया था कि सभी प्रमुख देशों के बीच भारत विदेशी उत्पादों पर सबसे अधिक टैरिफ लगाता है और उन्होंने सत्ता में आने पर इसके जवाब में टैरिफ लगाने की कसम खाई थी। यहां एक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि आधिकारिक

प्रक्रियाएं पूरी हो जाने और नई सरकार के कार्यभार संभालने के बाद वह अमेरिका में अपने समकक्ष के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं।

जब उनसे पूछा गया कि अमेरिका में नए ट्रंप प्रशासन के कार्यभार संभालने के बाद भारत की स्थिति क्या है, तो मंत्री ने कहा, ₹मुझे लगता है कि हमें जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। हमें (अमेरिका में) नई सरकार को आने और कार्यभार संभालने व अपने औपचारिक और आधिकारिक विचार व्यक्त करने देना चाहिए। गोयल ने कहा कि स्थिति की मेरी समझ और ट्रंप प्रशासन के साथ काम करने के मेरे अपने अनुभव के अनुसार... मुझे किसी भी तरह की समस्या नहीं दिखती।

गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता हैं और उन्होंने भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंधों को पहले से कहीं बेहतर ढंग से प्रबंधित किया है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका में तीन प्रशासनों, ओबामा प्रशासन, ट्रम्प प्रशासन और बाइडन प्रशासन के साथ काम किया है और हम फिर से ट्रम्प प्रशासन के साथ काम करेंगे।

गोयल ने कहा कि अमेरिका के साथ भारत के संबंध हर साल बेहतर होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ₹जैसा कि ट्रम्प ने स्वयं कहा है कि 'मेरे अच्छे मित्र मोदी' और उनकी (ट्रम्प) की ओर से भारत के साथ संबंधों व साझेदारी पर विश्वास कई अवसरों पर व्यक्त किया गया है। वाणिज्य व उद्योग मंत्री ने आगे कहा, ₹ट्रम्प भारत के मित्र हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मित्र हैं और मुझे विश्वास है कि यह मित्रता आगे भी बढ़ती रहेगी, जैसा कि उनकी अब तक की विभिन्न टिप्पणियों से स्पष्ट है।

नगालैंड में 106 करोड़ की संपत्ति जब्त

कोलकाता में 24 करोड़ की संपत्ति जब्त करने का कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली , 28 नवंबर (एजेंसियां)। नगालैंड स्थित प्रवर्तन निदेशालय की दीमापुर उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने भारत और दुबई में चल और अचल संपत्तियों के रूप में अपराध की आय (पीओसी) जब्त की है, जिसका मूल्य 106.20 करोड़ रुपये (लगभग) है, जो विभिन्न व्यक्तियों और फर्जी संस्थाओं से संबंधित हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने बताया कि इनमें चीन से जुड़ी फर्जी संस्थाएं भी शामिल हैं, जो "एचपीजेड टोकन" एप और ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी वेबसाइटों के जरिए अपने निवेश को दोगुना करने के बहाने निवेशकों से सैकड़ों करोड़ रुपये की ठगी करने में शामिल पाई गईं।

कोलकाता की एक विशेष अदालत ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम (FEOA), 2018 के तहत पुष्पेश कुमार बैद और अन्य की 24 करोड़ रुपये की विभिन्न चल और अचल संपत्तियों को जब्त करने का आदेश दिया है। इससे पहले, 3 जनवरी, 2024 को अदालत ने बैद को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया था। ईडी ने बताया कि एजेंसी ने बैंक धोखाधड़ी मामले में बैद और अन्य के खिलाफ सीबीआई, कोलकाता की ओर से दायर आठ एफआईआर और चार्जशीट के आधार पर जांच शुरू की।

दूसरी ओर, कोलकाता की एक विशेष अदालत ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम (FEOA), 2018 के तहत पुष्पेश कुमार बैद और अन्य की 24 करोड़ रुपये की विभिन्न चल और अचल संपत्तियों को जब्त करने का आदेश दिया है। इससे पहले, 3 जनवरी, 2024 को अदालत ने बैद को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया था। ईडी के अनुसार एजेंसी ने बैंक धोखाधड़ी मामले के संबंध में बैद और अन्य के खिलाफ सीबीआई, कोलकाता द्वारा दायर आठ एफआईआर और चार्जशीट के आधार पर जांच शुरू की।

अबू धाबी के आईएचसी, श्रीलंका पोर्ट अथॉरिटी व तंजानिया ने अदाणी समूह पर लिया फैसला

नई दिल्ली , 28 नवंबर (एजेंसियां)। अबू धाबी की इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी (आईएचसी), जो 100 अरब डॉलर के करीब की परिसंपत्तियों का प्रबंधन करने वाली सबसे बड़ी सॉवरेन फंडों में से एक है ने साफ किया है कि वह अदाणी समूह में अपना निवेश जारी रखेगी। आईएचसी ने कहा है कि अदाणी समूह के संस्थापक अध्यक्ष गौतम अदाणी पर अमेरिका में लगे अभियोग के बावजूद समूह के रुख में कोई बदलाव नहीं हुआ है। आईएचसी ने कहा है कि हालिया घटनाक्रम से उसके दृष्टिकोण नहीं बदला है।

अदाणी समूह के प्रमुख विदेशी निवेशकों में से एक आईएचसी ने एक बयान में कहा, अदाणी समूह के साथ हमारी साझेदारी हरित ऊर्जा और स्थिरता क्षेत्रों में उनके योगदान में हमारे विश्वास को दर्शाती है। आईएचसी ने कहा, हमारे सभी निवेशों की तरह, हमारी टीम प्रासंगिक जानकारी और विकास का मूल्यांकन करती रहती है। इस समय, इन निवेशों पर हमारे दृष्टिकोण में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अप्रैल 2022 में आईएचसी ने अदाणी समूह की कंपनी ग्रीन एनर्जी और बिजली कंपनी अदाणी ट्रांसमिशन में लगभग 500 मिलियन अमरीकी डालर का निवेश किया था। इसके अलावे, समूह की होल्डिंग कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज में इसका 1 बिलियन अमरीकी डालर का निवेश है। बाद में, उन्होंने AGELमें अपनी 1.26 प्रतिशत हिस्सेदारी और एटीएल में 1.41 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी, जिसे अब अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड कहा जाता है। हालांकि, आईएचसी ने अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 5 प्रतिशत से अधिक कर दी। आईएचसी का यह बयान अदाणी समूह की ओर से इस बात पर जोर दिए जाने के तुरंत बाद आया है कि उसके चेयरमैन और उनके सहयोगियों पर अमेरिकी विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम के तहत आरोप नहीं लगाया गया है, लेकिन उन पर प्रतिभूति और वायर धोखाधड़ी सहित तीन अन्य आरोप लगाए गए हैं, जोद महज मौद्रिक जुर्माने से दंडनीय हैं। अन्य अंतरराष्ट्रीय भागीदारों ने भी अदाणी समूह के प्रति अपना निरंतर समर्थन व्यक्त किया है। श्रीलंका बंदरगाह प्राधिकरण ने अदाणी के साथ अपनी साझेदारी में अपना निरंतर विश्वास व्यक्त किया है, क्योंकि भारतीय समूह श्रीलंका में बंदरगाह के बुनियादी ढांचे के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

न फर्टिलाइजर और न केमिकल, खेती से मिलेंगी शुद्ध चीजें

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। विश्व में तापमान में वृद्धि के साथ कृषि को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। जलवायु परिवर्तन से सूखा पड़ने की घटनाएं बढ़ेंगी और कुछ भूमि कृषि योग्य नहीं रह पाएगी। इसके अलावा फर्टिलाइजर और अन्य कृषि रसायनों के उत्पादन का विस्तार किए बिना बढ़ती आबादी के लिए भोजन का इंतजाम करना भी मुश्किल होगा। मुश्किल यह है कि फर्टिलाइजर का उत्पादन बढ़ाने से कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ेगा, जो ग्लोबल वॉर्मिंग में योगदान दे रहा है। अब अमेरिका में एमआईटी के वैज्ञानिक इन मुद्दों को विभिन्न कोणों से हल कर रहे हैं।

वैज्ञानिक ऐसे पौधों के विकास में लगे हैं जो तनाव होने पर अलार्म बजाते हैं और बीजों को सूखे के प्रति अधिक सहनशील बनाते हैं। ये और भविष्य में विकसित होने वाली दूसरी तकनीक जलवायु परिवर्तन से बदलती दुनिया की आबादी को पोषित करने के लिए आवश्यक होंगी। एमआईटी के वैज्ञानिक बेनेडेटो मारेली के मुताबिक पानी के बाद पहली चीज जो हमें चाहिए, वह है भोजन।

चूंकि हम 10 अरब लोगों की दुनिया के पोषण के लिए नई रणनीतियां खोजने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए हमें खाद्य पदार्थ उत्पन्न करने के नए तरीके खोजने होंगे। MIT ने हाल ही में जलवायु परियोजना के छह मिशन शुरू किए हैं। मारेली इनमें से एक के निदेशक हैं जो उद्योग को कार्बन रहित करने और प्रतिकूल मौसमी हालात झेलने वाले शहरों के निर्माण जैसे अनुसंधान क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

बीजों की कोटिंग

मारेली सूखे की स्थिति में या पोषक तत्वों से रहित मिट्टी में बीजों को जीवित रहने और अंकुरित होने में मदद करके फसल की पैदावार बढ़ाने के तरीके विकसित कर रहे हैं। इसे हासिल करने के लिए उन्होंने बीजों के लिए रेशम और अन्य पॉलिमर पदार्थ पर आधारित कोटिंग तैयार की है, जो महत्वपूर्ण अंकुरण प्रक्रिया के दौरान बीजों को ढक सकती हैं और उन्हें पोषण दे सकती हैं।

स्वस्थ मिट्टी में पौधों को नाइट्रोजन, फॉस्फेट और अन्य पोषक तत्व मिलते हैं। इनमें से कई तत्वों की आपूर्ति मिट्टी में रहने वाले सूक्ष्म जीव करते हैं। सूखे या अत्यधिक खेती से प्रभावित मिट्टी में अक्सर इन पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। मारेली का विचार बीजों को एक ऐसे पॉलिमर से ढकना था, जिसमे पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देने वाले बैक्टीरिया को समाविष्ट किया जा सके। यह बैक्टीरिया हवा से नाइट्रोजन को लेकर इसे पौधों को देता है। ये सूक्ष्म जीव पौधों को अन्य आवश्यक पोषक तत्व भी उपलब्ध करा सकते हैं। एमआईटी में अपनी लैब में मारेली ने दिखाया कि बीज की कोटिंग अंकुरित पौधों को सूखे, अल्ट्रा वॉयलेट प्रकाश के संपर्क और उच्च लवणता से बचने में मदद कर सकती हैं।

जड़ों में बैक्टीरिया

एमआईटी के रिसर्चरों का एक मकसद फर्टिलाइजर उत्पादन में कार्बन फुटप्रिंट कम करना भी है। सिंथेटिक फर्टिलाइजर अधिकांश खेतों के लिए जरूरी है, लेकिन इसका इस्तेमाल महंगा है।

सेंसेक्स 1200 अंक लुढ़का, दिग्गज शेयरों में गिरावट से निफ्टी 360 अंक नीचे

मुंबई, 28 नवंबर (एजेंसियां)। वैश्विक शेयर बाजारों में मिले-जुले रुख के बीच इंफोसिस, आरआईएल और एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े शेयरों में भारी बिकवाली से गुरुवार को प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में शुरुआती बढ़त लगभग 1.50 प्रतिशत गिर गई।

बीएसई का सेंसेक्स 1,190.34 अंक या 1.48 प्रतिशत गिरकर 79,043.74 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,315.16 अंक या 1.63 प्रतिशत गिरकर 78,918.92 अंक पर आ गया। एनएसई निफ्टी 360.75 अंक या 1.49 प्रतिशत गिरकर 23,914.15 अंक पर आ गया।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ₹सप्ताह की मजबूत शुरुआत के बाद घरेलू बाजारों ने राहत की सांस ली। ब्याज दरों में कटौती की अनिश्चितता और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण अमेरिकी बाजार में रात भर हुई बिकवाली के कारण दिग्गज आईटी और उपभोक्ता विवेकाधीन शेयरों में गिरावट आई।

सेंसेक्स के 30 शेयरों वाले शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, अडानी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, टाइटन, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और पावर ग्रिड पिछड़ गए।

दूसरी ओर, भारतीय स्टेट बैंक एकमात्र लाभ में रहा। एशियाई बाजारों में सियोल और टोक्यो लाभ में रहे, जबकि शंघाई और हांगकांग में गिरावट रही। यूरोपीय बाजारों में तेजी रही। बुधवार को अमेरिकी बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। टेक कंपनियों में गिरावट के कारण प्रमुख अमेरिकी सूचकांक नीचे आ गए।एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 7.78 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.49 प्रतिशत बढ़कर 73.18 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बुधवार को बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स 230.02 अंक या 0.29 फीसदी चढ़कर 80,234.08 पर बंद हुआ था। निफ्टी 80.40 अंक या 0.33 फीसदी चढ़कर 24,274.90 पर बंद हुआ था।

आज सोने में गिरावट, चांदी महंगी हुई

मुंबई, 28 नवंबर (एजेंसियां)। सोने के भाव में आज यानी 28 नवंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 259 रुपए कम होकर 75,916 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोने की कीमत 76,175 रुपए प्रति दस ग्राम थी।

वहीं, चांदी के दाम में भी आज बढ़त है। ये 468 रुपए बढ़कर 88,898 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 88,430 रुपए पर थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

दिसंबर में 17 दिन बंद रहेंगे बैंक

5 रविवार और 2 शनिवार के अलावा अलग-अलग जगहों पर 10 दिन कामकाज नहीं होगा

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। नया महीना यानी दिसंबर शुरू होने वाला है। दिसंबर में बैंकों में 17 दिन कामकाज नहीं होगा। देश में कई वजहों से अलग-अलग जगहों पर 10 दिन बैंक नहीं खुलेंगे। इनके अलावा 5 रविवार और 2 शनिवार को भी बैंक बंद रहेंगे। महीने की शुरुआत रविवार (1 दिसंबर) की छुट्टी से होगी। वहीं 25 दिसंबर को क्रिसमस पर देश के ज्यादातर हिस्सों में बैंक बंद रहेंगे। यहां हम आपको दिसंबर महीने की बैंक छुट्टियों के बारे में बता रहे हैं।

आप बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और एटीएम के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा।

दिसंबर 2024 में शेयर बाजार में 10 दिन कारोबार नहीं होगा। इसमें 9 दिन शनिवार और रविवार को कारोबार नहीं होगा। इसके अलावा 25 दिसंबर को भी शेयर बाजार बंद रहेगा।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृश्चिक	मे	वृश्चिक-	05-34 बजे
चंद्र-	तुला	मे	धनु----	07-48 बजे
मंगल	कर्क	मे	मकर...	09-53 बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	कुंभ--	11-45 बजे
गुरु-	वृष	मे	मीन--	13-23 बजे
शुक्र-	धनु	मे	मेष---	14-58 बजे
शनि-	कुंभ	मे	वृष---	16-44 बजे
राहु-	मीन	मे	मिथुन-	16-44 बजे
केतु-	कन्या	मे	कर्क---	20-57 बजे
			सिंह---	23-08 बजे
			कन्या--	01-15 बजे
			तुला---	03-21 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-32 सूर्यास्त. - 17-36
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी 08-40 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण , शुक्रवार 29 November
नक्षत्र - स्वाति 10-17 तक उपरान्त विशाखा
योग - शोभन 16-32 तक उप अतिगण्ड
करण- वणिज 08-40 तक उप विष्टी
विशेष:- व्रत -त्योहार - मास शिवरात्रि

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:41 से 12:05 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल.	06:32 - 07:54 शुभ	रोग	17:36 - 19:15 अशुभ
लाभ.	07:54 - 09:17 शुभ	काल	19:15 - 20:52 अशुभ
अमृत.	09:17 - 10:41 शुभ	लाभ	20:52 - 22:28 शुभ
काल .	10:41 - 12:05 अशुभ	उत्पात	22:28 - 00:05 अशुभ
शुभ.	12:05 - 13:28 शुभ	शुभ	00:05 - 01:41 शुभ
रोग	13:28 - 14:52 अशुभ	अमृत	01:41 - 03:18 शुभ
उत्पात	14:52 - 16:15 अशुभ	चंचल.	03:18 - 04:54 शुभ
चंचल.	16:15 - 17:36 शुभ	रोग	04:54 - 06:32 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

कुछ दिनों से आपके कार्य क्षेत्र में चीज़े आपके अनुसार नहीं चल रही थी परन्तु अब कुछ सुधार आने की उम्मीद है । आपको ये याद रखना होगा की कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार रखने से आप शांति से काम में सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं । अगर आप थोड़ी सी नरमी दिखाए तो कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ आप शांत माहौल का मजा ले सकते है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

अगर आप बेरोजगार हैं, तो एक अवसर आज आपके दरवाजे पर अपनी दस्तक दे सकता है। दोनों हाथों से इसे ले । आपके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। कृपया करके मुफ्त सलाह प्रदान करने वालो से दूर रहे । आप नौकरी पाने के पश्चात अपनी ईमानदारी और समर्पण दिखाए ।आपको एक नए क्षेत्र से अवसर प्राप्त हो सकता है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आप ने हमेशा अपना कार्य भकूबी के साथ किया है और आज आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन और अनुमोदन भी जीतेंगे। आपकी ईमानदारी, रचनात्मकता और काम के प्रति समर्पण देखा जायेगा और आपको इसका पुरस्कार ,फल या उपहार भी मिलेगा । आज का दिन अपने कार्य से संबंधित प्रतिबद्धताओं का पूरा करने में व्यस्त रहेगा।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आप जो चाहते हैं , वो सब कुछ हासिल करने की आप में शक्ति है! दूसरे आप के बारे में क्या सोचते है , इस तरफ ध्यान न दे । वे लोग इस तरह का दिखावा कर सकते है , की जिससे से आप को नीचा देखना पड़े पर अंदर से वे जानते है की आप में अपार प्रतिभा है । अपने आत्म विश्वास का आनंद लें क्यों की आपका खेल खेलने से पहले ही जितना तय है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आपको अत्यधिक खर्चो का सामना करना पड़ सकता है इसलिए नहीं की वो खर्चे दूर नहीं किये जा सकते थे बल्कि इसलिए की आप खुद उन खर्चो को करना चाहते थे । यह ठीक है की आप अपने मुश्किल समय के लिए पैसे बचाते है जो की बुद्धिमता वाला काम है लेकिन आज आप अपने या अपने किसी ख़ास व्यक्ति जो आपके बहुत निकट है के लिए किसी छोटी सी पार्टी का अयोजन कर सकते है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

नए और अलग अलग कार्य करने के अवसर आज आपके रास्ते में आएंगे । आज नए ग्राहक और विभिन परियोजनाए आपके पास आ सकती है और कुछ में तो इतनी संभावना होगी की वो आपकी सपनो की या महत्वपूर्ण परियोजना बन सकती है । इस अवसर का फायदा उठाने के लिए, आपको आज अतिरिक्त मेहनत करनी होगी, और आप इसे करते हुए आनंद को महसूस करेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आप बहुत ही आराम से संवाद स्थापित कर रहे है , लेकिन कुछ लोग इसमें अड़चन डाल सकते है और उनके हस्तक्षेप की वजह से एक बहुत ही नाटकीय दृश्य आपके कार्यालय में पैदा हो सकता है। आपका दृष्टिकोण संगठन के लाभ के खिलाफ माना जाएगा , इसलिए बेहतर है की एक कदम पीछे रखे , ताकि इसका असर दुसरो पर हो । इस बीच में अपने व्यक्तिगत विकास पर ध्यान दें।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आपको अपने कार्य क्षेत्र की जटिलताओं से बचने के लिए अपने भूतकाल का ज्ञानं काफी मदद करेगा । आपका व्यावहारिक अनुप्रयोग और जल्दी सोच की क्षमता आपके वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगी जिससे नए और रोमांचक कैरियर के अवसर नजदीक आयेंगे । आप इस अवसर को न खोये और इसका भरपूर उपयोग करे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आप अपने वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए और अपने परिवार की धन वृद्धि के लिए शक्तिशाली ऊर्जा से भरे हुए हैं। आप अधिक ज्ञान को प्राप्त करने में सक्षम हो जायेंगे और जिससे आप अगली बार किसी की सेवा करने पर अधिक कमाने लायक हो जाएंगे , इस तरह से आपके हाथो में वित्तीय सुरक्षा और सफलता के लिए सभी सामग्री रहेगी ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

कार्यस्थल पर प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता आप के खिलाफ की गई कुछ कार्रवाई करने के कारण प्रभावित हो रही है! आप पर संगठन का विश्वास और गोपनीयता के उल्लंघन का आरोप लगाया जा सकता है। अपने आप को शांत बनाए रखे और अन्य लोगों की जरूरतों पर विचार करें। यह जल्द ही अपने पक्ष में होगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

यह समय अपने कार्य क्षेत्र को दिशा या बदलाव देने का उचित समय है । कुछ समय से आप अस्थिरता को महसूस कर रहे है । नए और जोश भर देने वाले अवसर आज आपके सामने आ सकते है और आपको आशावादी रहकर उन्हें पकड़ना है । यह आपके कार्य क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में मदद करेगा।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आप उस पैसे के साथ काफी लापरवाह है जो आपने अपनी जरूरत के लिए बचाया है , लेकिन आपको भविष्य में अपनी वित्तीय सुरक्षा के लिए , अपनी असाधारण आदतों को नियंत्रित करना होगा । आप अपने निवेश के बारे में एक विशेषज्ञ से परामर्श करें जो आपको धन के बारे में उचित परामर्श दे सके जिससे धन की वृद्धि हो ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

क्या राहुल गांधी दोहरी नागरिकता के शिकार हो सकते हैं?

मामले में केंद्र की ओर से जानकारियां जुटाई जा रही हैं

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'राहुल गांधी असल में ब्रिटेन की नागरिकता रखते हैं, इसलिए उनकी भारत की नागरिकता रद्द की जाए। एडवोकेट एस विग्नेश शिशिर ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर ये बात कही थी। शिशिर ने दावा किया कि राहुल के पास 'लाल रंग' का पासपोर्ट है, जिस पर ब्रिटिश सरकार की मुहर लगी है। भारत में नागरिकता कानून के तहत कोई भी व्यक्ति दोहरी नागरिकता नहीं ले सकता है।

शिशिर की याचिका पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गृह मंत्रालय से 19 दिसंबर तक बताने को कहा है कि क्या राहुल गांधी के पास दो देशों की नागरिकता है? क्या अगले 3 हफ्तों में राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता छिन सकती है; इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

मामले की शुरुआत 1 जुलाई 2024 को हुई, जब कर्नाटक के वकील और भाजपा सदस्य एस विग्नेश शिशिर ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की। याचिका में राहुल गांधी पर ब्रिटिश नागरिकता के आरोप लगाए गए। इसमें शिशिर ने 2022 के ब्रिटिश सरकार के एक कॉन्फिडेंशियल मेल का भी हवाला दिया। शिशिर ने भारतीय नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 9 (2) के तहत राहुल की भारतीय नागरिकता रद्द करने की मांग की। शिशिर की यह भी मांग है कि राहुल गांधी की संसद की सदस्यता रद्द की जाए क्योंकि लोकसभा चुनाव वही लड़ सकता है, जिसके पास भारत की नागरिकता हो। इस याचिका पर 24 अक्टूबर 2024 को पहली सुनवाई हुई। जस्टिस अता-उर-रहमान मसूदी और जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की बेंच ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल सूर्यभान पांडे ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में केंद्र की ओर से जानकारियां जुटाई जा रही हैं।

25 नवंबर को सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने गृह मंत्रालय को 3 हफ्ते में जांच के आदेश दिए। 19 दिसंबर को हाईकोर्ट में अगली सुनवाई होगी और तब तक सरकार को जवाब तैयार करना होगा।

बता दें कि 2022 में दिल्ली के वकील वीएसएस शर्मा ने ब्रिटेन के कोर्ट में राहुल गांधी को लेकर याचिका दायर की थी। इसमें ब्रिटेन सरकार से राहुल गांधी की नागरिकता पर सवाल किया गया था। जवाब में ब्रिटेन की सरकार ने शर्मा को एक कॉन्फिडेंशियल मेल भेजा। दावा किया गया कि इसमें राहुल गांधी के पास ब्रिटेन की नागरिकता होने की बात शामिल थी। शिशिर ने वीएसएस शर्मा से इस मेल की जानकारी हासिल कर ली। इस मेल में राहुल से जुड़ी पूरी जानकारी नहीं थी, क्योंकि यूके के कंट्रीज डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2018 के तहत ये डेटा पब्लिकली जारी नहीं किया जा सकता। इस डेटा को हासिल करने का एक ही तरीका है, खुद राहुल गांधी। जब तक राहुल एक लेटर लिखकर यूके की सरकार से डेटा की मांग नहीं करते, तब तक ये जानकारी नहीं मिलेगी। राहुल गांधी के दो पासपोर्ट की चर्चा 2017 से चल रही है। जब भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। स्वामी ने आरोप लगाया था कि राहुल गांधी के पास ब्रिटिश नागरिकता है। जो भारतीय संविधान के अनुसार अवैध है। स्वामी ने अपनी याचिका में यह भी कहा था कि राहुल गांधी ने ब्रिटेन में अपनी पढ़ाई के दौरान एक एडमिशन फॉर्म में खुद को ब्रिटिश नागरिक बताया था। तब दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट का कहना था कि याचिका में योग्यता की कमी है।

इससे यह साबित नहीं होता कि राहुल गांधी एक विदेशी नागरिक हैं। 2019 में स्वामी ने एक ट्वीट में कहा था कि कैमब्रिज यूनिवर्सिटी के मुताबिक राहुल गांधी का नाम 'राउल विंसी' है। राहुल नेशनल इकोनॉमिक प्लानिंग एंड पॉलिसी में फेल हो गए थे।

अगस्त 2024 में स्वामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इसमें स्वामी ने राहुल गांधी के ब्रिटिश होने का दावा किया। ये कागजात यूके की एक कंपनी के थे। इसमें कंपनी के डायरेक्टर पर राहुल गांधी का नाम लिखा था। यहां तक कि डायरेक्टर की जन्म तारीख 19 जून 1970 लिखी थी, जो राहुल गांधी की जन्मतिथि है। हालांकि, यह कंपनी 17 फरवरी 2009 में बंद हो गई थी। अगर राहुल गांधी दो पासपोर्ट केस में दोषी पाए जाते हैं, तो उन पर भारतीय संविधान के आर्टिकल 9(2) के तहत कार्रवाई की जाएगी। राहुल गांधी पर अपनी नागरिकता छिपाने और गलत जानकारी देने का केस चलेगा। नागरिकता कानून 1955 के तहत राहुल को कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन करने पर 5 साल की सजा सुनाई जा सकती है। राहुल पर 50 हजार रुपए जुर्माना या फिर सजा और जुर्माना दोनों लग सकते हैं। इसके अलावा उनकी भारतीय नागरिकता भी स्वतः खत्म हो जाएगी। लोकसभा या राज्यसभा का सदस्य बनने के लिए भारतीय नागरिकता जरूरी है। अगर राहुल की ब्रिटिश नागरिकता साबित होती है, तो उनकी लोकसभा सदस्यता अपने आप खत्म हो जाएगी। उन्हें भारतीय नागरिक के रूप में कोई भी अधिकार और फायदे नहीं मिलेंगे। फिर राहुल न तो चुनाव लड़ पाएंगे और न ही वोट डाल सकेंगे। राहुल के ब्रिटिश नागरिक होने के पुख्ता सबूत नहीं है, क्योंकि ब्रिटेन में नागरिकता देते वक्त एक शपथ समारोह का आयोजन किया जाता है। राहुल गांधी के ऐसे किसी समारोह की जानकारी नहीं है। इसलिए इस बात के चांस बढ़ जाते हैं कि वे ब्रिटेन के नागरिक नहीं है। दूसरा, अगर इलाहाबाद हाईकोर्ट से उनके खिलाफ फैसला आता है, तो उनके पास सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का ऑप्शन होगा। अगर कोई भारतीय व्यक्ति किसी दूसरे देश की नागरिकता लेता है, तो उसकी भारतीय नागरिकता अपने आप ही खत्म हो जाती है। हालांकि, विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों को इसमें कुछ छूट है। देश से बाहर रहने के लिए किसी भी नागरिक को ओवरसीज सिटिजनशिप ऑफ इंडिया यानी ओसीआई के तहत आवेदन करना पड़ता है। इसके बाद भारत सरकार एक ओसीआई कार्ड जारी करती है।

बैंक-मैनेजर ने स्ट्रीट-डॉग को कार से कुचला

दुर्ग में 500 मीटर तक घसीटा, कुत्ते की मौत अफसर को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

भिलाई, 28 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भिलाई के जुनवानी इलाके में एक स्ट्रीट डॉग को बैंक मैनेजर ने कार से कुचल दिया। कुत्ते को 500 मीटर तक घसीटने का वीडियो भी सामने आया है। अब शिकायत के बाद पुलिस ने दुर्ग एचडीएफसी बैंक मैनेजर अखिल कुमार द्विवेदी को गिरफ्तार कर लिया है। न्यायिक हिरासत पर जेल भेज दिया गया है।

दरअसल, रविवार 24 नवंबर की शाम करीब 4:05 बजे जुनवानी रोड और डीमार्ट बायपास को जोड़ने वाली सड़क पर एक स्ट्रीट डॉग डिवाइडर किनारे सो रहा था। इसी दौरान कार सीजी 07 सीटी 3678 ने उसे रौंद दिया। कुत्ते को कुचलते हुए कार आगे निकल गई। इस दौरान कुत्ता कार के अगले पहिए में फंस गया, लेकिन ड्राइवर ने कार नहीं रोकी। फिर कुछ दूर आगे जाकर कार रोकी, कुत्ते को बाहर निकाला और उसे तड़पता छोड़कर भाग गया। सूचना मिलने पर स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। कुत्ते को इलाज के लिए ले गए। कुछ घंटों तक तड़पने के बाद कुत्ते ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद से स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। स्मृति नगर पुलिस ने कार चालक के खिलाफ बीएनएस325 और 281 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

एसपी दुर्ग जितेंद्र शुक्ला ने तुरंत मामले में कार्रवाई करने के लिए स्मृति नगर पुलिस को निर्देशित किया। पुलिस ने गाड़ी नंबर के आधार पर चालक का पता किया। फिर एचडीएफसी बैंक दुर्ग में ब्रांच मैनेजर अखिल कुमार द्विवेदी को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी कार को भी जब्त कर लिया गया है।

क्लास-रूम में सोने वाली टीचर से 25 हजार की डिमांड

छत्तीसगढ़ में मंत्रालय का अफसर बनकर ठगों ने किया कॉल, बोला-पैसे नहीं दिए तो होंगी सस्पेंड

बिलासपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के सरकारी स्कूल के क्लास रूम में सोने वाली टीचर को धमकी भरे कॉल किए जा रहे हैं। फोन करने वाला खुद को मंत्रालय का अफसर बताकर 25 हजार रुपए की डिमांड कर रहा है, पैसे नहीं देने पर सस्पेंड करने की चेतावनी दी है। अब स्कूल की हेडमास्टर ने सीपत थाने में शिकायत की है। दरअसल, एक सप्ताह पहले मस्तूरी ब्लॉक के बरेली के प्राइमरी स्कूल की टीचर रामेश्वरी कैवर्त्य का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसमें वो क्लास रूम में सो रही थी। टीचर वीडियो बनाने वाले को कह रही थी कि, मुझे अच्छा नहीं लग रहा है। सुबह से तबीयत ठीक नहीं है, पता नहीं मौसम की वजह से हाथ-पैर में दर्द हो रहा है। टीचर युवक को वीडियो बनाने से भी रोकती दिख रही है। वहीं, क्लास रूम में टीचर के सोते हुए वीडियो वायरल होने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने जांच के आदेश दिए हैं। वहीं जांच अधिकारी को टीचर ने अपना मेडिकल रिपोर्ट और बयान भी दिया है। हेडमास्टर लक्ष्मी माल्या ने भी कहा है कि, टीचर की तबीयत खराब थी। लंच के दौरान आराम कर रही थीं। स्कूल की हेडमास्टर लक्ष्मी माल्या ने सीपत थाने में वीडियो रिकार्डिंग दी है। उन्होंने बताया कि, टीचर के सोने का वीडियो वायरल होने के बाद अनजान नंबर से उन्हें और टीचर को लगातार कॉल किया जा रहा है। कॉल करने वाला खुद को मंत्रालय का अधिकारी अतुल शर्मा बता रहा है। वो हेडमास्टर और टीचर को सस्पेंड और बर्खास्त करने की धमकी देकर 25 हजार रुपए की डिमांड कर रहा है। हेडमास्टर ने इस मामले की जांच करने और धमकी देकर पैसों की मांग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। एडिशनल एसपी सिटी राजेंद्र जायसवाल का कहना है कि, साइबर फ्रॉड करने वाले गिरोह के लोग कई तरीके से ठगी करते हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद साइबर ठगों ने हेडमास्टर और टीचर को कॉल किया होगा। जिन नंबर से कॉल किया गया है, उसकी तकनीकी जांच की जा रही है। जांच के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि, इस तरह से अनजान नंबर से आने वाले कॉल को इग्नोर करें और सावधानी बरतें।

हाइवा पर फायरिंग

कोयला ढुलाई में लगी थी गाड़ी, कई खोखा बरामद, कोई हताहत नहीं

लातेहार, 28 नवंबर (एजेंसियां)। लातेहार में गुरुवार की अहले सुबह मगध से अडानी पावर प्लांट के लिए कोयला ढुलाई कर रहे हाइवा पर अपराधियों ने फायरिंग कर दी। घटना बालूमाथ थाना क्षेत्र के बसिया रेलवे ब्रिज के निकट साईं कृपा कैंप के पास हुई। हालांकि इस गोलीबारी की घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार, अपराधियों ने करीब एक दर्जन से अधिक राउंड गोली चलाई है। इधर, गोलीबारी की सूचना मिलते ही बालूमाथ पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने मौके से कई खोखा भी बरामद किया है। फायरिंग की घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। मालूम हो कि 19 नवंबर को जेपीसी उग्रवादियों ने तुबेद कोल माइंस से कोयला ट्रांसपोर्टिंग में लगे पांच हाइवा को आग लगा दिया था। इससे 40 घंटे कोयले की ट्रांसपोर्टिंग बंद हो गई थी। 24 नवंबर की अगले सुबह एक बार फिर इसी कॉल माइंस से कोयला लेकर जा रहे हाइवा पर गोलीबारी की गई थी। इससे एक हाइवा असंतुलित होकर पलट गई थी। इससे चालक विकास कुमार घायल हो गया था।

एम्स में लड़के-लड़कियों को कमरे में बंदकर रैगिंग

भद्दी गालियां दी, बेहोश होकर गिरे स्टूडेंट्स, गार्ड्स के सामने ठिठुरते ठंड में किया खड़ा

रायपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर के पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के बाद अब एम्स में जूनियर स्टूडेंट्स से रैगिंग की गई है। आरोप है कि, रात 12 बजे से एमबीबीएस-2023 बैच के जूनियर स्टूडेंट्स (लड़के-लड़कियों) को बंद कमरे में बुलाया गया। अंदर से खिड़की दरवाजे, पंखे बंद कर दिए गए। दम घुटने से कई लड़कियां बेसुध होकर जमीन पर गिर गईं। इस दौरान सीनियर्स उन्हें गालियां देते रहे। इसके बाद भी मन नहीं भरा तो आरोपी सीनियर्स स्टूडेंट रात 2 बजे जूनियर्स को बास्केट ग्राउंड में लेकर गए। उन्हें कड़ाके की ठंड में टी-शर्ट में ही खड़ा कराया। वहां मौजूद एम्स के प्राइवेट सिक्योरिटी गॉर्डस भी यह सब देख रहे थे। करीब साढ़े 3 बजे रात को स्टूडेंट्स को वापस जाने दिया गया। इसका खुलासा तब हुआ जब रैगिंग से तंग आकर एक पीड़ित स्टूडेंट ने सुप्रीम कोर्ट की वकील और सेव एनजीओ (सोसाइटी अगेंस्ट वॉयलेंस इन एजुकेशन) की लीगल हेड मीरा कौर पटेल को ई-मेल पर शिकायत भेजी। मीरा ने वीडियो के जरिए बताया कि, उनके पास किसी अज्ञात स्टूडेंट का ई-मेल आया। जिसमें बताया गया कि, 15-16 नवंबर 2024 की रात एम्स में सामूहिक रैगिंग की गई है। वकील मीरा ने बताया कि, रात करीब 2 बजे सभी स्टूडेंट को बास्केटबॉल ग्राउंड पर लाया गया, कड़ाके की ठंड में उन्हें टी-शर्ट पहनाकर खड़ा किया गया। ये फेस्ट की टी शर्ट थी। इस दौरान सभी के फोन टेबल पर रखवा दिए गए थे। उसके बाद गालियां और धमकियां दी गई। इस दौरान एम्स की महिला और पुरुष सिक्योरिटी गार्ड्स चुपचाप खड़े होकर सब कुछ देखते रहे, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। बताया जा रहा है कि, ट्रिमर से जूनियर स्टूडेंट को चेहरे के बाल हटाने की धमकी दी है। उन्हें शेविंग कराने के लिए कहा गया। रात करीब 3:30 तक यह सब चलता रहा। उसके बाद उन्हें वापस जाने के अनुमति दी गई। ई-मेल के मुताबिक, पीड़ित स्टूडेंट्स ने बताया कि, इस घटना के बाद कई लोग बुरी तरह मानसिक रूप से प्रताड़ित हैं। इस ई-मेल में कुछ स्टूडेंट्स को जिम्मेदार भी ठहराया गया है। वकील मीरा ने कहा कि, रैगिंग का अपराध गंभीर मामलों की श्रेणी में आता है। रायपुर एम्स में जो घटित हुआ उसमें कई स्टूडेंट की जान को भी खतरा था। जो बीएनएस कानूनों के अपराधों में आता है। इस ईमेल को देखकर लग रहा है कि एम्स प्रबंधन ने मामले को बिल्कुल भी गंभीरता से नहीं लिया है। इससे और ज्यादा चांसेस है कि रैगिंग बढ़ेगी। पीड़ित ने एंटी रैगिंग हेल्पलाइन में भी शिकायत की है। मीरा ने कहा कि, रैगिंग एक संज्ञेय अपराध है। जिसमें वारंट के बिना पुलिस गिरफ्तारी कर सकती हैं।

नान घोटाला, पूर्व महाधिवक्ता सतीश को एचसी से भी राहत नहीं

बिलासपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ नान घोटाला केस के आरोपी और पूर्व महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा के खिलाफ एफआईआर पर उनके वकील ने सवाल उठाए हैं। राज्य शासन के प्रावधान के अनुसार, किसी भी महाधिवक्ता के खिलाफ बिना अनुमति एफआईआर दर्ज करना गलत है। लिहाजा, उन्हें अग्रिम जमानत दी जानी चाहिए।

हालांकि, हाईकोर्ट ने उन्हें अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया है। वहीं, इस मामले में राज्य शासन से दो सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। केस की अगली सुनवाई अब दो सप्ताह बाद होगी। दरअसल, 4 नवंबर को ईओडब्ल्यू/एसीबी ने सतीश चंद्र वर्मा के अलावा रिटायर्ड आईएएस डॉ आलोक शुक्ला और रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा के खिलाफ भी केस दर्ज किया है। आरोप है कि, तीनों ने प्रभावों का दुरुपयोग कर गवाहों को प्रभावित करने का प्रयास किया है। इसी मामले में 2019 में ईडी ने भी केस दर्ज किया है, जिसकी जांच चल रही है। पूर्व महाधिवक्ता पर आरोप है कि उन्होंने तत्कालीन अफसरों के साथ मिलकर आरोपियों को बचाने आपराधिक षडयंत्र किया है। यह भी आरोप है कि उन्होंने दोनों आरोपी अफसर और जज के बीच संपर्क बनाए हुए थे। पूर्व महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा ने ईओडब्ल्यू/एसीबी की एफआईआर के बाद अग्रिम जमानत के लिए रायपुर की स्पेशल कोर्ट में जमानत अर्जी लगाई थी। जिसमें उन्होंने गिरफ्तारी से पहले जमानत देने की मांग की थी। इस दौरान लंबी बहस चली, जिसके बाद स्पेशल कोर्ट की जज निधि शर्मा ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

युवती का मिला शव, पास में मिली शक्तिवर्धक दवाइयां

जमशेदपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। सरायकेला जिले के राजनगर मार्ग स्थित राधा स्वामी सत्संग के पास खरकाई नदी किनारे एक युवती का क्षत-विक्षत शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ समीर सवैया और सरायकेला थाना प्रभारी सतीश बरनवाल दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में यह मामला दुष्कर्म के बाद हत्या का प्रतीत हो रहा है। घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर शराब की बोतलें और शक्ति वर्धक दवाइयां बरामद हुई हैं। शव को देखकर अनुमान है कि युवती को दुष्कर्म के बाद करीब 50 मीटर तक घसीटा गया और फिर पत्थर से कूचकर हत्या कर दी गई। पुलिस को आशंका है कि इस घटना में एक से अधिक व्यक्ति शामिल हो सकते हैं। हालांकि, मृतका की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। स्थानीय ग्रामीणों से पूछताछ के बावजूद किसी ने युवती को पहचानने से इनकार कर दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

कांग्रेस नेता हरितवाल और पूर्व मेयर में धक्का-मुक्की, गाली-गलौज

बिलासपुर जिला अध्यक्ष ने पहले बताया घर का मामला, फिर राजेश पांडेय को दिया नोटिस

बिलासपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर कांग्रेस भवन में बुधवार को पीसीसी चीफ दीपक बैज की मौजूदगी में कांग्रेस नेता आपस में भिड़ गए। इस दौरान प्रदेश महामंत्री सुबोध हरितवाल और पूर्व महापौर राजेश पांडेय ने जमकर गाली-गलौज की। इसका वीडियो सामने के बाद जिला कांग्रेस कमेटी ने राजेश पांडेय को शोकॉज नोटिस जारी किया है।

सुबोध हरितवाल और राजेश पांडेय के बीच धक्कामुक्की और विवाद बढ़ता देखकर मौके पर मौजूद कांग्रेस नेताओं ने बीच-बचाव किया, लेकिन उसके बाद भी दोनों बवाल करते रहे। मामले में बिलासपुर कांग्रेस जिला अध्यक्ष विजय पांडेय ने कहा था कि कांग्रेस जिंदा लोगों की पार्टी है, इसलिए गहमा-गहमी होती रहती है। मैं इसे विवाद नहीं मानता, यह एक स्वस्थ चर्चा है। यह परिवार का अंदरूनी मामला है, जिसे सुलझा लिया गया है। भाजपा जिलाध्यक्ष रामदेव कुमावत ने कहा कि कांग्रेस की संस्कृति में ही झगड़ा और फसाद है। कांग्रेस के सीनियर नेताओं की पूछ परख नहीं हो रही है और उनकी बातें तक नहीं सुनी जा रही है। जिसके चलते लगातार सीनियर लीडर पार्टी छोड़ कर जा रहे हैं। कांग्रेस भवन में हुए विवाद से एक बार फिर स्पष्ट हो गया है कि सीनियर नेताओं को अपमानित किया जा रहा है और उनको तवज्जो नहीं दी जा रही है। दुर्भाग्य है कि इस बार मामला गाली-गलौज तक पहुंच गया। पीसीसी चीफ दीपक बैज नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी को लेकर संगठन के पदाधिकारियों के साथ चर्चा कर रहे थे। इस दौरान पूर्व महापौर राजेश पांडेय ने कहा कि बिलासपुर में भाजपा सहित हिंदूवादी नेता कांग्रेस विधायक को लगातार घेरने की कोशिश कर रहे हैं। राजेश पांडेय ने कहा कि बिना मुद्दे के कांग्रेस नेता के खिलाफ बयानबाजी भी कर रहे हैं, लेकिन संगठन के लोग बयानबाजी पर पक्ष तक नहीं लेते। इसी बात को लेकर दोनों नेताओं में बहस और धक्का-मुक्की हुई। दीपक बैज और विधायक अटल श्रीवास्तव ने दोनों को शांत कराया। वहीं विवाद से पहले बैठक में दीपक बैज ने कहा कि निकाय चुनाव के लिए प्रत्येक वार्डों में सिंगल नाम का पैनल बनाकर भेजें। प्रत्याशी का नाम बूथ लेवल से आए तो ज्यादा अच्छा है।

इलाज के लिए रात भर तड़पे बिरसा मुंडा के परपोते

रिम्स में ना रातभर बेड मिला ना इलाज, एंबुलेंस में ही देना पड़ा ऑक्सीजन

रांची, 28 नवंबर (एजेंसियां)। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के परपोते मंगल मुंडा इलाज के लिए रांची के रिम्स के बाहर रातभर तड़पते रहे। पूरा परिवार इलाज के लिए इधर-उधर भटकता रहा। अस्पताल प्रबंधन ने ना बेड दिया और ना इलाज किया। इससे उनकी स्थिति गंभीर हो गई। यह दावा मंगल मुंडा के भाई जंगल सिंह मुंडा ने भास्कर से किया है। उन्होंने हादसे वाली रात की पूरी कहानी बताई है। जंगल सिंह मुंडा ने बताया- 25 नवंबर को हम लोग रात 10 बजे रिम्स पहुंचे थे। हम लोगों ने ट्रॉली मैन से कहा- ऑक्सीजन वाला बेड चाहिए। पर उसने कहा- बेड खाली नहीं है। फिर हम लोगों ने एंबुलेंस में ही मंगल मुंडा को ऑक्सीजन लगवाया। एंबुलेंस में दो ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर आए थे। फिर हम लोगों ने उसी एंबुलेंस में रात काटी। उन्होंने बताया- डॉक्टरों ने इमरजेंसी में भी भर्ती नहीं किया। रातभर मरीज गाड़ी में ही रहे। डॉक्टरों ने जांच तक नहीं की। 26 नवंबर की सुबह करीब 7 बजे पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने किसी को फोन किया। उसके बाद रिम्स प्रबंधन ने संज्ञान लिया। तब डॉक्टरों ने जांच शुरू की। मंगल मुंडा इलाज के लिए रातभर तड़पते रहे। अगर शुरुआत से ही इलाज शुरू हो जाता तो इस तरह की स्थिति नहीं होती। हमने सीएमओ में भी बात की, पर उनका कहना था- हम क्या कर सकते हैं। कोई बेड खाली नहीं है। हम रात भर इधर-उधर घूमते रहे पर इलाज शुरू नहीं हो सका। 26 नवंबर को बिरसा मुंडा के परपोते की घटना की खबरें मीडिया में आई तो प्रशासन सक्रिय हुआ। कार्यवाहक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगल मुंडा के इलाज के लिए जरूरी निर्देश दिए। इसके बाद भी डॉक्टरों ने मंगल मुंडा के परिजनों से करीब 15 हजार रुपए की दवा खरीदवा ली। दरअसल, 25 नवंबर की देर शाम खूंटी तमाड़ रोड में रूताडीह के पास सड़क हादसा हुआ था। बिरसा मुंडा के परिजन सहित कई लोग एक टाटा मैजिक के ऊपर में बैठे थे। टाटा मैजिक गाड़ी जैसे ही मोड़ के पास पहुंची, अनियंत्रित होकर पलट गई। इसी हादसे में मंगल मुंडा की गंभीर स्थिति हो गई है। मंगल मुंडा को 25 नवंबर की रात रिम्स लाया गया था।

कॉन्क्रीट के स्लैब के हमले से 25 वर्षीय महिला की मौत

सरायकेला, 28 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में एक 25 वर्षीय महिला की कॉन्क्रीट के स्लैब से कुचलकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने कहा कि आरोपी की अभी पहचान नहीं हो पाई है। मृतका की लाश उन्हें गुरुवार सुबह ही खरखई नदी में मिली। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में आरोपी की तलाश तेज हो गई है। फिलहाल घटनास्थल के पास सीसीटीवी कैमरों से मिले फुटेज को खंगाला जा रहा है ताकि ज्यादा जानकारी जुटाई जा सके।

गुरु घासीदास तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व में गूंजेगी बाघ की दहाड़

विभाग के एक्शन पर सीएम साय ने दी बधाई

रायपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। कसडोल के पारस नगर सेक्टर से रेस्क्यू किए गए बाघ की दहाड़ अब गुरू घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व में गूंजेगी। वन विभाग के अधिकारियों ने रेस्क्यू किए गए बाघ को बुधवार को गुरूघासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में छोड़ दिया है। गुरू घासीदास तमोर पिंगला छत्तीसगढ़ का नया टाइगर रिजर्व है। बलौदाबाजार वनमंडल के कसडोल तहसील में बीते 8 माह से बारनवापारा वन क्षेत्र में विचरण कर रहे एक नर बाघ के कसडोल तहसील के ग्राम कोट पहुंचने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम ने बाघ का रेस्क्यू किया था। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) के निर्देश पर इस बाघ को नवगठित गुरू घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में सुरक्षित रूप से छोड़ दिया गया। इस अवसर पर मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व रायपुर समेत कई अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि वन विभाग के अधिकारियों द्वारा रेस्क्यू किए गए बाघ को आज सुरक्षित तरीके से गुरूघासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में बाघों के संरक्षण और संवर्धन के लिए ही भारत सरकार की ओर से 'गुरू घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व' के रूप में एक नया टाइगर रिजर्व घोषित किया गया है। सीएम ने कहा कि टाइगर रिजर्व देश का 56वां टाइगर रिजर्व है। छत्तीसगढ़ सरकार ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की सलाह पर छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरिया, सूरजपुर और बलरामपुर जिलों में गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व को अधिसूचित किया।

ट्रम्प कैबिनेट में नॉमिनेट मंत्रियों-अफसरों को मिली जान की धमकी

इनमें रक्षा, लेबर, आवास के लिए नॉमिनेट मंत्री शामिल, जांच में जुटी एफबीआई

वॉशिंगटन, 28 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के नए प्रशासन के लिए चुने गए कई लोगों को मंगलवार-बुधवार को जान की धमकियां मिली हैं। सीएनएन के मुताबिक रक्षा, आवास, कृषि, लेबर डिपार्टमेंट की जिम्मेदारी जिन्हें मिलने वाली हैं, उन्हें ये धमकियां मिलीं। ट्रम्प कैबिनेट में नई प्रेस सचिव के रूप में चुनी जाने वालीं कैरोलिन लेविट ने कहा कि फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने इसकी जांच शुरू कर दी है। हालांकि, लेविट ने यह नहीं बताया कि किन लोगों को ये धमकियां मिली हैं।

राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वे इन राजनीतिक हिंसा की धमकियों की निंदा करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जिन लोगों को धमकियां मिली हैं, उनमें से किसी को भी अमेरिकी सीक्रेट एजेंसी से सुरक्षा नहीं मिली हुई है।

एफबीआई ने कहा कि वे इन धमकियों को गंभीरता से ले रहे हैं। बम धमकियों के साथ कुछ 'स्वैटिंग' के मामले भी सामने आए हैं। स्वैटिंग अमेरिका की 'स्पेशल वेपन एंड टैक्टिक्स (एसडब्ल्यूएटी)' से जुड़ा है। इसमें खतरे की झूठी जानकारी देकर कॉल किए जाते हैं और पीड़ित के घर पर एसडब्ल्यूएटी टीम को भेज दिया जाता है। एफबीआई ने भी यह नहीं बताया कि किन लोगों को धमकियां मिली हैं।

एलिस स्टेफनिक के घर को उड़ाने की धमकी मिली

रिपब्लिकन नेता एलिस स्टेफनिक पहली शख्स थीं, जिन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि उनके घर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। ट्रम्प ने स्टेफनिक को यूनाइटेड नेशन में राजदूत के लिए चुना है। स्टेफनिक ने कहा कि वह अपने पति और तीन साल के बेटे के साथ वॉशिंगटन से साराटोगा काउंटी जा रही थीं। तभी उन्हें ये धमकी मिली। रिपोर्ट के मुताबिक अब तक 8 लोग धमकी मिलने का दावा कर चुके हैं। रक्षा मंत्री के लिए मनोनीत पीट हेगसेथ ने भी सोशल मीडिया पर दावा किया कि उन्हें भी धमकी दी गई। उन्होंने कहा कि वे ऐसी धमकी से डरने वाले नहीं हैं। पर्यावरण संरक्षण एजेंसी चीफ के लिए चुनी गईं ली जेल्डिन ने कहा कि उनके घर को पाइप बम से उड़ाने की धमकी दी गई। धमकी में फिलिस्तीन के समर्थन में संदेश लिखे गए थे। जिस वक्त धमकी दी गई, उनकी फैमिली घर पर नहीं थी। डीबीआई के पूर्व डायरेक्टर ने कहा कि 90% धमकियां बेअसर रहती हैं, लेकिन किसी भी धमकी की नजरअंदाज किया जाना खतरनाक हो सकता है।

रूस ने यूक्रेन पर 188 मिसाइलें-ड्रोन दागे

दावा- एनर्जी ठिकानों को निशाना बनाया, 10 लाख लोग बिना बिजली 0 डिग्री तापमान में रहने को मजबूर

कीव, 28 नवंबर (एजेंसियां)। रूस ने 188 मिसाइल्स और ड्रोन से यूक्रेन के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला किया है। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री ने बताया, हमले की वजह से देश में ऊर्जा के लगभग सारे साधन ठप पड़ गए हैं। यूक्रेन में लगभग 10 लाख लोगों को 0 डिग्री तापमान में बिना बिजली के रात गुजारनी पड़ी। हालांकि, अभी तक रूस ने इस बारे में कोई बयान नहीं दिया। यूक्रेनी ऊर्जा मंत्री हरमन हालुशेंको का कहना है कि, यूक्रेन में एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर अटैक हो रहे हैं, इस वजह से नेशनल पावर ग्रिड के ऑपरेटर ने इमरजेंसी बिजली कटौती शुरू कर दी है। कीव, ओडेसा, निप्रो और डोनेट्स्क में बिजली सप्लाई में मुश्किल हो रही है। रूस ने फरवरी 2022 के बाद से कई बार यूक्रेन के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला किया है, इस वजह से बार-बार देश भर में इमरजेंसी बिजली कटौती और रोलिंग ब्लैकआउट की स्थिति पैदा हुई है। रूस की तरफ से यूक्रेन की राजधानी कीव पर भी हवाई हमले जारी हैं। खास बात यह है कि रूस अब ड्रोन की जगह मिसाइल से अटैक कर रहा है।

अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने पर भड़का हिंदू-अमेरिकी समूह

बांग्लादेश के खिलाफ प्रतिबंध की मांग की

वॉशिंगटन, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा। उपद्रवी कभी मंदिरों तो कभी उनके घरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। हाल ही में हिंदुओं के जाने-माने नेता चिन्मय कृष्ण दास को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद से यहां लगातार तनाव जारी है। अब ढाका में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने पर अमेरिका में भी गुस्सा भड़क गया है। यहां कई हिंदू-अमेरिकी समूहों ने मांग की है कि दक्षिण एशियाई देश के लिए अमेरिकी सहायता इस शर्त पर निर्भर होनी चाहिए कि वहां की सरकार इन आबादियों की सुरक्षा के लिए ठोस कार्रवाई करे।

बता दें कि बांग्लादेश में कई महीनों से तनाव का माहौल है। हालात ऐसे हो गए कि इस साल पांच अगस्त को शेख हसीना को पीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा और देश छोड़कर भागना पड़ा। इसके बाद भी हिंदुओं भी इस हिंसा की चपेट में आने लगे। अक्तूबर के महीने में चटगांव में हजारों बांग्लादेशी हिंदुओं ने अपने अधिकार और सुरक्षा की मांग को लेकर सड़कों पर प्रदर्शन किया था। यहां 17 करोड़ की आबादी का केवल आठ प्रतिशत हिंदू हैं। पांच अगस्त से अबतक 50 जिलों में 200 से अधिक हमले हो चुके हैं। इस हफ्ते हालात तब और बिगड़ गए जब हिंदू आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास को राजद्रोह के मामले में गिरफ्तार किया गया। बाद में एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया और जेल भेज दिया। इससे राजधानी ढाका और बंदरगाह शहर चटगांव सहित विभिन्न स्थानों पर समुदाय के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बता दें, दास इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के सदस्य थे और उन्हें हाल ही में निष्कासित कर दिया गया था।

विश्व हिंदू परिषद अमेरिका (वीएचपीए) के अध्यक्ष अजय शाह ने कहा कि दास की गिरफ्तारी, चटगांव के काली मंदिर में तोड़फोड़ और पूरे बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते हमलों की खबरें परेशान करने वाली हैं।

उन्होंने पूछा, 'क्या यह मानवाधिकार की विरासत है, जिसके लिए बाइडन प्रशासन याद किया जाना चाहता है।' विहिप के महासचिव अमिताभ मित्तल ने कहा, 'बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ चल रहे अत्याचारों के बारे में वैश्विक मीडिया की चुप्पी चौंकाने वाली है। इस्कॉन के एक पुजारी की हालिया गिरफ्तारी और हिंदू मंदिरों पर हिंसक हमले धार्मिक असहिष्णुता में खतरनाक वृद्धि को दर्शाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये घटनाएं भेदभाव का एक बड़ा पैटर्न है।

उन्होंने आगे कहा, 'अंतरराष्ट्रीय निंदा की कमी केवल अपराधियों को बढ़ावा देती है और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और स्वतंत्रता को खतरा पैदा करती है।' नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लिखे एक खुले पत्र में 'हिंदूज फॉर अमेरिका फर्स्ट' (एचएफएएफ) ने बांग्लादेश में बीजिंग की महत्वाकांक्षाओं से जुड़ी परियोजनाओं के लिए अमेरिकी वित्तपोषण रोकने और अमेरिका एवं उसके सहयोगियों को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाने वाली पहलों को प्राथमिकता देने की सिफारिश की है। एचएफएएफ के संस्थापक और अध्यक्ष उत्सव संदूजा ने कहा, 'बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध और ईसाई समुदायों ने व्यवस्थित हिंसा और भेदभाव का सामना किया है। हम विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि आपका प्रशासन बांग्लादेशी सरकार पर अमेरिकी सहायता को निर्भर करता है जो इन आबादी की रक्षा के लिए कार्रवाई कर रही है। करदाताओं को कभी भी उन सरकारों का समर्थन नहीं करना चाहिए जो अपने सबसे कमजोर नागरिकों की रक्षा करने में नाकाम रहते हैं। उन्होंने दावा किया कि कुछ बांग्लादेशी अधिकारियों के जमात-ए-इस्लामी और हिफाजत-ए-इस्लाम जैसे चरमपंथी समूहों से संबंध हैं और ये संबंध अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा हैं।

चार साल पहले मेटा ने ट्रंप पर लगाया था प्रतिबंध

अब खुद ही उनके घर डिनर पर पहुंचे कंपनी के मालिक जुकरबर्ग

वॉशिंगटन, 28 नवंबर (एजेंसियां)। मेटा के मालिक मार्क जकरबर्ग ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फ्लोरिडा स्थित मार-ए-लागो एस्टेट पर बुधवार को डिनर किया। बताया गया है कि इस दौरान जकरबर्ग ने ट्रंप के साथ रिश्ते सुधारने के लिए उन्हें कई प्रस्ताव भी दिए। राष्ट्रपति के एक सलाहकार ने बताया कि अरबपति टेक कारोबारी जकरबर्ग अगले राष्ट्रपति के साथ मिलकर अमेरिका का राष्ट्रीय नवीनीकरण करना चाहते हैं। बता दें कि चार साल पहले राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की हार के बाद कैपिटल हिल पर हुई हिंसा को लेकर अधिकतर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने ट्रंप पर प्रतिबंध लगा दिए थे। इनमें फेसबुक और इंस्टाग्राम भी शामिल थे, जो कि जकरबर्ग की कंपनी मेटा का ही हिस्सा हैं। इस घटनाक्रम के बाद से ही ट्रंप ने अपना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल शुरू किया था। माना जा रहा है कि जकरबर्ग अब ट्रंप के साथ रिश्तों को बेहतर करना चाहते हैं। इसी के मद्देनजर इस साल अमेरिका में हुए राष्ट्रपति चुनाव में जकरबर्ग ने अपनी पसंद का खुलासा नहीं किया। अब उनका ट्रंप से मिलने के लिए उनके आवास पर जाना भी नवनिर्वाचित राष्ट्रपति से संबंध बेहतर करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। मेटा के एक प्रवक्ता ने बुधवार को कहा, ट्रंप की तरफ से डिनर के न्योते और उनसे मुलाकात को लेकर जकरबर्ग काफी शुक्रगुजार हैं। प्रवक्ता ने कहा कि यह अमेरिका में नवोन्मेष के भविष्य के लिए सबसे अहम समय है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस डिनर में एलन मस्क शामिल थे या नहीं। दरअसल, मस्क और जकरबर्ग का रिश्ता भी काफी सुर्खियों में रहा है।

विद्रोही गुट का मिलिट्री बेस पर कब्जा

हथियार और वाहन छीने, 89 लोगों की मौत, अलकायदा के फिर हावी होने का डर

दमिश्क, 28 नवंबर (एजेंसियां)। सीरिया में विद्रोही गुटों के हमले में बुधवार को 89 लोग मारे गए। ये पिछले 4 साल में विद्रोहियों की तरफ से किया गया सबसे बड़ा हमला था। उन्होंने सीरियाई आर्मी के एक मिलिट्री बेस पर भी कब्जा कर लिया है। जिन गुटों ने बुधवार को हमला किया उनमें से एक संगठन हयात तहरीर अल-शम को अल कायदा का समर्थन हासिल है। ये आतंकी संगठन सीरिया के बड़े शहरों में से एक अलेप्पो में साढ़े 9 किलोमीटर तक घुस चुके हैं। इसके लड़ाकों ने बशर अल असद की सरकार के समर्थन वाली सेना के हथियारों और वाहनों पर कब्जा कर लिया है। सीरिया के विद्रोही गुटों ने टेलीग्राम पर दावा किया है कि उन्होंने सीरियाई सरकार के 46 सैन्य अड्डों को कब्जे में ले लिया है। वे सिर्फ 10 घंटों के भीतर अलेप्पो शहर के कई गांव पर कब्जा करने में कामयाब रहे हैं। हालांकि सीरियाई सरकार ने इन दावों पर कुछ नहीं कहा है। 2011 में अरब क्रांति के साथ ही सीरिया में गृहयुद्ध की शुरुआत हुई थी। साल 2000 से सीरिया के सत्ता में काबिज बशर अल असद की तानाशाही सरकार के खिलाफ लोकतंत्र समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए थे। इसके बाद एक फ्री सीरियन आर्मी के नाम से एक विद्रोही गुट तैयार हुआ। विद्रोही गुट के बनने के साथ ही सीरिया में गृहयुद्ध की शुरुआत हो गई थी। इसमें अमेरिका, रूस, ईरान और सउदी अरब के शामिल होने के बाद ये संघर्ष और बढ़ता गया। इस बीच यहां आतंकवादी संगठन आईएसआईएस ने भी अपने पैर पसार लिए थे। 2020 के सीजफायर समझौते के बाद यहां सिर्फ छुटपुट झड़प ही हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक एक दशक तक चले गृहयुद्ध में 3 लाख से ज्यादा लोग मारे गए थे। इसके अलावा लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा था। 1986 में यूएनईएससीओ से वैश्विक धरोहर का दर्जा हासिल करने वाला और दुनिया के सबसे पुराने शहरों में से एक अलप्पो शहर 2012 के आते-आते सीरिया के गृह युद्ध की अहम जगह बन गया था।

सीरिया का अलेप्पो शहर न सिर्फ वैश्विक धरोहर बल्कि देश की अर्थव्यवस्था का केंद्र भी था, खूबसूरत मस्जिदों और कलाकृतियों से सजा हुआ यह शहर देखते ही देखते अपनों के हाथों ही तबाह हो गया। जुलाई 2012 तक अलेप्पो दो हिस्सों में बंट चुका था, जिसका एक हिस्सा फ्री सीरियन आर्मी के पास था और दूसरा बशर अल-असद के कब्जे में। सरकार की मदद करने वाले देशों में रूस, ईरान, इराक, अफगानिस्तान, लेबनान और पाकिस्तान शामिल था। वहीं विद्रोहियों को अमेरिका, सऊदी अरब और तुर्किये से मदद मिल रही थी। सरकार के हवाई हमलों में वह सारी खूबसूरत कलाकृतियां मस्जिद और सांस्कृतिक धरोहर खो गई जिसके लिए यह शहर जाना जाता था।

मलेशियाई अरबपति आनंद कृष्णन का निधन

तेल, गैस, टेलीकॉम के किंग माने जाते थे

कुआलालंपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। मलेशियाई अरबपति बिजनेसमैन आनंद कृष्णन का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उन्हें मलेशिया में एके के नाम से भी जाना जाता था। उनके बिजनेस तेल और गैस से लेकर दूरसंचार तक फैले हुए हैं। कृष्णन के निधन की पुष्टि उनकी निजी निवेश कंपनी ने की है। कंपनी ने उनके निधन का कोई कारण नहीं बताया है। आनंद कृष्णन ने हमेशा ही प्रचार से परहेज किया। हालांकि, 1980 के दशक के मध्य में रॉक स्टार बॉब गेल्डोफ़ द्वारा आयोजित लाइव एड कॉन्सर्ट को फाइनेंस करने के कारण उनकी ख्याति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गई थी। युवा उद्यमी के रूप में उन्होंने पहले तेल व्यापार और फिर जुआ क्षेत्र में कदम रखने से पहले एक बिजनेस कंसल्टेंसी फर्म की स्थापना की। 1990 के दशक में, उन्होंने मल्टीमीडिया वेंचर्स में विविधता लाई। एके के नाम से मशहूर आनंद कृष्णन की मलेशिया की सबसे बड़ी दूरसंचार ऑपरेटर मैक्सिस, सैटेलाइट ब्रॉडकास्टर एस्ट्रो मलेशिया और ऑयलफील्ड सर्विस प्रोवाइडक बुमी आर्मडा जैसी कई बड़ी कंपनियों में हिस्सेदारी थी। भारत की एयरसेल और श्रीलंका की एसएलटीमोबिटेल में भी उनकी हिस्सेदारी थी। आनंद सरकारी तेल कंपनी पेट्रोनास के संस्थापक निदेशक थे और पूर्व प्रधानमंत्री महाथिर मोहम्मद के करीबी थे। आनंद कृष्णन ने ही 1990 के दशक की शुरुआत में पूर्व प्रधानमंत्री को प्रतिष्ठित 88-मंजिला पेट्रोनास ट्विन टावर्स बनाने का आइडिया बेचा था।

सुनीता विलियम्स ने स्पेस स्टेशन में खाई स्मोक्ड टर्की

बुच विलमोर और साथियों के साथ मनाया थैंक्सगिविंग डे, सभी छुट्टी मना रहे

वाशिंगटन, 28 नवंबर (एजेंसियां)। पिछले 6 महीनों से स्पेस स्टेशन पर मौजूद नासा की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स, एस्ट्रोनॉट बिच विल्मोर और 2 अन्य साथियों के साथ थैंक्सगिविंग डे मनाया। सुनीता विलियम्स और बाकी एस्ट्रोनॉट्स ने थैंक्सगिविंग डे मनाने का वीडियो भी जारी किया है। इस वीडियो में सभी एस्ट्रोनॉट्स पैक्ड फूड के पैकेट निकालते हुए दिखाई दे रहे हैं। इन पैकेट्स में स्मोक्ड टर्की, क्रैनबेरी सॉस और खाने की दूसरी चीजें थी। आज सभी एस्ट्रोनॉट्स अपने रोजाना के काम से छुट्टी मनाएंगे। इसके साथ ही वो अपने परिवार वालों के साथ वीडियो कॉल पर बात भी करेंगे। अमेरिका और कनाडा समेत कई देशों में सालाना छुट्टी के तौर पर थैंक्सगिविंग डे मनाया जाता है। इसकी शुरुआत अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन 1863 में की थी।

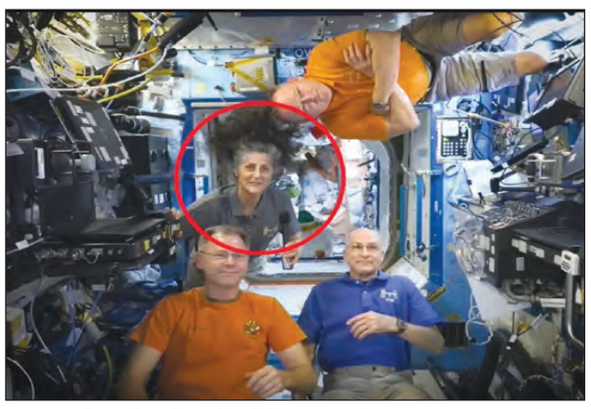

176 दिन से स्पेस में फंसे सुनीता और बुच विल्मोर

सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर इसी साल 5 जून को बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल से आईएसएस भेजे गए थे। उन्हें आज अंतरिक्ष में फंसे 176 दिन हो चुके हैं। नासा चीफ ने 24 अगस्त बताया था कि सुनीता विलियम्स और बुच 6 महीने बाद फरवरी 2025 तक धरती पर लौटेंगे। नासा ने माना था कि एस्ट्रोनॉट्स को बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल में लाना खतरनाक हो सकता है।

सुनीता और विलमोर को स्पेस स्टेशन पर क्यों भेजा गया था

सुनीता और बुश विलमोर बोइंग और नासा के जॉइंट 'क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन' पर गए थे। इसमें सुनीता, स्पेसक्राफ्ट की पायलट थीं। उनके साथ गए बुश विलमोर इस मिशन के कमांडर थे। दोनों को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में 8 दिन रुकने के बाद वापस पृथ्वी पर आना था। लॉन्च के समय बोइंग डिफेंस, स्पेस एंड सिक्योरिटी के प्रेसिडेंट और सीईओ टेड कोलबर्ट ने इसे स्पेस रिसर्च के नए युग की शानदार शुरुआत बताया था। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य स्पेसक्राफ्ट की एस्ट्रोनॉट्स को स्पेस स्टेशन तक ले जाकर वापस लाने की क्षमता साबित करना था। एस्ट्रोनॉट्स को स्पेस स्टेशन पर 8 दिन में रिसर्च और कई एक्सपेरिमेंट भी करने थे। सुनीता और विलमोर पहले एस्ट्रोनॉट्स हैं जड़ो एटलस-वी रॉकेट के जरिए स्पेस ट्रैवेल पर भेजे गए। इस मिशन के दौरान उन्हें स्पेसक्राफ्ट को मैन्युअली भी उड़ाना था।

पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज पहली बार 1 लाख के पार

पीटीआई की रैली के फ्लॉप होने का फायदा मिला, 2 दिन में 6000 पॉइंट की बढ़त

इस्लामाबाद, 28 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज (पीएसएक्स) ने पहली बार 1 लाख अंकों का आंकड़ा छुआ है। पाकिस्तानी वेबसाइट डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक पीएसएक्स के शेयरों में गुरुवार को 900 से ज्यादा अंकों का इजाफा हुआ। बुधवार को पीएसएक्स 99,269.25 अंक पर बंद हुआ था, आज यह 100,216 अंक पर पहुंच गया। पाकिस्तान में पिछले दो दिनों से शेयर बाजार में उछाल जारी है। 26 नवंबर को पीएसएक्स 94,180 पॉइंट तक चला गया था। फिर जैसे ही कल सुबह इमरान खान के प्रदर्शन खत्म हुआ, शेयर बाजार में तेजी आ गई। बुधवार को इसमें सर्वाधिक तेजी देखी गई। पिछले 2 दिनों में करीब 6 हजार अंकों का अछाल आया है।

अंतरिम सरकार ने आईसीसी में भी हसीना के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की

करीम खान से मिले मोहम्मद यूनुस

ढाका, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) में मुकदमा चलाने की मांग की है, जबकि वह घरेलू अदालत में मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप का सामना कर रही हैं। यह जानकारी गुरुवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के कार्यालय ने दी। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार यूनुस ने आईसीसी के अभियोजक करीम ए.खान से मुलाकात की और इस मुद्दे पर चर्चा की। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि यूनुस ने खान से कहा कि बांग्लादेश शेख हसीना और उनके सहयोगियों के खिलाफ आरोपों को जारी रखना चाहता है। ये आरोप खास तौर पर जुलाई और अगस्त के महीने में हुए बड़े आंदोलन के दौरान कथित कत्लेमाम (नरसंहार) और हसीना 15 साल के शासन में लोगों के गायब होने के मामलों (जबरन गायब किए गए लोग) से जुड़े हैं।

पांच अगस्त को बांग्लादेश में हसीना सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिनकी वजह सरकारी नौकरी में विवादास्पद आरक्षण प्रणाली थी। इसके बाद हसीना भारत भाग गईं। तीन दिन बाद नोबेल पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मद यूनुस ने अंतिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में कार्यभार संभाला।

बांग्लादेश में शेख हसीना और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों के खिलाफ एक विशेष अदालत (आंतरिक अपराध न्यायालय-बांग्लादेश) में कई मुकदमों की प्रक्रिया जारी है। इनमें से कुछ आरोपी जेल में हैं, जबकि कुछ विदेश भाग गए हैं। बांग्लादेश ने हसीना को भारत से वापस लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय पुलिस (इंटरपोल) से मदद मांगी है। ताकि वह इन मुकदमों का सामना कर सकें और मुकदमों में शामिल हो सकें। पहले यूनुस ने भी कहा था कि उनका सरकार हसीना को भारत से वापस लाने की कोशिश करेगी, ताकि वह मुकदमों का सामना कर सकें।

आईसीसी के अभियोजक खान ने यूनुस को बताया कि अंतरराष्ट्रीय अदालत बांग्लादेश के आंतरिक अपराध न्यायालय के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है। हसीना और उनके कई पार्टी नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया जा चुका है। बैठक के दौरान खान और यूनुस ने रोहिंग्या संकट और म्यांमार में मानवता खिलाफ जारी गतिविधियों पर भी चर्चा की।

ट्रम्प के टैरिफ बढ़ाने की धमकी पर मेक्सिको की चेतावनी

वॉशिंगटन, 28 नवंबर (एजेंसियां)। मेक्सिको ने डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ वाले बयान पर चेतावनी दी है। राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने कहा कि अगर अमेरिका, मेक्सिको पर टैरिफ बढ़ाता है तो वे भी जवाब के तौर पर टैरिफ बढ़ाएंगे।

शिनबान ने ट्रम्प के उस बयान पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि मेक्सिको की राष्ट्रपति अमेरिका में माइग्रेशन को रोकने के लिए अपने बॉर्डर सील करने को तैयार हैं। शिनबाम ने कहा कि उनका बॉर्डर सील करने का कोई इरादा नहीं है। मेक्सिको के इकोनॉमी मिनिस्टर मर्सेलो एब्रार्ड ने भी अमेरिका को रीजनल ट्रेड वॉर शुरू होने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका का यह कदम अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा होगा। इससे 4 लाख अमेरिकी लोगों की नौकरी जा सकती है। दरअसल, ट्रम्प ने दो दिन पहले कहा था कि वे राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद पहले दिन कनाडा, मेक्सिको और चीन से अमेरिका आने वाले सामानों पर भारी टैरिफ लगा देंगे। ट्रम्प ने कहा है कि जब तक ये तीनों देश ड्रग्स और अवैध प्रवासियों पर लगाम नहीं लगाते तब तक उन्हें अमेरिका की तरफ से लगाए गए भारी टैरिफ की मार झेलनी पड़ेगी। मेक्सिको की अर्थव्यस्था में आटोमोबाईल इंडस्ट्री का बड़ा योगदान है। अमेरिका में बिकने वाली लगभग 25% गाड़ियां मेक्सिको में बनती हैं। टैरिफ बढ़ाने से अमेरिका में इन गाड़ियों की कीमत में इजाफा होगा। मेक्सिको के इकोनॉमी मिनिस्टर ने कहा कि अमेरिका में बिकने वाले 88% पिक-अप ट्रक मेक्सिको में ही बनते हैं। ये अमेरिका के ग्रामीण इलाकों में काफी बिकते हैं, जहां से ट्रम्प को भारी वोट मिले हैं। अगर ट्रम्प मेक्सिको से आने वाले सामान पर टैरिफ लगाते हैं, तो इससे गाड़ियों की कीमत में 3 हजार डॉलर तक का इजाफा हो सकता है। इससे न सिर्फ अमेरिकी कंपनियों को नुकसान झेलना पड़ेगा, बल्कि अमेरिकी इकोनॉमी पर भी बुरा असर पड़ेगा।

एक्सपर्ट के मुताबिक टैरिफ बढ़ाने का फैसला अमेरिकी कंपनियों के लिए बुरा साबित हो सकता है। उनका कहना है कि यह टैरिफ 'डेट्रायट थ्री ऑटोमेकर्स' के मुनाफे पर बड़ा असर डाल सकता है। डेट्रायट थ्री में जनरल मोटर्स, फोर्ड और स्टेलेंटिस आते हैं। ये तीनों अमेरिका की सबसे बड़ी गाड़ी बनाने वाली कंपनियां हैं।

रायपुर में फूल चौक चौपाटी हटाई गई

15 दुकानों पर चला बुलडोजर, 30 साल से दुकान लगा रहे व्यापारी बोले- हर्जाना दे सरकार

रायपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर शहर में फूल चौक चौपाटी को गुरुवार को हटाया गया। नगर निगम ने 15 दुकानों पर बुजडोजर चलाकर इन्हें तोड़ दिया। सुबह-सुबह निगम के जोन 2, 4 और जोन 7 के अफसर-कर्मचारी फूल चौक पहुंचे थे। यहां अचानक निगम के अमले ने कार्रवाई शुरू कर दी। दुकानदारों को खबर लगी तो वो भी भागकर यहां पहुंचे। व्यापारियों और निगम कर्मियों में कहा-सुनी भी हुई लेकिन मगर कार्रवाई नहीं रुकी। फूल चौक की आरडीए बिल्डिंग कैंपस के भीतर पार्किंग के पास चायनीस फूड, चाट-गोलगप्पे की दुकानें लगा करती थीं। ये करीब 30 साल पुराना बाजार है। रायपुर शहर के हर दिन लगभग 1000 से ज्यादा लोग यहां चौपाटी आया करते थे।

दुकानदारों को कोई वैकल्पिक जगह भी नहीं दी गई है। फूल चौक में दुकान लगाने वाले व्यापारी पवन सिंह ठाकुर ने बताया कि, बिना किसी पूर्व जानकारी के कार्रवाई की गई है। पूरी दुकान तोड़ दी गई। पहले हमें जानकारी दी जानी थी, तो हम दुकान या सामान को हटा लेते। एक गरीब आदमी के ऊपर इतनी बड़ी कार्रवाई की गई यह अच्छी बात नहीं है। मैं शासन-प्रशासन से अनुरोध करूंगा कि हमारा इतना नुकसान हुआ है, हम बाहर से फूल मंगवाते हैं, अब हमारे सामने रोजी की परेशानी है। शटर-शेड समेत दुकानों को तोड़ दिया गया है। कुछ फूल की अवैध दुकानों को भी तोड़ा गया है। शहर की सड़कों में अवैध अतिक्रमण करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए निगम अमले के साथ 4 बुलडोजर लेकर निकला है। इसके साथ ही भारी संख्या में उड़नदस्ता की टीम साथ थी। रायपुर शहर में सड़कों पर ट्रैफिक बाधित करने वालों के खिलाफ जिला प्रशासन में बुधवार को भी सख्ती के साथ कार्रवाई की थी।

'जिस सीट पर थी पूरे देश की नजर, वहां जीती कांग्रेस'

पायलट ने बीजेपी पर भी लगाया बड़ा आरोप

दौसा, 28 नवंबर (एजेंसियां)। नवनिर्वाचित विधायक दीनदयाल बैरवा ने काफिले के रूप में सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ जयपुर पहुंचकर पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट से मुलाकात की। बैरवा ने पायलट का आभार जताया तो उन्होंने बधाई दी। इस मौके पर पायलट ने कहा कि जिस सीट पर पूरे देश की नजर थी, वहां पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की। साथ ही पायलट ने बीजेपी पर सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया।

सचिन पायलट ने कहा कि दौसा के उपचुनाव पर पूरे देश की नजर थी। लेकिन, कार्यकर्ताओं की मेहनत से हमारी पार्टी को कामयाबी मिली। चुनौतीपूर्ण समय में सरकार और प्रशासन के दबाव के बावजूद सभी ने एकजुटता दिखाई। सांसद मुरारीलाल मीना सहित सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने एकजुटता व ताकत लगाकर कांग्रेस का मान-सम्मान बढ़ाया है।

दौसा में पार्टी की जड़ें मजबूत

पायलट ने कहा कि एक तरफ प्रदेश की अन्य सीटों पर परिणाम हमारे पक्ष में नहीं आया, लेकिन दौसा ने सदैव सहयोग किया है। देशभर में दिखा दिया है कि दौसा में पार्टी की जड़ें मजबूत है। साधारण कार्यकर्ता को सबने सहयोग कर विधायक बनाया है। हम सब एकजुट नहीं रहते तो यह आसान नहीं था। हर वर्ग का वोट पार्टी को मिला, जबकि भाजपा ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी। इस चुनाव से आने वाले समय में हम सबको ताकत मिलेगी।

इनकम टैक्स की बड़ी कार्रवाई

उदयपुर में ट्रांसपोर्ट कारोबारी के 17 ठिकानों पर एक साथ रेड

उदयपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के उदयपुर और बांसवाड़ा जिले में एक बड़े कारोबारी के ठिकानों पर इनकम टैक्स ने गुरुवार को एक साथ रेड डाली। इनकम टैक्स विभाग की इस कार्रवाई से ट्रांसपोर्ट कारोबारियों में हड़कंप मच गया। उदयपुर के सबसे बड़े ट्रांसपोर्ट कारोबारी गोल्डन ट्रांसपोर्ट के मालिक के 17 ठिकानों पर सुबह से ही इनकम टैक्स की छापेमारी जारी है।

जानकारी के मुताबिक महानिदेशक आयकर अन्वेषण रेणु अमिताभ के निर्देश पर

इनकम टैक्स की टीमों ने एक साथ तीन जिलों में रेड डाली। उदयपुर में बांसवाड़ा जिले में ट्रांसपोर्ट कारोबारी के छोटे भाई गोविंद सिंह राव पर भी टीम ने शिकंजा कसा। बांसवाड़ा में कॉमर्शियल कॉलोनी स्थित उदयपुर गोल्डन ट्रांसपोर्ट कार्यालय और सागवाड़िया गांव में सुबह इनकम टैक्स की टीम पहुंची। इसके अलावा जयपुर में भी एक जगह इनकम टैक्स की टीम ने छापेमारी की।

सामान के अवैध परिवहन से जुड़ा मामला

उदयपुर में ट्रांसपोर्ट कारोबारी गोल्डन ट्रांसपोर्ट के मालिक पर सुबह 5 बजे से आईटी की टीमें सर्च कर रही हैं।

सामान के अवैध परिवहन से जुड़े मामले को लेकर छापेमारी चल रही है। जानकारी के अनुसार मुखबिर से मिली सूचना के बाद शिकायत का सत्यापन कराया गया। इसके बाद इनकम टैक्स विभाग की टीमों ने एक साथ रेड डाली।

बांसवाड़ा में दो जगह छापेमारी

उदयपुर के सबसे बड़े ट्रांसपोर्ट कारोबारी गोल्डन ट्रांसपोर्ट के मालिक के 17 ठिकानों पर छापेमारी के दौरान टीम को कई अहम दस्तावेज मिले है। ट्रांसपोर्ट मालिक के भाई गोविंद सिंह सिंह राव, जो बांसवाड़ा के पूर्व बीजेपी जिलाध्यक्ष हैं।

उनके आवास और दफ्तर पर भी इनकम टैक्स की टीमें दस्तावेज खंगाल रही है।

ओरण भूमि हमारे लिए पूजनीय स्थल है

हमारे अस्तित्व का प्रतीक भी है, शिव विधायक भाटी बोले

जोधपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी बाड़मेर-जैसलमेर ओरण भूमि को लेकर लगातार संघर्ष कर रहे हैं। इसी ओरण भूमि को लेकर रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि यह ओरण भूमि हमारे लिए पूजनीय स्थल है। यहां सरकार की ओर से कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया जा रहा है।

प्रशासन भी इस मामले को लेकर लीपापोती कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि जब तक इस ओरण भूमि को लेकर लिखित में कोई चीज नहीं आती, तब तक यह मुद्दा इसी तरह चलता रहेगा और हमारी विरासत है सांस्कृतिक धरोहर है। हम सब का कर्तव्य है कि इस बचाया जाए।

वहीं डिस्कॉम की ओर से किसानों को बिजली नहीं देने के मामले को लेकर रविंद्र सिंह भाटी ने कल बाड़मेर-जैसलमेर के डिस्कॉम कार्यालय गए और अधिकारियों को फटकार भी लगाई। इस मामले को लेकर उन्होंने कहा कि पश्चिमी राजस्थान में आज सबसे बड़ा विद्युत उत्पादन क्षेत्र बाड़मेर जैसलमेर है। वहां पर सबसे बड़ा संकट बिजली का है।

जो क्षेत्र सबसे ज्यादा बिजली देता है, वही दीए तले अंधेरा जैसा मामला है। उन्होंने कहा कि वहां के किसान त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रहे हैं। सरकार लगातार कहती रही है कि हम किसानों को 6 घंटे बिजली देंगे, लेकिन 6 घंटे तो बहुत दूर की बात 1 घंटे भी बिजली पूरी नहीं मिल पाती, जिससे किसानों को फसल बुवाई के लिए और पिलाई के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि मैं एक-एक जीएसएस पर गया और वाक्य में ही वहां पर कई तरह की लापरवाहियां सामने आई है। इसके बाद उन्होंने कहा कि मैं डिस्कॉम के चीफ से भी मिला और मैं सख्त रूप से कहा है कि यह जो समस्या है उसका निस्तारण जल्द से जल्द किया जाए अन्यथा डिस्कॉम के कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

49 नगरीय निकायों में प्रशासक लगाने पर भड़के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली

बोले- ये असंवैधानिक है

अलवर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्य सरकार द्वारा 49 नगर निकायों में प्रशासक लगाये जाने के निर्णय का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का यह कदम पूर्णतया असंवैधानिक और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने वाला है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि सरकार ने राज्य के पांच नगर निगम, 20 नगर परिषद और 24 नगर पालिका का कार्यकाल समाप्त होने का तर्क देकर इनमें सरकारी अधिकारियों को प्रशासक लगा दिया है। जबकि सरकार को इन निकायों की लोकतांत्रिक व्यवस्था को कायम रखने के लिए इनमें तत्काल चुनाव कराने की घोषणा करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार से मांग है कि इन निकायों के अविलम्ब चुनाव कराये जायें।

जूली ने कहा कि इसके पीछे राज्य सरकार 'वन स्टेट वन इलेक्शन' एजेंडे का बहाना बना रही है, लेकिन वस्तुतः राज्य की भाजपा सरकार इन नगर निकायों के चुनाव अपनी पराजय के भय से नहीं कराना चाहती। प्रदेश के अनेक नगर निकायों का कार्यकाल पूरा होने में अभी एक साल और इससे ज्यादा का समय शेष है। तब तक राज्य सरकार कार्यकाल पूरा कर चुके नगर निकायों में नगर निगमों को जिला कलेक्टर, नगर परिषदों को एडीएम और नगर पालिकाओं को एसडीएम स्तर के सरकारी अधिकारियों के भरोसे चलाना चाहती है।

सरकार का यह रवैया लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने वाला है। आम जनता को उनके निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से वंचित करने की राज्य सरकार की यह चेष्टा अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक है। सरकार के इस कदम से इन निकायों में अव्यवस्था पनपेगी और आम जनता अपनी रोजमर्रा की समस्याओं के निराकरण के लिए तरसेगी। नगर निकायों में नौकरशाही को हावी करना संविधान की मूल भावना के खिलाफ है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि यह दुर्भाग्य का विषय है कि जब सब ओर संविधान दिवस मनाने की तैयारियां चल रही थी। उसके एक दिन पहले राजस्थान में राज्य सरकार ने यह कदम उठाकर सिद्ध किया है कि सरकार लोकतंत्र पर अपनी मनमानी थोपना चाहती है और उसका संविधान में कोई विश्वास नहीं है।

राजस्थान बनेगा आईटी और स्टार्टअप का हब!

43 कंपनियां करेंगी 6052 करोड़ का निवेश

जयपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान सूचना प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप के क्षेत्र में उभरेगा। इसी कारण आइटी व स्टार्टअप बनी बड़ी कंपनियां राजस्थान में शुरुआत करने की तैयारी कर रही है। डेटा सेंटर, स्मार्ट आइटी पार्क जैसे बड़े प्रोजेक्ट आ रहे हैं। ऐसे उद्यमी यहां के युवाओं के आइडिएशन को लेकर भी स्टडी कर रहे हैं।

इसी कारण सरकार भी स्टार्टअप और इनोवेशन पर विशेष ध्यान दे रही है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान भी आइटी और स्टार्टअप विशेष सत्र का आयोजन किया जाएगा। इसी कारण राज्य स्टार्टअप स्टेट के रूप में उभर रहा है। दिल्ली में प्रदूषण के कारण भी स्टार्टअप कंपनियां वहां से बाहर निकलना चाहती हैं। गुरुग्राम से भी कंपनियां का मोह भंग होने लगा है। ऐसे में स्टार्टअप प्रोत्साहन और संरक्षण के लिए जयपुर व प्रदेश के दूसरे शहरों पर फोकस बढ़ता जा रहा है। सरकार इसी स्थिति को भुनाना चाह रही है। यह हमारे लिए बड़ा अवसर भी है। वर्तमान में राजस्थान में 5100 रजिस्टर्ड स्टार्टअप हैं। इनके माध्यम से करीब 35 हजार लोगों को रोजगार मिल रहा है।

राइजिंग राजस्थान के बाद अगले साल जयपुर को अंतरराष्ट्रीय स्टार्टअप समिट की मेजबानी का अवसर मिला है। इससे प्रदेश के युवा और महिला स्टार्टअप को अंतरराष्ट्रीय मंच मिलेगा।- डॉ. शीनू झंवर, प्रेसिडेंट, टाई राजस्थान

प्रदेश के सीरियस स्टार्टअप को 1 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश मिल चुका है। हालांकि राजस्थान के स्टार्टअप की संभावनाओं का अभी तक पूरी तरह दोहन नहीं किया गया है। सरकार ने स्टार्टअप प्रोत्साहन के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। सरकार स्टार्टअप को विभिन्न चरणों में प्रोत्साहन अनुदान दे रही है। सभी जिलों में इंक्यूबेशन सेंटर

सरकार ने प्रदेश के सभी जिलों में इंक्यूबेशन सेंटर खोलने के लिए 1 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। स्टार्टअप प्रोत्साहन प्रोग्राम में सरकार स्थानीय उद्योग और निजी संस्थानों का भी सहयोग ले रही है।

देश-विदेश की 43 कंपनियां प्रदेश में निवेश के लिए तैयार हैं। इनसे करीब 6052 करोड़ का निवेश होने का आकलन किया गया है। इनमें आइटी, स्टार्टअप कंपनी, साइंस एंड टैक्नोलोजी से जुड़े उद्यमी होंगे। ये डेटा सेंटर, स्मार्ट आईटी पार्क, इंक्यूबेशन सेंटर तैयार करेंगे।

स्कूल कंस्ट्रक्शन के दौरान दीवार ढही

मलबे के नीचे दबे चार मजदूर; तीन की हुई मौत

जालोर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। जालोर जिले के सायला में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। जिसमें दीवार गिरने से तीन मजदूरों की मौके पर मौत हो गई। एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक सायला उपखंड क्षेत्र के पोषाणा गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में निर्माण कार्य के दौरान अचानक दीवार गिरने से चार मजदूर दीवार के मलबे के नीचे दब गए, जिसमें तीन मजदूर की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया।

सूचना मिलते ही सायला पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद पुलिस ने जेसीबी ग्रामीणों की सहायता से कड़ी मशक्कत के बाद घायल को मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती करवाया।

वहीं पुलिस ने मलबे के नीचे दबे अन्य मजदूरों को भी बाहर निकलवाया। जिसमें तीन मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस ने तीनों मृतक मजदूरों के शव को कब्जे में लेकर राजकीय अस्पताल सायला की मोर्चरी में रखवाया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

बता दें कि मृतक तीन मजदूर बाड़मेर जिले के निवासी हैं, जबकि एक जालोर जिले का निवासी है। पुलिस के अनुसार हादसे में मोहनलाल 23 वर्ष निवासी लालजी की डूंगरी, विरमाराम जाट उम्र 40 वर्ष कंगाडू जिला बाड़मेर, भैराराम 40 वर्ष धनाऊ बाड़मेर की मौत हो गई। वहीं जगदीश कुमार पुत्र भूराराम राव गंभीर घायल हो गया है, जिसे अस्पताल में उपचार चल रहा है।

चारों मजदूर स्कूल में चल रहे निर्माण कार्य के लिए पहुंचे थे, लेकिन अचानक दीवार गिर गई, जिससे मलबे के नीचे दब गए। ऐसे में हादसे के दौरान तीन मजदूर की मौत हुई, जबकि एक मजदूर गंभीर घायल हो गया।

भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा

दो की मौत; तीन लोग गंभीर रूप से हुए घायल

बीकानेर, 287 नवंबर (एजेंसियां)। लूणकरणसर के पास भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर देर रात भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस मार्ग पर दो वाहनों की आपस में टक्कर के कारण यह हादसा हुआ। इस दुर्घटना में जालोर के सायला तहसील के इकबाल खान पुत्र आलम खान, बालोतरा निवासी तगाराम की मौत की सूचना है। जबकि नवाब खान, रजाक गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों का बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि जालोर निवासी ट्रक चालक भारतमाला एक्सप्रेस मार्ग पर सहजरासर ढाणी भोपाला के पास ढाबे पर खाना खाकर ट्रक के पिछले हिस्से की जांच कर रहे थे। तभी तेज गति से आ रहा दूसरा ट्रक अंदर जा घुसा। दुर्घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर लूणकरणसर थाना पुलिस के हेड कांस्टेबल श्याम लाल, ड्राइवर हजारी सिंह और प्यारे लाल मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ट्रक में फंसे ड्राइवरों को बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार के लिए लूणकरणसर हॉस्पिटल भेजा। बाद में घायलों को गंभीर हालत में बीकानेर के पीबीएम अस्पताल रेफर किया गया। जहां घायलों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

सांचौर में 25 हजार रिश्वत लेते सिरोही एसीबी ने हेड कांस्टेबल पकड़ा

जालौर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सांचौर में सिरोही एसीबी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते एक हेड कांस्टेबल को ट्रैप किया है। आरोपी हेड कांस्टेबल किशनाराम द्वारा मारपीट के प्रकरण में आरोपी पक्ष से 50 हजार रिश्वत की डिमांड की गई थी। इस पर एसीबी ने शिकायत पर सत्यापन कर 25 हजार की रिश्वत लेते हेड कांस्टेबल को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।

सिरोही एसीबी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामेश्वरलाल ने बताया कि एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर सांचौर पुलिस थाने में कार्यरत हेड कांस्टेबल किशनाराम को परिवादी से 25 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी ने मारपीट के प्रकरण में आरोपी पक्ष की मदद करने की एवज में रिश्वत की मांग की गई थी।

एसीबी इकाई सिरोही को परिवादी द्वारा एक शिकायत दी गई थी, जिसमें उसके परिवारजनों के विरुद्ध दर्ज मुकदमे में मदद करने की एवज में आरोपी हेड कांस्टेबल किशनाराम की ओर से 50 हजार की रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है। इस पर एसीबी महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा के निर्देशन में जोधपुर के उप महानिरीक्षक हरेंद्र महावर के सुपरविजन में सिरोही एसीबी एएसपी रामेश्वरलाल के नेतृत्व में परिवादी की शिकायत का सत्यापन कर पुलिस निरीक्षक कुयाराम मय टीम द्वारा सांचौर थाने में ट्रैप की कार्रवाई करते हुए हेड कांस्टेबल किशनाराम को परिवादी से 25 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी टीम को दी गई शिकायत के सत्यापन के दौरान भी आरोपी हेड कांस्टेबल द्वारा परिवादी से पांच हजार अपने परिचित के खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर करवाकर वसूल किए गए थे। एसीबी ने ट्रैप की कार्रवाई करते हुए आरोपी हेड कांस्टेबल किशनाराम को रंगे हाथों गिरफ्तार कर आरोपी हेड कांस्टेबल से पूछताछ और अनुसंधान जारी है।

महिलाओं के आभूषण चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश

पाली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भीड़भाड़ और बसों में गहने चुराने में एक्सपर्ट शातिर सास-बहू कोतवाली पुलिस के हत्थे चढ़ गई हैं।इन्होंने कुछ महीने पहले पेशी से लौटते वक्त एक बस में सोने की चेन चोरी की वारदात को अंजाम दिया था और फरार हो गई थी। कोतवाली पुलिस ने शातिर नकबजन सास-बहू को बापर्दा गिरफ्तार किया है। ये दोनों महिलाएं भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में महिलाओं के गहने चोरी करने में एक्सपर्ट हैं और 20 अगस्त को पाली कोर्ट में पेशी अटेंड करने के पश्चात वापस लौटते वक्त बस में एक महिला की सीने की चेन पर हाथ साफ किया था। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए शातिर सास-बहू को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। सास-बहू की यह जोड़ी जून महीने में भी बस स्टैंड से महिला के गहने चोरी करने के मामले में गिरफ्तार हो चुकी है।

अज्ञात बदमाशों ने पिस्तौल के दम पर दुकान में की लूट

नकदी समेत सोने की अंगूठी लेकर फरार

हनुमानगढ़, 28 नवंबर (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ जिले के भादरा में मंगलवार देर शाम मिठाई की दुकान पर तीन अज्ञात बदमाशों ने पिस्तौल के दम पर लूट की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश दुकान में मिठाई लेने के बहाने आए थे, जिसके बाद हजारों की नकदी और सोने-चांदी के कुछ आइटम लेकर फरार हो गए। लूट की यह वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

भादरा पुलिस सीसीटीवी के आधार पर अज्ञात बदमाशों की तलाश में जुटी है। भादरा थाना प्रभारी भूपसिंह सहारण ने बताया कि देर रात 9 से 9:30 के बीच पुलिस को सूचना मिली कि कस्बे में स्थित भवानी जोधपुर मिष्ठान्न भंडार पर अज्ञात बदमाश लूट को अंजाम देकर फरार हो गए, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे को चेक किया तो उसमें दुकान के अंदर दो जने पिस्तौल के साथ नजर आए, जिनकी पहचान की जा रही है। दुकानदार ने पुलिस को तीन लोगों का लूट में शामिल होना बताया हैं, जिसके बाद पुलिस ने एसपी अरशद अली के निर्देशन में थाना स्तर पर टीमों का गठन कर बदमाशों की पहचान कर धरपकड़ के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

पुलिस के अनुसार पीड़ित महेन्द्र सिंह (29) पिता गोविन्द सिंह राजपुरोहित ने रिपोर्ट दी कि कस्बा भादरा में अम्बेडकर सर्कल के पास भवानी जोधपुर मिठाई वाला नाम से उसकी दुकान है। 26 नवंबर 2024 को शाम 8:37 पर तीन आदमी पल्सर बाइक लेकर आए और एक किलो गाजर का हलवा मांगा। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि इसके बाद तीनों बदमाशों में से एक ने गर्दन पर पिस्टल लगाकर गल्ले में रखे 82 हजार रुपये, एक सोने की अंगूठी और तीन सिक्के चांदी के लूट लिए। इसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि तीनों बदमाश बाइक पर सवार होकर आए थे। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर अज्ञात बदमाशों पर मुकदमा दर्ज किया है।

जानलेवा हमले के 8 माह से फरार 4 आरोपी पकड़े

बारां, 28 नवंबर (एजेंसियां)। सदर पुलिस थाना की पुलिस टीम ने हत्या के प्रयास के मामले में 8 माह से फरार 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी ने बताया कि राजेश चौधरी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व ओमेन्द्र डूकसह शेखावत पुलिस उपाधीक्षक वृत्त के सुपरविजन में टीम बनाकर यह कार्रवाई की गई।

थानाधिकारी थाना सदर हीरालाल पूनिया ने बताया कि साइबर सेल बारां व डीएसटी टीम की मदद से शहर में 5 अप्रेल को कोटा रोड शराब ठेके के बाहर सेल्समेन रामहेत मीणा के साथ मारपीट कर हत्या का प्रयास करने वाले चार आरोपियों को पकड़ा गया। ये 8 माह से फरार थे। पुलिस ने बताया कि इनमें शिव भरत मीणा पुत्र रामकिशन मीणा निवासी बरुखेड़ी थाना बपावरकलां कोटा, राजेन्द्र मीणा पुत्र रामचन्द्र 28 साल निवासी हनुवतखेडा थाना अन्ता जिला बारां, हरिप्रकाश मीणा पुत्र रामकरण मीणा 32 साल निवासी मूण्डला थाना मांगरोल, सुनील मीणा पुत्र प्रभूलाल 32 साल निवासी बटावदा थाना सदर को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने बताया कि फरियादी रामहेत मीणा निवासी माथना ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह शराब के ठेके कोटा रोड धर्म कांटा पर सैल्समैन है। एक दिन पहले 4 अप्रेल को जब वह शराब दुकान को बंद करके जा रहा था। इसी समय शिव भरत मीणा बरखेड़ी वहां पहुंचा। उसने शराब मांगी तो पीड़ित ने कहा कि ठेका बंद हो गया है। मना करने पर वह गाली-गलौच करने लगा। मना किया तो शिव भरत मीणा ने हमला किया। फरियादी जान बचाकर भागा तो उसे बाद में रास्ते में रोका और शिवभरत, गौरव मीणा, हरिप्रकाश मीणा, राजेन्द्र मीणा उर्फ राजा व सुनील मीणा ने जान लेवा हमला कर चोटें पहुंचाई। इस पर मामला दर्ज किया गया। इसमें से गौरव मीणा को 14 सितंबर को ही पकड़ लिया गया था। अन्य शातिर बचे हुए थे। इसकी जांच अनुसंधान हीरालाल थानाधिकारी सदर ने की।

उक्त चारों फरार अपराधियों को पुलिस थाना सदर टीम, साइबर सेल बारां व डीएसटी टीम की मदद से गिरफ्तार किया गया। रविकान्त मीणा शातिर बदमाश है। उसके विरुद्ध मारपीट व हत्या के प्रयास के 08 मामले दर्ज है। आरोपी रविकान्त मूलतः बपावरकलां थाना क्षेत्र का रहने वाला है। इसका आपराधिक क्षेत्र बारां ही रहा है। गिरफ्तार चारों आरोपी पुलिस रिमाण्ड पर हैं। इनसे मारपीट में प्रयुक्त हथियार कूटिया, सरिया व मारपीट स्थल तक आने जाने में प्रयुक्त 2 मोटरसाइकिलें जब्त की गई हैं। आरोपियों को गुरुवार को न्यायिक अभिरक्षा के लिए कोर्ट में पेश किया जाएगा।

मूसी परियोजना पर कांग्रेस सरकार के दावे भ्रामक : हरीश राव

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मूसी रिवरफ्रंट परियोजना के पीड़ितों के पुनर्वास पर केंद्र, संसद और राष्ट्र को गुमराह करने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर कड़ी आलोचना करते हुए, बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने गुरुवार को राज्य सरकार पर मूसी रिवरफ्रंट परियोजना के बारे में तथ्यों को छिपाते हुए भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 के कार्यान्वयन का झूठा दावा करने का आरोप लगाया। तेलंगाना भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, उन्होंने बताया कि संसद में सांसद केआर सुरेश रेड्डी द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के जवाब ने कांग्रेस के भ्रामक रुख को उजागर किया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र के समक्ष राज्य सरकार के दावे परियोजना के संबंध में जमीनी स्तर पर लागू किए जा रहे दावों से अलग हैं। उन्होंने भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 से बेहतर कानून बनाने और लागू करने के लिए बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव की प्रशंसा की और इस बात पर जोर दिया कि पूर्व मुख्यमंत्री, जो एक विस्थापित परिवार से आते हैं, विस्थापितों की दुर्दशा को समझते हैं। राव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 2013 के अधिनियम में 121 वर्ग गज भूमि पर आईएवाई घरों के निर्माण को अनिवार्य किया गया था, जबकि चंद्रशेखर राव ने इसे बढ़ाकर 250 वर्ग गज कर दिया, जिसमें डबल बेडरूम वाले घर भी शामिल हैं। उन्होंने प्रभावित पीड़ितों की सही पहचान न करने और मूसी मुद्दे पर केंद्र को गुमराह करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। उन्होंने जोर देकर कहा कि कानून सभी को समान अधिकार प्रदान करता है, चाहे वे आवंटित भूमि, अतिक्रमित भूमि, पट्टा भूमि या सरकारी भूमि के मालिक हों। उन्होंने कानूनी प्रक्रिया को रेखांकित किया, जिसमें पुनर्वास प्रक्रिया शुरू करने से पहले गणना, सार्वजनिक नोटिस और आपत्तियों को संबोधित करना शामिल है। हालांकि, इनमें से किसी भी कदम का पालन नहीं किया गया और उचित नोटिस या गणना के बिना घरों को ध्वस्त कर दिया गया। हरीश राव ने राज्य सरकार पर घरों को ध्वस्त करने और उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना चंद्रशेखर राव सरकार द्वारा बनाए गए डबल बेडरूम वाले घरों की पेशकश करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में कोंडापोचम्मा सागर, मल्लन्ना सागर और पालमुरु लिफ्ट सिंचाई योजना जैसी विभिन्न परियोजनाओं में सफल पुनर्वास के उदाहरणों का हवाला दिया।

संसद में उठाए गए मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मुख्यमंत्री को चुनौती देते हुए हरीश राव ने मूसी पीड़ितों की चिंताओं को दूर करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की। उन्होंने दोहराया कि बीआरएस मूसी रिवरफ्रंट परियोजना के खिलाफ नहीं है, बल्कि इसकी आड़ में राज्य के धन के दुरूपयोग के खिलाफ है।

8.7 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया अरली (टी) का तापमान

आदिलाबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों के कई हिस्सों में गुरुवार को न्यूनतम तापमान में गिरावट देखी गई, जिससे लोगों को घरों के अंदर ही रहने को मजबूर होना पड़ा। आदिलाबाद जिले के भीमपुर मंडल के अरली (टी) गांव में न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, आदिलाबाद जिले के जैनद मंडल मुख्यालय और बेला मंडल केंद्र में न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मावला और आदिलाबाद ग्रामीण, नेराडीगोंडा, तालामाडु, तामसी, तालामाडुगु, मंडलों में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस से नीचे देखा गया। इस बीच, कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के सिरपुर (यू) मंडल केंद्र में न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री सेल्सियस रहा। तिरयानी मंडल के गिन्नधारी गांव में न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस रहा। केरामेरी, जैनूर, आसिफाबाद, सिरपुर (टी) और वानकीडी मंडलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से 13 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। ठंड के कारण सभी वर्ग के लोगों, खासकर बुजुर्गों और बच्चों को ऊनी स्वेटर पहनकर और अलाव जलाकर अपने शरीर को गर्म रखना पड़ा। सुबह 8 बजे तक लोग बाहर नहीं निकले। कोहरे की वजह से एनएच 44 पर वाहन चालकों को दृश्यता की समस्या के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ा।

फार्मा कंपनी में रिएक्टर विस्फोट से लगी भीषण आग

संगारेड्डी, 28 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार तड़के खाजीपल्ली के औद्योगिक क्षेत्र में ऑरोरा लाइफ साइंसेज में आग लग गई। आशंका है कि यह आग दवा उद्योग के एमबी-2 ब्लॉक में रिएक्टर विस्फोट के कारण लगी। आग बुझाने के लिए जिले के विभिन्न इलाकों से दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। हालांकि पुलिस या प्रबंधन ने हताहतों की संख्या के बारे में बात करने से इनकार कर दिया, लेकिन एंबुलेंस घायलों को अस्पताल ले जाती दिखीं। आग पर काबू पाने के लिए अभी भी दर्जनों दमकलकर्मी काम पर लगे हुए हैं।

कारवान में स्क्रैप यार्ड में लगी आग

हैदराबाद, 28 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। पुराने शहर के कारवान इलाके में बुधवार देर रात एक स्क्रैप यार्ड में आग लगने से लाखों रुपये की संपत्ति जलकर खाक हो गई। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, यह घटना महबूब फंक्शन हॉल के बगल में स्थित स्क्रैप यार्ड में हुई। यार्ड में बहुत सारी ज्वलनशील सामग्री जमा थी और जैसे ही आग लगी, वहां से बड़ी-बड़ी लपटें निकलने लगीं। आग तेजी से यार्ड में फैल गई और बिजली आपूर्ति बंद होने से इलाके में तनाव फैल गया। सूचना पर आसपास के फायर स्टेशनों से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाई। पुलिस ने मौके पर जमा हुए लोगों को खदेड़ा। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

दिव्यांगों ने सड़कों पर उतरकर किया प्रदर्शन

सूर्यापेट, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शारीरिक रूप से दिव्यांग व्यक्तियों ने गुरुवार को यहां पोस्ट ऑफिस सेंटर पर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा चुनाव प्रचार के दौरान किए गए अधूरे वादों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि एक साल बीत जाने के बावजूद पेंशन के रूप में 6,000 रुपये प्रति माह की बढ़ोतरी का वादा पूरा नहीं हुआ। प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना की कि उसने सरकार के एक साल पूरे होने पर अपने वादे पूरे किए बिना जश्न मनाया।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर शारीरिक रूप से दिव्यांग व्यक्तियों से किए गए वादे पूरे नहीं किए गए, तो वे 3 दिसंबर को सचिवालय में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेंगे, जो कि अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के दिन है। विकलांगों के संघ के राज्य अध्यक्ष नईम ने उनकी मांगों को संबोधित करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

डीसीएम की टक्कर से युवक की मौत

हैदराबाद, 28 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल में गुरुवार सुबह एक डीसीएम ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे 34 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। मेडचल के राजबोलाराम निवासी पीड़ित नागराजू (34) एक कंपनी में काम करता था। गुरुवार की सुबह वह व्यक्ति काम पर जा रहा था और रास्ते में पोदुर जंक्शन पर एक डीसीएम ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। नागराजू सड़क पर गिर गया और उसे चोटें आईं। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को शवगृह में रखवाया। मामला दर्ज कर लिया गया है।

धान की फसल उगाने में तेलंगाना अव्वल

मदनूर, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर कांग्रेस पार्टी मंडल अध्यक्ष दरसवार सायलू के नेतृत्व में स्थानिक कृषि बाजार समिति कार्यालय में कृषि बाजार समिति अध्यक्ष ने एक प्रेस कान्फ्रेंस में बताया कि प्रदेश में धान की उत्पन्न अधिक हुआ है। इसलिए सरकार द्वारा धान के किसानों को 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। किसानो का दो लाख तक खर्ज माफ किया गया। इससे किसानों में सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। उन्होंने आगे बताया कि सीसीआय द्वारा आज तक 621 किसानों से 11776.75 क्विंटल कपास खरीदी की गई। 7521 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से 21 नवंबर तक किसानों का पेमेंट किया गया।

अब छात्रों से पहले हेड मास्टर चखेंगे भोजन, संस्थान स्तर पर स्थापित होंगी खाद्य सुरक्षा समितियां

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मध्याह्न भोजन के सेवन से बार-बार होने वाली खाद्य विषाक्तता की घटनाओं पर हंगामा मचने के बाद, राज्य सरकार ने खाद्य संदूषण और खाद्य जनित बीमारियों को रोकने के लिए विभिन्न संस्थानों में खाना पकाने और परोसे जाने वाले भोजन की निगरानी के लिए संस्थान स्तर पर खाद्य सुरक्षा समितियों का गठन करने का निर्णय लिया है।

मुख्य सचिव ए शांति कुमारी ने गुरुवार को इस संबंध में आदेश जारी किए। समिति में हेडमास्टर या प्रिंसिपल या वार्डन और संस्थान के दो अन्य कर्मचारी शामिल होंगे। समिति को प्रत्येक भोजन पकाने से पहले स्टोर रूम और रसोई का निरीक्षण करना होगा और रसोई में प्रावधानों की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करनी होगी।

भोजन तैयार होने के बाद, समिति के सदस्यों को गुणवत्ता और अन्य कारकों के लिए भोजन का स्वाद लेना चाहिए और फिर छात्रों को भोजन परोसा जाना चाहिए। हर दिन, समिति को गतिविधियों की तस्वीरें लेनी चाहिए और उनका रिकॉर्ड रखना चाहिए। नोडल विभाग फ़ोटो अपलोड करने के लिए एक मोबाइल-आधारित ऐप विकसित करेगा। कलेक्टरों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक संस्थान के लिए मंडल, जिला स्तर के अधिकारियों को पर्यवेक्षक अधिकारी के रूप में तैनात किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि इन अधिकारियों को भोजन बनने से पहले और बाद में संस्थान का दौरा करना चाहिए और छात्रों को परोसे जाने से पहले भोजन को खाना चाहिए।

तापमान गिरने के साथ ही मौसमी बीमारियों में वृद्धि

हैदराबाद, 28 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तापमान में उल्लेखनीय गिरावट के साथ, चिकित्सक हैदराबाद में मौसमी बीमारियों, विशेष रूप से ऊपरी श्वास नलिका के संक्रमण में वृद्धि की रिपोर्ट कर रहे हैं। हैदराबाद में अधिकांश मामले इन्फ्लूएंजा, ऊपरी श्वसन पथ के संक्रमण, फेफड़ों की बीमारियों और वायरल बुखार के मामलों से संबंधित हैं। एलर्जी के मामलों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, क्योंकि सर्दियों में एलर्जी होने की संभावना अधिक होती है। एलर्जी और अस्थमा नेटवर्क ऑफ इंडिया (एएएनआई) के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सर्दियों में एलर्जी के मामलों में 40 प्रतिशत की वृद्धि होती है। डॉक्टर यह भी रिपोर्ट कर रहे हैं कि अस्थमा के मरीजों में भी काफी वृद्धि हुई है, जिन्हें पहले से ही इस बीमारी का पता चल चुका है। सर्दियों के दौरान, 80 प्रतिशत तक एलर्जी घर की धूल के कण और फफूंद के कारण होती है। एएएनआई के सीईओ और एलर्जी विशेषज्ञ डॉ. व्याकरणम नागेश्वर कहते हैं कि अनिवार्य रूप से, सर्दियों के दौरान फेफड़ों के वायुमार्ग कड़े हो जाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अधिक आक्रामक अप्रत्याशित अस्थमा के दौरे पड़ते हैं।

महिला ने ऑटो में बच्चे को दिया जन्म, मां और बच्चा सुरक्षित

संगारेड्डी, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक आदिवासी महिला (जो ऑटोरिक्शा से अस्पताल जा रही थी) ने यात्रा के दौरान वाहन में ही एक बच्चे को जन्म दे दिया। झारसंगम मंडल के पुरया नायक थांडा की रहने वाली महिला बनोथ स्वप्ना ने झारसंगम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) तक पहुंचने के लिए 108 एम्बुलेंस सेवा को कॉल करने के बजाय एक ऑटो किराए पर लिया। उनके पति सुनील ने बताया कि 108 को उनके गांव तक पहुंचने और मरीज को लेने में बहुत समय लगेगा क्योंकि सड़क का पूरा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है चूंकि थांडा में उचित सड़क संपर्क नहीं था, इसलिए उन्हें डर था कि 108 सेवा समय पर नहीं आएगी। अस्पताल जाते समय स्वप्ना को प्रसव पीड़ा होने लगी, लेकिन उसके साथ आए परिजनों ने ऑटो को ही लेबर रूम में बदल दिया। बाद में बच्चे और मां को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राम्या ने बताया कि बच्ची का वजन 2.5 किलोग्राम है और वह स्वस्थ है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे आपातकालीन स्थिति में 108 सेवा का उपयोग करें। इस बीच, परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि बार-बार अपील के बावजूद अधिकारी उनके गांव तक उचित सड़क बनाने में विफल रहे हैं।

रैतु सदासु ने सरकार की किसान हितैषी पहलों पर प्रकाश डाला

महबूबनगर, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबनगर जिले के अमिस्थपुर गांव में गुरुवार को तीन दिवसीय रैतु सदासु का भव्य आयोजन शुरू हुआ। किसानों के महापर्व रायथु सदासु का उद्घाटन मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा, थुम्माला नागेश्वर राव और जुपल्ली कृष्ण राव ने किया। इस कार्यक्रम में खेती की भावना का जश्न मनाया गया और किसानों के उत्थान के लिए सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर बोलते हुए स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने इस अवसर पर खुशी जाहिर की और इस बात पर जोर दिया कि कृषि एक बोझ नहीं, बल्कि एक त्योहार है।

अभिनेता नंदमूरी बालकृष्णा ने किया वैल्यू झोन हायपर मार्ट नाचारम ब्रांच का शुभारंभ

ग्रेटर हैदराबाद के नाचारम क्षेत्र में भारत के सबसे बडे हायपर मार्ट-वैल्यू झोन-ब्रांच का शुभारंभ करते हुए, हायपर मार्ट ब्राण्ड अम्बेसडर व मशहूर तेलुगू अभिनेता, एवं राजनीतिज्ञ नंदमूरी बालकृष्णा सहित अन्य।

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगू फिल्म अभिनेता, हायपर मार्ट अम्बेसडर व राजनीतिज्ञ नंदमूरी बालकृष्णा ने वैल्यू झोन हायपर मार्ट की नाचारम ब्रांच का शुभारंभ किया। इस संदर्भ में, वैल्यू झोन हायपर मार्ट प्रमुख ने बताया कि, इस तथ्य से सभी हैदराबाद-सिकंदराबाद वासी अवगत हैं कि, उक्त हायपर मार्ट ने पटनचेरू में ग्राहकों के भारी रेसपान्स से रिटेल शापिंग में बेजोड सफलता हासिल की।

हायपर मार्ट अम्बेसडर व राजनीतिज्ञ नंदमूरी बालकृष्णा ने वैल्यू झोन की नाचारम ब्रांच का शुभारंभ करने के दौरान कहा कि, इसमें हरेक ग्राहकों द्वारा समग्र रिटेल शापिंग से जुडी सामग्री जैसे फैशन, किराणा सामान, जूते, लग्गेज, फर्निशिंग, स्टेशनरी, सामान्य वस्तुओं सहित राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय ब्राण्ड्स के आकर्षक उत्पाद उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि, उपरोक्त हायपर मार्ट खोलने की अद्भूत कल्पना पी. वेंकटेश्वरलु, एस. राजमौली, टी. प्रसादराव तथा स्वर्गीय पी. सत्यनारायण जैसे महान व्यक्तियों की अच्छी सोच का नतीजा है। यह हायपर मार्ट लगभग 1,7 लाख स्के.फीट्स में फैला है तथा यहां पर दो हजार से अधिक आकर्षक उत्पादों की भरमार है। जिसमें एक खरीदें एक पाएं की अद्भूत व्यवस्था सहित फ्री चेकआउट के लिए चालीस से अधिक कैश काउण्टर्स की व्यवस्था है। राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय ब्राण्ड्स से जुडे पुरुष व महिलाओं व बच्चों के लिए सौ से अधिक फैशन प्राडक्ट्स की भरमार है। साथ ही दो हजार से अधिक आकर्षक सिल्क साडियां भी उपलब्ध हैं। भविष्य में राज्य में वैल्यू झोन हायपर मार्ट की कई और कई शाखाएं खोले जाने की योजना बनाई गई है।

आईआईसीटी को हिंदी कार्यान्वयन में मिला प्रथम पुरस्कार

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, नराकास-2, हैदराबाद के द्वारा उत्कृष्ट हिंदी कार्यान्वयन के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार डॉ. सागर हनुमान सिंह, महानिदेशक, एनआईपीएचएम द्वारा प्रदान किया गया। पुरस्कार एम. आनंद कुमार, प्रशासन नियंत्रक के द्वारा ग्रहण किया गया।

बाघ ने बछड़े को मार डाला, ग्रामीणों को अपनी जान और फसलों का खतरा

कुमराम भीम आसिफाबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वनकीडी मंडल के सोनापुर गांव के जंगल में गुरुवार को बाघ ने एक बछड़े को मार डाला, जिससे ग्रामीण सकते में आ गए। ग्रामीणों ने बताया कि तेलंगाना और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित सोनापुर के जंगलों में सुबह-सुबह चरते समय बाघ ने एक बछड़े पर हमला कर उसे मार डाला। उन्हें संदेह है कि रविवार को ढाबा गांव में झुंड की पांच गायों को घायल करने वाले बाघ ने ही बछड़े पर हमला किया होगा।

उन्होंने बताया कि एनएच 363 पर वानकीडी मंडल के गोयागांव गांव के पास एक इको-ब्रिज पर देखा गया बाघ हमला करने में शामिल था। उन्होंने बताया कि बाघ की हरकतों के बाद अब वे कपास की फसल काटने से कतराने लगे हैं। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों से मानवीय क्षति को रोकने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया। वन अधिकारियों ने बताया कि वे सीसीटीवी कैमरा ट्रैप लगाकर और पशु ट्रैकर लगाकर बाघ की गतिविधियों पर नज़र रख रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों को बाघ से अचानक टकराव से बचने और जंगल के अंदर न जाने की सलाह दी। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे जंगली जानवरों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाने से रोकने के लिए बिजली से चलने वाली बाड़ लगाकर बाघ को नुकसान न पहुंचाएं।

इथेनॉल फैक्ट्री से कोई लेना-देना नहीं : तलसानी

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने गुरुवार को कहा कि निर्मल में प्रस्तावित इथेनॉल कारखाने का उनके बेटे और परिवार से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने चुनौती दी कि कोई भी यह साबित कर दे कि कंपनी का स्वामित्व उनके परिवार के पास है। उन्होंने वादा किया कि अगर कोई यह साबित कर दे कि फैक्ट्री का मालिकाना हक उनके बेटे का है तो वह यूनिट का स्वामित्व किसी और को सौंप देंगे। उन्होंने प्रतिद्वंद्वी दलों पर बीआरएस की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास करने का आरोप लगाया और मांग की कि सरकार दिलावरपुर के ग्रामीणों की चिंताओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर करे। श्रीनिवास यादव ने कहा कि ग्रामीण इथेनॉल फैक्ट्री के खिलाफ़ प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार को जनता को जवाब देने की ज़रूरत है। उन्होंने स्वीकार किया कि उनका बेटा राजमंड्री के पास एक डिस्टिलरी कंपनी के आठ निदेशकों में से एक था, लेकिन उसने 2016 में पद से इस्तीफ़ा दे दिया था। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर पुराने दस्तावेजों का इस्तेमाल कर झूठ फैलाने का आरोप लगाया। यादव ने कहा कि कांग्रेस को सत्ता में आए एक साल हो गया है और राज्य के लोग मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने सरकार से इन मुद्दों पर ध्यान देने और जनता को स्पष्टता प्रदान करने का आग्रह किया।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक में एमएलसी सीटों पर चर्चा

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी तेलंगाना में जल्द ही खाली होने वाली सभी एमएलसी सीटों को फिर से हासिल करने के लिए सभी विकल्पों पर विचार कर रही है। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने गुरुवार को गांधी भवन में पार्टी नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की और आगामी एमएलसी चुनावों के लिए रणनीतियों पर चर्चा की। बैठक में वरिष्ठ नेताओं, मंत्रियों और जिला स्तर के पदाधिकारियों ने भाग लिया। तीन एमएलसी- टी. जीवन रेड्डी (मेदक, निजामाबाद, आदिलाबाद और करीमनगर जिलों से स्नातक एमएलसी), कुरा राघोथामा रेड्डी (उसी जिलों से शिक्षक एमएलसी) और अलुगुबेली नरसी रेड्डी (वारंगल, खम्मम और नलगोंडा जिलों से शिक्षक एमएलसी) का कार्यकाल 29 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाला है। चुनाव आयोग इन चुनावों के लिए अंतिम मतदाता सूची 30 दिसंबर, 2024 को जारी करेगा और नए सदस्यों के चुनाव की प्रक्रिया मार्च तक समाप्त होने की उम्मीद है। मेदक, निजामाबाद, आदिलाबाद और करीमनगर जिलों में स्नातक एमएलसी चुनावों की तैयारी में (जो वर्तमान में कांग्रेस के पास हैं) टीपीसीसी प्रमुख ने मंत्रियों, विधायकों और डीसीसी अध्यक्षों के साथ चर्चा की। एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपा दास मुंशी, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, श्रीधर बाबू और कोंडा सुरेखा जैसे प्रमुख नेताओं ने विचार-विमर्श में भाग लिया।

जाति जनगणना से स्कूलों में शिक्षा पर पड़ रहा असर

शिक्षकों की लगाई गई है ड्यूटी

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में कांग्रेस सरकार की जाति जनगणना में शिक्षकों के लगे रहने के कारण सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था पर बुरा असर पड़ता दिख रहा है। तीन सप्ताह तक घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने के बाद, शिक्षकों (जो गणनाकर्ताओं के रूप में भी काम कर रहे थे) का काम अभी खत्म नहीं हुआ है। अब उन्हें डेटा एंट्री के काम के लिए तैयार किया गया है, जिससे प्राथमिक विद्यालयों को आवश्यक निर्देशों के बिना रहना पड़ रहा है, खासकर ऐसे समय में जब अगले सप्ताह राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) 2024 परीक्षा आयोजित की जानी है।

18,241 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत 36,559 माध्यमिक ग्रेड शिक्षकों (एसजीटी) और 3,414 प्राथमिक विद्यालय प्रधानाध्यापकों (पीएसएचएम) सहित लगभग 40,000 शिक्षकों को तीन सप्ताह की अवधि के लिए जाति सर्वेक्षण और परामर्श कार्य करने का काम सौंपा गया है। इसके लिए, सरकार ने तीन सप्ताह के लिए सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बजाय आधे दिन के स्कूल शेड्यूल (सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक) की घोषणा की। 6 नवंबर से शुरू हुई जाति जनगणना अब लगभग पूरी होने वाली है। हालांकि राज्य सरकार ने सर्वेक्षण में एकत्र किए गए डेटा को दर्ज करने के लिए डेटा एंट्री ऑपरेटरों को नियुक्त किया है, लेकिन शिक्षकों को डेटा एंट्री के दौरान मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, यह सुनिश्चित करने के लिए है कि विवरण दर्ज करने में कोई त्रुटि न हो। यह ऐसे समय में आया है जब शिक्षा मंत्रालय 4 दिसंबर को एनएएस परीक्षा आयोजित करने वाला है, जो कक्षा 3, 6 और 9 के विद्यार्थियों के सीखने के स्तर का मूल्यांकन करने के लिए एक मूल्यांकन परीक्षा है। प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक गणना कार्य के कारण पहले से ही दोपहर के भोजन के बाद तीन सप्ताह तक स्कूल से दूर रहते हैं। इस डेटा एंट्री कार्य के कारण, वे एक और सप्ताह के लिए कक्षाओं से दूर रहेंगे, जिससे छात्रों की एनएएस की तैयारी प्रभावित होगी। राज्य शिक्षक संघ तेलंगाना के महासचिव जी सदानन्दम गौड़ ने कहा कि मंडल और नगर निगम अधिकारियों ने मौखिक आदेश जारी कर शिक्षकों को सर्वेक्षण डेटा प्रविष्टि के दौरान उपस्थित रहने के लिए मजबूर किया। गौड़ ने कहा कि यह कार्य प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा शिक्षण में बाधा उत्पन्न कर रहा है। इसका निश्चित रूप से एनएएस में छात्रों के प्रदर्शन पर प्रभाव पड़ेगा। हम चाहते हैं कि राज्य सरकार संबंधित अधिकारियों को तुरंत आदेश जारी करे कि वे सर्वेक्षण में भाग लेने वाले शिक्षकों की सेवाओं का उपयोग कंप्यूटर डेटा प्रविष्टि कार्य के लिए न करें।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

एडिलेड में होगा टीम इंडिया के पांच खिलाड़ियों का डेब्यू!

रोहित की कप्तानी में दिखेगा ये खास नजारा

एडिलेड, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का दूसरा मैच एडिलेड ओवल में खेला जाएगा, जो डे-नाइट टेस्ट होगा. इस मुकाबले की शुरुआत 6 दिसंबर से होगी. बता दें, पिछली बार जब दोनों टीमों के बीच डे-नाइट टेस्ट खेला गया था तो भारतीय टीम 36 रन पर ऑलआउट हो गई थी. लेकिन इस बार टीम इंडिया ने सीरीज की शुरुआत काफी धमाकेदार अंदाज में की है. भारत ने पहले टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हराया था. ऐसे में टीम इंडिया की प्लेइंग 11 में ज्यादा बदलाव नहीं देखने को मिलेंगे. इसका मतलब है कि कम से कम 5 खिलाड़ियों का इस मैच में एक खास डेब्यू होगा.

एडिलेड में पांच खिलाड़ियों का होगा डेब्यू

इस डे -नाइट टेस्ट में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की वापसी तय मानी जा रही है. निजी कारणों के चलते वह पहला मैच नहीं खेल सके थे. वहीं, शुभमन गिल अंगूठे में चोट के कारण पर्थ टेस्ट का हिस्सा नहीं थे. ऐसे में वह समय पर ठीक होते हैं तो उनका खेलना भी तय है. यानी गिल-रोहित की वापसी से बैटिंग ऑर्डर में बदलाव देखने को मिल सकता है. इन दोनों खिलाड़ियों के प्लेइंग 11 में आने पर पर्थ टेस्ट खेलने वाले 2 खिलाड़ियों को बाहर बैठना पड़ेगा. इसके अलावा 9 खिलाड़ी एडिलेड टेस्ट भी खेलते हुए नजर आ सकते हैं.

अगर, टीम इंडिया की प्लेइंग 11 में 2 से ज्यादा बदलाव नहीं होते है तो कम से कम 5 खिलाड़ियों का पिंक बॉल टेस्ट में डेब्यू होगा, यानी ये खिलाड़ी भारत के लिए पहली बार डे-नाइट टेस्ट मैच खेलेंगे. ये 5 खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज और हर्षित राणा हैं. इन खिलाड़ियों ने पर्थ टेस्ट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था, जिसके चलते ये एडिलेड टेस्ट में खेलने के सबसे बड़े दावेदार हैं.

पिंक बॉल टेस्ट में टीम इंडिया का रिकॉर्ड

टीम इंडिया ने अपने क्रिकेट इतिहास में अभी तक 4 पिंक बॉल टेस्ट मैच खेले हैं. इस दौरान भारतीय टीम ने 3 मैचों में बाजी मारी है और 1 मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा है. ये हार टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही मिली थी.

इसके अलावा भारत ने बाकी टीमों मैच अपने घर पर खेलते हुए जीते हैं. वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 12 पिंक बॉल टेस्ट मैच खेले हैं. इसमें से 11 मैचों में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जीत दर्ज ही है और 1 मैच में ही हार का सामना किया है.

ये हार उसे इसी साल वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली थी. यानी पिंक बॉल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड टीम इंडिया के मुकाबले काफी बेहतर है.

राहुल या डु प्लेसिस नहीं, अक्षर पटेल बन सकते हैं दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के लिए दिल्ली कैपिटल्स का पूरा स्क्वॉड सामने आ चुका है। ऋषभ पंत के जाने के बाद अब फ्रेंचाइजी को टीम के लिए नए कप्तान की तलाश है। हालांकि मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने केएल राहुल और फाफ डु प्लेसिस को खरीदा है। ये दोनों ही खिलाड़ी पिछले कई सीजन से आईपीएल में अपनी-अपनी टीमों की कप्तानी करते हुए दिखाई दे रहे थे।

केएल राहुल के काफी चांस माने जा रहे है कि वे दिल्ली कैपिटल्स के नए कप्तान बन सकते हैं। जिनको फ्रेंचाइजी ने 14 करोड़ रुपये में खरीदा है। हालांकि दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक पार्थ जिंदल ने अब नए कप्तान को लेकर बड़ा हिंट दिया है। जिसके बाद ऐसा लग रहा है कि केएल राहुल और फाफ डु प्लेसिस पर एक दूसरा खिलाड़ी भारी पड़ सकता है।

केएल राहुल और फाफ डु प्लेसिस के अलावा अक्षर पटेल दिल्ली कैपिटल्स के नए कप्तान की रेस में सबसे आगे माने जा रहे हैं। अक्षर पिछले काफी लंबे समय से दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा आईपीएल 2024 में अक्षर दिल्ली के उपकप्तान भी थे।

वहीं अब नए कप्तान को लेकर पार्थ जिंदल ने ईएसपीएन पर कहा कि नए कप्तान को लेकर कुछ भी कहना अभी जल्दबाजी होगी। अक्षर काफी समय से फ्रेंचाइजी के साथ है और पिछले सीजन उपकप्तान भी थे, लेकिन ये कहना मुश्किल है कि वे कप्तान होंगे या नहीं। अब काफी कुछ होना बाकी है। अभी तक केएल राहुल से मुलाकात नहीं हुई है लेकिन मैं उनसे जानना चाहूंगा। हालांकि इस पर कोचिंग स्टाफ की राय भी निर्भर करती है।

अक्षर की हुई जमकर तारीफ

अपने इंटरव्यू में पार्थ जिंदल ने धाकड़ ऑलराउंडर पार्थ जिंदल की जमकर तारीफ की। उनका कहना है कि अक्षर ड्रेसिंग रूम का माहौल काफी अच्छा बनाकर रखता है। वो टी20 क्रिकेट का शानदार ऑलराउंडर है। हर लिहाज से अक्षर रवींद्र जडेजा के उत्तराधिकारी माने जाते हैं। वे लंबे समय से फ्रेंचाइजी के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए आ रहे हैं। जब ऋषभ पंत चोटिल हो गए थे और टीम के साथ नहीं थे तब भी अक्षर ने आगे कदम बढ़ाया और फ्रेंचाइजी के लिए बड़ी भूमिका निभाई।

अर्शदीप सिंह के एक गेंद फेंकने की कीमत 5.36 लाख

आईपीएल में बनाया खास रिकॉर्ड

मुंबई, 28 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 का ऑक्शन तो खत्म हो गया. अब बारी है एक्शन का, जो कि अभी दूर है. लेकिन, उससे पहले ये जरूर जान लीजिए कि आईपीएल 2025 में अर्शदीप सिंह की एक गेंद की कीमत कितनी होगी? अर्शदीप सिंह को आईपीएल 2025 के ऑक्शन में आरटीएम का इस्तेमाल करते हुए पंजाब किंग्स ने खुद से जोड़ा है. बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को टी20 स्पेशलिस्ट माना जाता है. यही वजह है कि उनके लिए 18 करोड़ रुपये की बड़ी रकम खर्च करने से भी पंजाब किंग्स हिचकिचाई नहीं.

बाप रे बाप... आईपीएल 2025 में एक गेंद फेंकने का इतना दाम

अब 18 करोड़ के इस तेज गेंदबाज. या यूं कहें कि आईपीएल में सबसे महंगे बिके भारतीय तेज गेंदबाज की एक गेंद की कीमत क्या होगी? जब उनकी एक गेंद का मोल निकालने के लिए हमने गुणा-भाग किया तो पता चला कि उनकी एक गेंद लाखों रुपये की है. हमारे हिसाब के मुताबिक अर्शदीप सिंह आईपीएल 2025 में एक गेंद 5.36 लाख रुपये की डालेंगे.

ये है वो गुणा-भाग, जिससे तय हुई अर्शदीप की एक गेंद की कीमत

हमने ये गणित सुलझाया कैसे, अब जरा वो जान लीजिए. आईपीएल 2025 में हरेक टीम को ग्रुप स्टेज पर 14 मैच खेलने हैं. हरेक गेंदबाज 4 ओवर डालेगा. कम से कम अर्शदीप सिंह तो जरूर डालेंगे क्योंकि वो अपनी टीम के स्ट्राइक गेंदबाज होंगे. अब एक ओवर में होती हैं 6 गेंद. मतलब 14 मैचों का निकालें तो कुल हो गई 336 गेंद. अब अर्शदीप सिंह का दाम है 18 करोड़. तो उस 336 गेंद से हम 18 करोड़ रुपये को भाग देंगे और फिर 5.36 लाख रुपये की वो रकम निकलती है जो IPL 2025 में अर्शदीप की एक गेंद की कीमत होती है.

सबसे बेस्ट स्ट्राइक रेट का रिकॉर्ड बनाया

अर्शदीप सिंह ने एक रिकॉर्ड भी बनाया है. वो T20 में कम से कम 200 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाजों के बीच सबसे बेस्ट स्ट्राइक रेट रखने वाले भारतीय बन गए हैं. अर्शदीप ने 15.7 की स्ट्राइक रेट के साथ 151 मैच में 200 T20 विकेट पूरे किए. उन्होंने ये उपलब्धि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मध्य प्रदेश के खिलाफ मैच में 27 नवंबर को हासिल की.

अनसोल्ड रहने के बाद भी आईपीएल खेल सकते हैं पृथ्वी शॉ

आखिर कैसे है वापसी संभव?

मुंबई, 28 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन इस बार दो दिन तक चला। जिसमें 577 खिलाड़ियों पर बोली लगी और उनमे से 182 खिलाड़ी बिके। जहां एक तरफ कुछ खिलाड़ियों पर मेगा ऑक्शन में जमकर पैसों की बरसात हुई तो वहीं दूसरी तरफ कई प्लेयर्स को किसी भी फ्रेंचाइजी ने नहीं खरीदा और ये खिलाड़ी अनसोल्ड रह गए। जिसमें टीम इंडिया के युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ का नाम भी शामिल है।

75 लाख का बेस प्राइस होने के बाद भी इस खिलाड़ी को किसी फ्रेंचाइजी ने नहीं खरीदा। हालांकि अभी भी पृथ्वी शॉ के लिए आईपीएल 2025 के रास्ते पूरी तरह से बंद नहीं हुए हैं। चलिए अब हम आपको बताते हैं कि आखिर अनसोल्ड रहने के बाद भी पृथ्वी शॉ की आईपीएल 2025 में वापसी संभव है।

दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी ने इस बार पृथ्वी शॉ को रिलीज करने का फैसला किया था। दरअसल इस खिलाड़ी का मौजूदा फॉर्म बेहद खराब है, इसके अलावा फिटनेस को लेकर भी पृथ्वी पर सवाल उठ रहे हैं। यहीं कारण है इस सलामी बल्लेबाज पर किसी भी फ्रेंचाइजी ने मेगा ऑक्शन में नहीं खरीदा है। लेकिन अभी भी पृथ्वी की नए सीजन में वापसी हो सकती है।

दरअसल रिपोर्ट्स के मुताबिक अगर किसी टीम के मौजूदा स्क्वॉड का खिलाड़ी चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर हो जाता है तो टीम एक ऐसे खिलाड़ी का नाम रिप्लेसमेंट के तौर पर दे सकती है जो मेगा ऑक्शन में शामिल हुआ हो।

इतना ही हीं इसकी भी एक शर्त है रिप्लेसमेंट के तौर पर वही खिलाड़ी आ सकता है जिसकी ऑक्शन में कीमत चोटिल हुए खिलाड़ी से कम हो।

पृथ्वी के करियर पर मंडराया खतरा

पृथ्वी शॉ के लिए मौजूदा समय कुछ अच्छा नहीं रहा है। पहले उनको दिल्ली कैपिटल्स ने रिलीज किया, उसके बाद रणजी ट्रॉफी से उनको टीम ने ड्रॉप कर दिया। अब मेगा ऑक्शन में भी इस खिलाड़ी को कोई खरीदार नहीं मिला है। जिसके बाद अब बेहद कम उम्र में पृथ्वी के क्रिकेट करियर पर खतरा मंडराने लगा है।

पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

लखनऊ में सैयद मोदी चैंपियनशिप में इरा शर्मा ने सिंधु को दी कड़ी टक्कर

लखनऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के बीबीडी स्टेडियम में चल रही सैयद मोदी बैडमिंटन चैंपियनशिप में पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। दोनों खिलाड़ियों ने गुरुवार को खेले गए मुकाबले में जीत दर्ज की।

पीवी सिंधु को इरा शर्मा ने कड़ी टक्कर दी। पहले सेट में पीवी सिंधु के जीतने के बाद इरा ने दूसरे सेट में वापसी की। वही, लक्ष्य सेन ने पूरे मैच के दौरान इजराइली खिलाड़ी डेनिल डूबोवेनको पर बढ़त बनाकर उसे हराया है।

महिला डबल्स में अश्वनी पोनप्पा और तनिशा क्रिएसटो ने ताइवान की सू यू चेन और ईएन की जोड़ी के खिलाफ 21-19,8-21 और 21 -12 से हराया है। प्रियांशू रजावत ने वियतनाम के खिलाड़ी ली डू फट को 21-15,21-8 के अंतर से हरा कर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की है।

महिला एकल में इन खिलाड़ियों ने दर्ज की जीत

सीनियर लेवल में पीवी सिंधु ने इरा शर्मा को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में 21-10, 12-21, 21-15 से हराया। भारत की उन्नति हुड्डा ने थाईलैंड की पोर्नपिचा चोइइकेवांग को 21-18, 22-20 से हराकर उलटफेर के साथ अगले दौर में जगह बनाई। अमेरिका की इशिका जायसवाल ने आठवीं वरीय म्यांमार की थेट हटर थजार को तीन गेम तक चले मुकाबले में 11-21, 21-19, 21-17 से हराया। चीन की डी.वांग ने भारत की देविका सिहाग को 21-14, 21-15 से हराया। भारत की श्रीयांशी वाली शेट्टी ने उलटफेर करते हुए दूसरी वरीय भारत की मालविका बंसोड को 21-12, 21-15 से हराया।

पुरुष एकल में इन खिलाड़ियों ने दर्ज की जीत

आठवीं वरीय भारत के आयुष शेट्टी ने मलेशिया के जस्टिन होह को 21-12, 21-19 से हराया। भारत के शीर्ष वरीय लक्ष्य सेन ने इजरायल के डेनियल डुबोवेंको को 21-14, 21-13 से हराया। पुरुष युगल में भारत के ईशान भटनागर व शंकर प्रसाद उदयकुमार को चौथी वरीय चीन के कुई हे चेन व पेंग जियान किन के खिलाफ वाकओवर मिला।

मिश्रित युगल

भारत की बी.सुमित रेड्डी व सिकी रेड्डी की शीर्ष वरीय जोड़ी उलटफेर का शिकार हो गई। इस जोड़ी को 50 मिनट चले मैराथन मुकाबले में मलेशिया के लू बिंग कून व हो लो यी की जोड़ी ने 19-21, 21-16, 21-13 से हराया।

चीन के लियाओ पिन यी व हुआंग के झिन ने सातवीं वरीय रोहन कपूर व रूत्विका शिवानी की जोड़ी को 21-18, 21-19 से हराया चीन के चौथी वरीय झाऊ झी हांग व यांग जिया यी ने भारत के विष्णु श्री कुमार व अपर्णा बालान को 21-11, 21-12 से हराया। भारत के दूसरी वरीय सतीश कुमार करुणाकरन व आद्या वरियानाथ ने भारत के चयनित जोशी व काव्या गुप्ता को 21-18, 21-17 से हराया।

महिला युगल

प्रिया कोन्जेंगबम व श्रुति मिश्रा की पांचवीं वरीय भारतीय जोड़ी ने भारत की कविप्रिया सेल्वम व सिमरन सिंघी को 21-15, 21-12 से हराया।

पहले टेस्ट में श्रीलंका 42 रन पर ऑलआउट: 5 बैटर जीरो पर आउट

साउथ अफ्रीका से मार्को यानसन ने 7 विकेट लिए

डरबन, 28 नवंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में श्रीलंका टीम महज 42 रन पर ऑलआउट हो गई। 5 बैटर खाता भी नहीं खोल सके और टीम ने 13.5 ओवर में अपने 10 विकेट गंवा दिए। साउथ अफ्रीका से लेफ्ट आर्म पेसर मार्को यानसन ने 7 विकेट लिए।

डरबन के किंग्समीड स्टेडियम में श्रीलंका ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी थी। बुधवार को साउथ अफ्रीका ने खेलना शुरू किया, टीम 191 रन बनाकर ऑलआउट हुई। इस तरह उन्हें पहली पारी में 149 रन की बढ़त मिली।

पहले दिन साउथ अफ्रीका ने 80 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे। फिर बारिश होने लगी, जिस कारण खेल रोका गया। दूसरे दिन टीम से कप्तान टेम्बा बावुमा ने 70 रन बनाए। उनकी पारी की मदद से साउथ अफ्रीका ने 191 रन का स्कोर बना दिया।

केशव महाराज ने 24, मार्को यानसन ने 13, कगिसो रबाडा ने 15 और ट्रिस्टन स्टब्स ने 16 रन बनाए। बाकी बैटर्स 10 रन से ज्यादा नहीं बना सके। श्रीलंका से असिथा फर्नांडो और लहिरु कुमारा ने 3-3 विकेट लिए। 2-2 विकेट विश्वा फर्नांडो और प्रबाथ जयसूर्या को मिले। पहली पारी में श्रीलंका की टीम 14 ओवर भी बैटिंग नहीं कर सकी। टीम ने तीसरे ओवर में पहला विकेट गंवाया और 14वें ओवर की पांचवीं बॉल पर 10वां विकेट भी गिर गया। लहिरु कुमारा ने 10 और कमिंडु मेंडिस ने 13 रन बनाए।

दिनेश चांदीमल, कुसल मेंडिस, प्रबाथ जयसूर्या, विश्वा फर्नांडो और असिथा फर्नांडो खाता भी नहीं खोल सके। एंजलो मैथ्यूज ने 1, दिमुथ करुणारत्ने ने 2 और पथुम निसांका ने 3 रन बनाए। साउथ अफ्रीका से मार्को यानसन ने 7 विकेट लिए। जेराल्ड कूट्जी ने 2 और कगिसो रबाडा ने 1 विकेट लिया।

टेस्ट क्रिकेट में यह श्रीलंका का सबसे छोटा स्कोर है, इससे पहले 1994 में टीम पाकिस्तान के खिलाफ 71 रन पर ऑलआउट हुई थी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ यह किसी भी टीम का सबसे छोटा स्कोर भी रहा, इससे पहले 2013 में न्यूजीलैंड टीम केपटाउन में 45 रन ही बना सकी थी। साउथ अफ्रीका में यह तीसरा सबसे छोटा स्कोर रहा, इससे पहले होम टीम 30 और 35 रन पर सिमट चुकी है।

श्रीलंका और साउथ अफ्रीका दोनों के ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बाकी हैं। श्रीलंका को बचे हुए 4 में से 3 टेस्ट जीतने हैं, जबकि साउथ अफ्रीका को बचे हुए चारों मैच जीतने होंगे। साउथ अफ्रीका को पाकिस्तान और श्रीलंका को ऑस्ट्रेलिया से 2-2 टेस्ट और खेलना हैं।

डी गुकेश की शानदार वापसी

विश्व शतरंज चैंपियनशिप के तीसरे दौर में गत चैंपियन डिंग लिरेन को हराया

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप में गत चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को 'टाइम कंट्रोल' में मात देकर तीसरे दौर में पहली जीत दर्ज करके अंक बराबर कर लिए। काले मोहरों से खेलते हुए पहला मुकाबला हारने के बाद दूसरा मुकाबला गुकेश ने ड्रॉ खेला था। दोनों खिलाड़ियों के अब 1.5-1.5 अंक हैं। भारत के 18 वर्ष के गुकेश ने 37 चालों में जीत दर्ज की। लिरेन को मुकाबले के पहले चरण में काफी समय बर्बाद करने का खामियाजा भुगतना पड़ा।

गुकेश ने तीसरा दौर सफेद मोहरों से खेला। 13वीं चाल तक गुकेश के पास एक घंटे की बढ़त थी और उन्होंने सिर्फ चार मिनट खर्च किए थे। लिरेन ने दूसरी तरफ एक घंटा और छह मिनट लगा दिए थे। खेल के पहले 120 मिनट में से 40 चालों तक समय में कोई इजाफा नहीं किया जाता। बीच में मुकाबला जटिल होने से लिरेन पर असर पड़ा और गुकेश ने परफेक्ट चालों से उन पर दबाव बढ़ा दिया।

गुकेश ने वही रणनीति अपनाई जो पूर्व विश्व चैंपियन रूस के ब्लादीमिर क्रामनिक ने एक रैपिड मुकाबले में भारत के अर्जुन एरिगेसी के खिलाफ अपनाई थी। एरिगेसी ने हार से बाल-बाल बचते हुए वह मुकाबला ड्रॉ कराया था जबकि गुकेश ने लिरेन की सहज गलतियों का फायदा उठाकर जीत दर्ज की। लिरेन के पास आखिरी नौ चाल के लिए सिर्फ दो मिनट और आखिरी छह चाल के लिए सिर्फ दस सेकंड बचे थे। आखिर में उनके पास समय ही बाकी नहीं रह गया। गुकेश की नजरें विश्वनाथन आनंद के बाद विश्व चैंपियनशिप जीतने वाला पहला भारतीय खिलाड़ी बनने पर है। आनंद ने पांच बार विश्व चैंपियनशिप जीती और वह गुकेश के मार्गदर्शक रहे हैं। मुकाबले में बृहस्पतिवार विश्राम का दिन है।

ऑस्ट्रेलिया के पीएम ने विराट-रोहित और बुमराह से की मुलाकात, अक्षरधाम मंदिर से है ये नाता

टीम इंडिया इस वक्त ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है और पहले मैच में उसे शानदार जीत भी मिली. टीम इंडिया ने पर्थ टेस्ट जीतकर टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है. टीम इंडिया को अब अगला टेस्ट 6 दिसंबर से एडिलेड में खेलना है लेकिन उससे पहले ये टीम इस मैच की तैयारी के लिए 30 नवंबर से दो दिवसीय वॉर्मअप मैच खेलेगी. ये मुकाबला प्राइम मिनिस्टर इलेवन के खिलाफ होगा. वैसे इस मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बानीज़ ने टीम इंडिया के खिलाड़ियों से मुलाकात की है. कैनबरा में हुई इस मुलाकात में वो विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को देखकर काफी जोश में आ गए.

बुमराह-विराट के मुरीद अल्बानीज़

एंथनी अल्बानीज़ बड़ी गर्मजोशी से टीम इंडिया के खिलाड़ियों से मिले. उन्होंने जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी की तारीफ की और साथ ही वो विराट कोहली से भी कुछ देर तक बातचीत करते नजर आए. कप्तान रोहित शर्मा उन्हें टीम के सभी खिलाड़ियों से मिला रहे थे. आर अश्विन, रवींद्र जडेजा सभी ने ऑस्ट्रेलियाई पीएम से मुलाकात की. एंथनी अल्बानीज़ पिछले दो सालों से ऑस्ट्रेलिया के पीएम हैं और आपको बता दें इनका भारत से एक खास नाता भी है.

अक्षरधाम मंदिर के मुरीद एंथनी

एंथनी अल्बानीज़ पीएम मोदी के अच्छे दोस्त हैं. उनके पीएम बनने के बाद ऑस्ट्रेलिया और भारत के रिश्ते काफी बेहतर हुए हैं. एंथनी अल्बानीज़ की बात करें तो इनका दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर से भी खास नाता है. दरअसल साल 2018 में जब एंथनी अल्बानीज़ पीएम नहीं थे तो वो इंडिया आए थे. उन्होंने 30 साल बाद राजधानी दिल्ली में कदम रखा था. एंथनी ने एक इंटरव्यू में बताया कि वो अकेले ही बिना सुरक्षा के अक्षरधाम चले गए थे. उन्होंने दिल्ली मेट्रो से अक्षरधाम मंदिर तक का सफर तय किया. एंथनी अक्षरधाम मंदिर को देख उसके मुरीद हो गए और उन्होंने वहां के लोगों की काफी तारीफ की. उनके मुताबिक भारतीय लोग काफी ज्यादा सम्मान देते हैं जो कि एंथनी को काफी पसंद आया.

पीआर श्रीजेश की कोचिंग में खेल रही भारतीय टीम की शानदार जीत

थाईलैंड को 11-0 से हराया

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश की कोचिंग में खेल रही भारतीय टीम ने जूनियर एशिया कप हॉकी में शानदार शुरुआत करते हुए थाईलैंड को 11-0 से रौंद दिया। गत विजेता भारत के लिए अरायजीत सिंह हुंदल ने (दूसरे, 24वें मिनट), गुरजोत सिंह (18वें, 45वें मिनट), सौरभ कुशवाहा (19वें, 52वें मिनट), अर्शदीप सिंह (8वें मिनट), दिलराज सिंह (21वें मिनट), मुकेश टोप्पो (59वें मिनट) ने मैदानी गोल किए।

शारदानंद तिवारी ने 10वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर पर और रोहित ने 29वें मिनट में पेनाल्टी स्ट्रोक पर गोल किए। भारत का अगला मुकाबला गजापान के साथ होगा। पूल ए में भारत के साथ दक्षिण कोरिया और ताईवान अन्य टीमें हैं।

पूल बी में पाकिस्तान, मलयेशिया, चीन, बांग्लादेश और ओमान शामिल हैं। भारत ने पहले ही क्वार्टर में तीन गोल दागे। मध्यांतर तक भारतीय टीम 8-0 की बढ़त पर थी।

विद्यार्थियों का अपने बच्चों की तरह ख्याल रखें : रेवंत रेड्डी

> *मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टरों को दिए आदेश*

> *छात्रावासों में लगातार हो रही घटनाओं पर मुख्यमंत्री नाराज*

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने जिला कलेक्टरों को सुझाव दिया कि वे राज्य भर के सरकारी स्कूलों, छात्रावासों और गुरुकुलों के विद्यार्थियों के साथ अपने बच्चों की तरह व्यवहार करें और स्वच्छ वातावरण में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने में लापरवाही न बरतें। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को भोजन की आपूर्ति के संबंध में हाल ही में हुई घटनाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को निर्देश दिया कि वे स्कूलों, छात्रावासों और गुरुकुलों का नियमित रूप से निरीक्षण करें और संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत करें। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बार-बार आदेश दिए जाने के बावजूद हुई गलतियों पर खेद व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि विद्यार्थियों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों को भोजन उपलब्ध कराने में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को सेवा से हटाने में वे संकोच नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को याद दिलाया कि अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हजारों शिक्षकों की भर्ती की गई है तथा पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए आहार शुल्क में भी वृद्धि की गई है।

मुख्यमंत्री ने यह भी चेतावनी दी कि विद्यार्थियों के कल्याण के लिए सकारात्मक निर्णय लेने के बावजूद कुछ ताकतें सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रही हैं। ऐसी ताकतों से सख्ती से निपटा जाएगा तथा जिम्मेदार लोगों को कानून के अनुसार दंडित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर छात्रावासों में भोजन की आपूर्ति के बारे में अफवाह फैला रहे हैं तथा विद्यार्थियों के अभिभावकों में दहशत पैदा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को ऐसे लोगों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए।

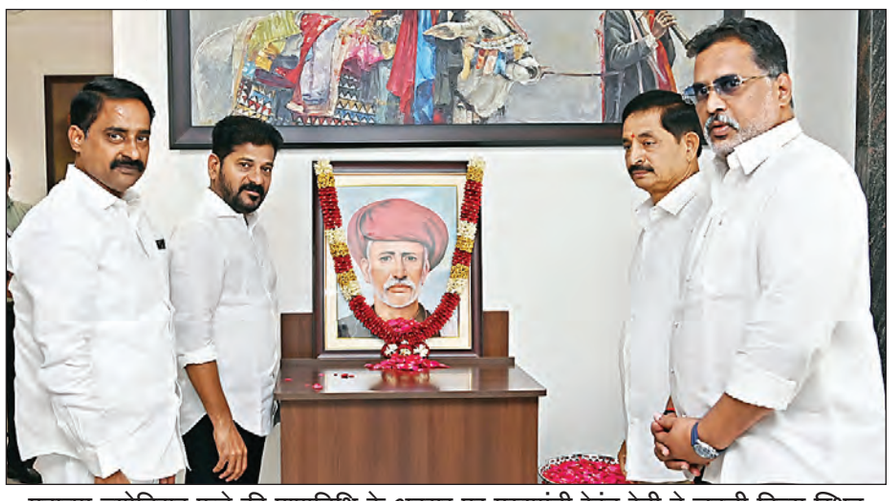

महात्मा ज्योतिराव फुले की पुण्यतिथि के अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जुबली हिल्स स्थित आवास पर उनके चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, पर्यटन निगम के अध्यक्ष पटेल रमेश रेड्डी और अन्य ने महात्मा फुले को श्रद्धांजलि दी।

जन्मदिन के दिन लड़की की बिजली से मौत

सिद्दीपेट, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चेरियाल मंडल के नागापुरी गांव में गुरुवार सुबह एक 16 वर्षीय लड़की की उसके घर में बिजली के तार के संपर्क में आने से मौत हो गई। पीड़िता मज्जिगा काव्या इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष की छात्रा है। वह गुरुवार को अपना 16वां जन्मदिन मना रही थी। इसी बीच, जब उसे पता चला कि पानी की टंकी खाली है, तो वह बोरवेल की मोटर चालू करने गई।

इस दौरान उसने कथित तौर पर बिजली के तार को छू लिया और करंट लगने से उसकी मौत हो गई। इस घटना से पूरा परिवार सदमे में है, क्योंकि काव्या अपने जन्मदिन पर नई ड्रेस पहनकर कॉलेज जाने की तैयारी कर रही थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए चेरियाल के सरकारी अस्पताल भेज दिया है।

प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण वाली कंपनी तेलंगाना में निवेश करेगी : मंत्री श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण में अग्रणी स्टार्टअप बनयान नेशन, बड़े पैमाने पर विस्तार के लिए दो करोड़ रुपये के निवेश के साथ तेलंगाना की सर्कुलर अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है। गुरुवार को सचिवालय में बनयान नेशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद बोलते हुए, मंत्री ने कंपनी की योजनाओं का विवरण साझा किया। वर्तमान में पटनचेरु मंडल के पास मैलारम औद्योगिक क्षेत्र में 15 हजार टन की वार्षिक क्षमता के साथ एक पुनर्चक्रण सुविधा का संचालन कर रहा बरनयन नेशन अपनी क्षमता को तिगुना करके 45 हजार टन करने का लक्ष्य रखता है। श्रीधर बाबू ने कहा, इस विस्तार से अतिरिक्त 500 लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण में विशेषज्ञता रखने वाली यह कंपनी अपने उत्पादों की आपूर्ति यूनिलीवर और टाटा मोटर्स जैसी प्रमुख कंपनियों को करती है। सौ करोड़ रुपये के वार्षिक कारोबार के साथ बनयान नेशन लाभप्रद रूप से काम कर रहा है। मंत्री ने कहा कि कंपनी ने नई सुविधाएं स्थापित करने के लिए अतिरिक्त भूमि का अनुरोध किया है और तेलंगाना राज्य औद्योगिक अवसंरचना निगम इस मामले पर निर्णय लेगा। बैठक में आईटी सलाहकार साई कृष्णा, टीजीआईआईसी के सीईओ वी. मधुसूदन, बनयान नेशन के सीईओ मणि वाजपेयी और सीओओ राज किरण मदनगोपाल शामिल हुए।

नगरपालिका लोगों की समस्याओं के समाधान का मंच बने : पोन्नम

> *मंत्री ने नए नगरपालिका भवन का उद्घाटन किया*

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सिद्दीपेट जिले के हुस्नाबाद में नए नगरपालिका भवन का उद्घाटन किया। नए भवन के उद्घाटन के बाद, अध्यक्ष अकुला राजिता और आयुक्त मल्लिकार्जुन को मंत्री पोन्नम प्रभाकर और कलेक्टर मनु चौधरी ने उनकी कुर्सी पर बैठाया। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष अकुला राजिता वेंकन्ना, उपाध्यक्ष अनिता, पार्षद, सिद्दीपेट लाइब्रेरी कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष लिंगमूर्ति, हुस्नाबाद मार्केट कमेटी के अध्यक्ष तिरुपति रेड्डी, सैदापुर मार्केट कमेटी के अध्यक्ष सुधाकर अन्य महत्वपूर्ण नेता थे। नए नगर निगम कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि विधानमंडल का सदस्य रहते हुए भी हमने दो बार सफाई कर्मियों का सम्मान किया।

क्षेत्र के विकास की शुरूआत करने वाले बोप्पाराजू लक्ष्मीकांत राव ने हुस्नाबाद के विकास में अच्छी भूमिका निभाई। जब मैं संसद सदस्य था तब हुस्नाबाद और जम्मीकुंटा नगर पालिकाओं का गठन किया गया था। नगर निगम के लंबित कार्यों को पूरा करना शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह कार्यालय लोगों की समस्याओं के समाधान का मंच बने। अधिकारी आने वाले लोगों के लिए मार्गदर्शक के रूप में कार्य करें। डाकघर एवं पंजीयन कार्यालय को पुरानी नगर पालिका में लाया जाए। उन्होंने कहा कि यह सभी के लिए उपयोगी होना चाहिए। आइए इस नगर निगम भवन को बोप्पाराजू लक्ष्मीकांत राव का नाम दें। शासी निकाय को मंजूरी देनी चाहिए। मंत्री ने कहा कि विकास एक सतत प्रक्रिया है, पूर्व में काम कर चुके विधान सदस्यों, नगरपालिका अध्यक्षों, पार्षदों और सरपंचों के रूप में काम कर चुके लोगों ने लगातार समन्वय बनाकर काम किया है।

हाईकोर्ट ने दलबदलू विधायकों के खिलाफ दाखिल याचिका खारिज की

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने आज प्रजा शांति पार्टी के अध्यक्ष केए पॉल द्वारा विधानसभा में दल बदलने वाले विधायकों के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। केए पॉल ने अपनी याचिका में कोर्ट से दल बदलने वाले विधायकों को विधानसभा न जाने का आदेश देने की मांग की।

उन्होंने हाईकोर्ट से बीआरएस पार्टी के दलबदलू विधायकों दानम नागेंद्र को विधानसभा की कार्यवाही में हिस्सा लेने से रोकने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विधायक दानम ने पिछले दस सालों में कांग्रेस और बीआरएस की पार्टियां बदली हैं। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे दलबदलू विधायक अपनी मर्जी से दल बदलते रहेंगे तो लोगों का लोकतंत्र से भरोसा उठ जाएगा। हाईकोर्ट ने कहा कि दल बदलने वाले विधायकों के बारे में फैसला विधानसभा अध्यक्ष के अधिकार क्षेत्र में आता है और हाल ही में हाईकोर्ट के एक फैसले में विधानसभा अध्यक्ष से इस मुद्दे पर उचित समय पर उचित फैसला लेने को कहा गया है।

आम नागरिक तक पहुंच प्रभावी शासन की आधारशिला : जिष्णु देव वर्मा

> आईपीएस प्रशिक्षु अधिकारियों ने राज्यपाल से मुलाकात की

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने आज राजभवन में तेलंगाना राज्य को आवंटित 2023 बैच के आईपीएस अधिकारी प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत की। प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने जनता के साथ मजबूत संबंध बनाने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, व्यापक रूप से यात्रा करना, लोगों से जुड़ना और उनकी चिंताओं को समझना जरूरी है। आम नागरिक तक पहुंच प्रभावी शासन की आधारशिला है। राज्यपाल ने कर्तव्यों के निर्वहन में ईमानदारी, समर्पण और सीधेपन के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने सलाह दी, आपको अपने करियर में चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, लेकिन समाज की भलाई के लिए दृढ़ और प्रतिबद्ध रहना महत्वपूर्ण है। तेलंगाना में प्रशिक्षुओं को उनके कार्यभार के लिए बधाई देते हुए राज्यपाल ने राज्य के गतिशील वातावरण पर प्रकाश डाला, जो पुलिसिंग और लोक प्रशासन में नवाचार और विकास के लिए अपार अवसर प्रदान करता है। प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ आईपीएस अभिलाषा बिष्ट, राजा बहादुर वेंकट राम रेड्डी तेलंगाना पुलिस अकादमी के निदेशक भी रहे।

नशे में ड्राइविंग परीक्षण की निंदा

बस डिपो के सामने विरोध प्रदर्शन

महबूबाबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अयप्पा स्वामी भक्त मंडली ने अयप्पा दीक्षा दे रहे आरटीसी ड्राइवरों पर नशे में ड्राइविंग परीक्षण की निंदा करते हुए थोरूर बस डिपो के सामने विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने आरटीसी ड्राइवर नागराजू पर ऐसे परीक्षण किए, जो अयप्पा दीक्षा दे रहे थे। दीक्षा लेने वाले ड्राइवरों के लिए नशे में ड्राइविंग परीक्षण आयोजित करने वाले आरटीसी अधिकारियों के खिलाफ गंभीर आपत्ति जताते हुए, अयप्पा स्वामी भक्त मंडली ने विरोध प्रदर्शन किया।

किसानों के मुद्दों पर कांग्रेस सरकार विफल : केटीआर

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने गुरुवार को किसानों के मुद्दों से निपटने के तरीके पर प्रशासन की आलोचना की। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर रैतु भरोसा योजना को पूरा करने में विफल रहने और कर्ज माफी के वादों से किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार ने धान खरीदने का वादा पूरा नहीं किया है और प्रति क्विंटल अनाज पर 500 रुपये बोनस देने का वादा भी पूरा नहीं किया है। उन्होंने दिलावरपुर और रामन्नापेट में पुलिस की बर्बरता की घटनाओं का भी जिक्र किया, जहां किसानों को हिरासत में लिया गया और जेल में डाला गया। उन्होंने सवाल किया कि क्या सरकार को ऐसी कार्रवाइयों से कुछ खुशी मिलती है? उन्होंने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार 'रैतु पंडुगा' का जश्न मना रही है, जबकि किसान दुखों के जाल में फंसे हुए हैं। उन्होंने सरकार पर झूठे वादे करने और उन्हें पूरा न करने का आरोप लगाया। उन्होंने किसानों की दुर्दशा पर प्रकाश डाला, जो सरकार द्वारा उनकी उपज खरीदने में विफलता के कारण, बिचौलियों को औने-पौने दाम पर बेचने को मजबूर हैं। उन्होंने तेलंगाना के लोगों से आह्वान किया कि वे जागें और अपनी कमियों की पृष्ठभूमि में सरकार की असलियत को समझें।

पूर्व विधायक पटनम नरेंद्र रेड्डी को हाईकोर्ट ने झटका दिया

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने लागाचेरला हमला मामले में पूर्व विधायक पटनम नरेंद्र रेड्डी को बड़ा झटका देते हुए उनकी न्यायिक हिरासत एक बार फिर बढ़ा दी है। रेड्डी की 14 दिन की न्यायिक हिरासत बुधवार को खत्म हो गई। पुलिस ने उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया।

हिरासत की अवधि 11 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है। रेड्डी की हिरासत पर बहस पहले ही पूरी हो चुकी है। हाईकोर्ट ने याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। गौरतलब है कि विकाराबाद जिले के कलेक्टर प्रतीक जैन पर लागाचेरला गांव में हमला हुआ था। आरोप थे कि हमले के पीछे बीआरएस पार्टी के नेता हैं। हालांकि, पिंक पार्टी के नेताओं ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी पर उनके खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पाया कि हमले में शामिल एक आरोपी ने कोडंगल के पूर्व विधायक और बीआरएस नेता पटनम नरेंद्र रेड्डी से कई बार फोन पर बात की थी। नरेंद्र रेड्डी को इसी मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। उन्हें हैदराबाद के केबीआर पार्क में सुबह की सैर के दौरान हिरासत में लिया गया था। नरेंद्र रेड्डी फिलहाल चेरलापल्ली जेल में बंद हैं।

आईपीएस एसोसिएशन ने केटीआर के बयान की निंदा की

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना आईपीएस एसोसिएशन ने सिरसिल्ला विधायक द्वारा सिरसिल्ला कलेक्टर के खिलाफ दिए गए अपमानजनक बयान की कड़ी निंदा की है। तेलंगाना आईपीएस ऑफिसर्स एसोसिएशन ने जारी बयान में कहा है कि सिरसिल्ला जिले के सेवारत सिविल सेवक कलेक्टर के खिलाफ विधायक सिरसिल्ला के तारक रामाराव द्वारा लगाए गए अपमानजनक और निराधार आरोपों की स्पष्ट रूप से निंदा करता है, जिसमें उनकी ईमानदारी और निष्पक्षता पर सवाल उठाने का प्रयास किया गया है। इस तरह की टिप्पणियां शासन के सिद्धांतों और संवैधानिक जनादेश का सीधा अपमान हैं जिसके तहत सिविल सेवक काम करते हैं। अधिकारियों का कर्तव्य है कि वे कानून के शासन को बनाए रखें और बिना किसी डर या पक्षपात के जनता की सेवा करें, और इस तरह के अनुचित हमले गैर-जिम्मेदाराना और लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए हानिकारक दोनों हैं। हम तेलंगाना आईपीएस ऑफिसर्स एसोसिएशन के सदस्य अधिकारी के साथ मजबूती से खड़े हैं और सिविल सेवाओं की गरिमा, स्वतंत्रता और निष्पक्षता की रक्षा के लिए अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। एसोसिएशन ऐसे निराधार आरोपों को तुरंत रोकने का आह्वान करता है और सभी हितधारकों से संस्थागत अखंडता और कानून के शासन का सम्मान करने वाले विमर्श में शामिल होने का आग्रह करता है।

बीआरएस में लौट सकते हैं पूर्व विधायक अरूरी रमेश

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वर्धन्नापेट के पूर्व विधायक अरूरी रमेश कथित तौर पर अपनी मूल पार्टी बीआरएस में वापस लौटना चाह रहे हैं।

रमेश, जो पहले वर्धन्नापेट विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे, बेहतर राजनीतिक संभावनाओं की उम्मीद में बीआरएस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। रमेश का बीआरएस के साथ कार्यकाल उनके निर्वाचन क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है, जिससे उन्हें पार्टी के भीतर एक मजबूत स्थिति प्राप्त हुई। भाजपा में शामिल होने के उनके फैसले को संसदीय सीट हासिल करने के कदम के रूप में देखा गया।

स्थानीय निकाय चुनाव नजदीक आने के साथ ही रमेश अब बीआरएस में फिर से शामिल होने के प्रयास कर रहे हैं, जो उनकी राजनीतिक रणनीति में बदलाव का संकेत है।

सूत्रों का कहना है कि रमेश की बीआरएस में वापसी इस अहसास से प्रेरित है कि उनका राजनीतिक भविष्य उस पार्टी के भीतर अधिक सुरक्षित हो सकता है, जहां उन्होंने शुरूआत में अपनी प्रतिष्ठा बनाई थी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.